आईटी मंत्री की चेतावनी : प्रोडक्ट डिजाइन नहीं तो रोकेंगे सरकारी फंड
-12

पेट्रोल पंप पर केरोसिन भी मिलेगा, हर जिले में 2 पंपों पर रहेगी सुविधा
-12

ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से ट्रांजिट टोल वसूल करने की तैयारी में
-13

लोगों को बात करने दें, मैं अपना हुनर साबित करने के लिए नहीं खेल रहा हूं : रहाणे
-14

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

20.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.02

सूर्यास्त 06.24

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 06:56 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 31 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 219, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

आंगनबाड़ी में होंगी 65 हजार भर्तियां

स्मार्ट सैलरी से बढ़ेगा मानदेय: योगी

मुख्यमंत्री ने किया एलान: 69,804 कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन और 18,440 को दिए नियुक्ति पत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आंगनबाड़ी व्यवस्था में बड़े बदलाव करते हुए पांच हजार कार्यकत्रियों और 60 हजार सहायिकाओं की भर्ती समेत मानदेय में बढ़ोतरी का एलान किया। उन्होंने 'स्मार्ट सैलरी' व्यवस्था लागू करने की बात कहते हुए विभाग को जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और 'न पर्ची-न खर्ची' के आधार पर चयन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी लोकभवन में सोमवार को 69,804 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन और 18,440 कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने 450 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न बाल विकास एवं महिला कल्याण परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट बनाया जा रहा है, तो वहां कार्य करने वाली महिलाओं का मानदेय भी उसी अनुरूप होना चाहिए। न्यूनतम मानदेय की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि उन्हें सम्मानजनक पारिश्रमिक मिल सके। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों को डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्मार्टफोन वितरण से रियल टाइम डेटा अपलोड होगा और योजनाओं की निगरानी बेहतर होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन से पांच वर्ष के बच्चों की प्री-प्राइमरी शिक्षा भी अब इन्हीं केंद्रों पर संचालित होगी।

लखनऊ :लोक भवन सभागार में आंगनबाड़ी कार्यकत्री को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

- 450 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास, योगी बोले- भर्ती प्रक्रिया में न पर्ची-न खर्ची

पहले माफिया संचालित करता था आउटसोर्सिंग

योगी ने कहा कि पहले आउटसोर्सिंग कंपनियां माफिया या नेताओं से जुड़ी होती थीं। वे सरकार से 10-12 हजार रुपये लेकर कर्मचारियों को पांच-छह हजार ही देती थीं और नियुक्ति में भी कमीशन लेती थीं। अब सरकार कॉर्पोरेशन के माध्यम से शोषण-मुक्त व्यवस्था लागू कर सम्मानजनक मानदेय सुनिश्चित करेगी।

आंगनवाड़ी कार्यकत्री 'यशोदा मैया'

मुख्यमंत्री योगी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को 'यशोदा मैया' बताते हुए कहा कि वे कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में अहम भूमिका निभा रही हैं। पिछले वर्षों में 1.70 करोड़ से अधिक बच्चों की स्क्रीनिंग की गई है और बड़ी संख्या में बच्चों को कुपोषण से मुक्त कराया गया है। प्रदेश में बौनापन की दर भी 48 प्रतिशत से घटकर 37 प्रतिशत तक आ गई है।

चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए लोगों को चाहिए गुंडों की फौज

मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए कहा कि जो लोग चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए हैं, वे गरीब की पीड़ा नहीं समझ सकते। उन्हें समाज को बांटने के लिए पर्व-त्योहारों से पहले दंगा करवाने वाली गुंडों की फौज चाहिए। महिलाओं व व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले चाहिए। उनसे काम की उम्मीद करना अपने आप में दिवास्वप्न जैसा है।

मुख्यमंत्री बोले-पहले पोषाहार पर शराब माफिया का था कब्जा

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में पोषाहार वितरण पर शराब माफिया का कब्जा था और वही पूरे सिस्टम को नियंत्रित करता था। राशन की गुणवत्ता खराब होती थी, जिससे कुपोषण बढ़ता था। अब इस तंत्र को समाप्त कर पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है और योजनाओं में बिचौलियों या भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है।

ट्रंप की धमकी, होर्मुज खोलो नहीं तो तेल और पावर प्लांट कर देंगे तबाह

वाशिंगटन/दुबई, एजेंसी

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने शांति समझौते को लेकर रविवार को ईरान को नए सिरे से दी धमकी
- ईरान ने रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना प्रमुख अलीरजा तंगसिरी की मौत की पुष्टी की
- तेहरान के मिसाइल हमले के बाद इजराइली तेल रिफाइनरी के निकट आग जलती दिखी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को नए सिरे से धमकी देते हुए कहा कि अगर शांति समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों, तेल के कुओं और खार्ग द्वीप को नेस्तनाबूद कर देगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि उनका प्रशासन सैन्य अभियानों को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ गंभीर बातचीत कर रहा है। ट्रंप ने पोस्ट में कहा कि बहुत प्रगति हुई है, लेकिन अगर किसी भी कारण से जल्द ही कोई समझौता नहीं हो पाता है, जिसकी आशंका बहुत अधिक है, और अगर होर्मुज तुरंत व्यापार के लिए नहीं खुलता है, तो हम ईरान में अपनी कार्रवाई का समापन उनके सभी बिजली उत्पादन संयंत्रों, तेल कुओं और खार्ग द्वीप (और संभवतः सभी विलवणीकरण संयंत्रों!) को उड़ाकर और पूरी तरह से नष्ट करके करेंगे।

वहीं, ईरान ने रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना प्रमुख अलीरजा तंगसिरी की मौत की सोमवार को पुष्टि की। इजराइल ने गुरुवार को दावा किया था कि उसने ईरानी नौसेना के रियर एडमिरल तंगसिरी को मार गिराया है। रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक बयान में कहा कि तंगसिरी गंभीर रूप से घायल होने के बाद अल्लाह के पास चले गए। ईरान के हमले में उत्तरी इजराइल के हाइफा शहर में एक तेल रिफाइनरी पर सोमवार को आग लग गई। घटनास्थल की वीडियो फुटेज में यह आग दिख रही है। वीडियो में एक बड़े रिफाइनरी टैंक में आग की लपटें और घना काला धुआं दिखाई दिया, जिसे इजराइल की अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं ने जल्दी ही बुझा दिया। यह स्पष्ट नहीं हो सका कि आग मिसाइल हमले से लगी थी या किसी मलबे के गिरने से। इजराइल में केवल दो ही रिफाइनरियां हैं और यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजराइल ने ईरान के साउथ पार्स प्राकृतिक गैस क्षेत्र व पेट्रोकेमिकल स्थलों पर हमले किए हैं।

ईरान ने अमेरिकी-इजराइली अधिकारियों के आवास को निशाना बनाने की दी चेतावनी

दुबई। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान के प्रवक्ता ने रविवार को चेतावनी दी कि अब अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों के निजी आवास को निशाना बनाया जाएगा। पश्चिम एशिया में एक माह से अधिक समय से जारी युद्ध भयावह होता जा रहा है। यह धमकी इजराइल तथा पश्चिम एशिया में रहने वाले अमेरिका और इजराइल के सैन्य तथा राजनीतिक अधिकारियों को लक्षित है।

कुवैत में ईरानी हमलों में एक और भारतीय की मौत

दुबई। रविवार को कुवैत में एक बिजली और जल अलवणीकरण संयंत्र पर ईरान के हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। इस घटना के साथ ही इस युद्ध में मारे गए भारतीय नागरिकों की संख्या आठ हो गई है। कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत की पुष्टि की है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह कुवैत में एक जल अलवणीकरण संयंत्र पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की दुखद मृत्यु पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

न्यूज ब्रीफ

नीतीश व नितिन नबीन का विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार चौधरी और जनता दल (यूनाइटेड) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) संजय कुमार ने कुमार का इस्तीफा विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह को सौंपा। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी बिहार विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बांकीपुर सीट से उनका इस्तीफा भाजपा की बिहार इकाई के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार को सौंपा।

देश में उर्वरक का पर्याप्त भंडार, किसान चिंतित न हों : नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को कहा कि भारत में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उर्वरक भंडार मौजूद है और पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है। नड्डा ने उर्वरक कंपनियों और हरित अमोनिया बनाने वालों के बीच हरित अमोनिया की आपूर्ति से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर के अवसर पर कहा, यह ही नहीं, भारत ने कई संकट देखे हैं।

किडनी ट्रांसप्लांट का अवैध धंधा पुलिस ने पकड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कल्याणपुर के छह से अधिक अस्पतालों में फैला रैकेट
- 60 लाख में बेची किडनी, डोनर को दिए सिर्फ साढ़े नौ लाख रुपये
- डॉक्टर दंपती समेत मेडिकल स्टाफ व बिचौलिए हिरासत में

अमृत विचार: कल्याणपुर में पैसे देकर किडनी ट्रांसप्लांट कराने का अवैध धंधा पुलिस ने पकड़ा है। क्राइम ब्रांच, रावतपुर व कल्याणपुर पुलिस आहूजा हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर प्रीति आहूजा, उनके पति डॉक्टर सुरजीत आहूजा, मेडिकल स्टाफ व बिचौलियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। छह से अधिक अस्पतालों में इस धंधे के तार जुड़े मिले हैं, जहां जांच की जा रही है। पता चला है कि उत्तराखंड के एक युवक की किडनी 60 लाख रुपये में निकलवाई गई, लेकिन उसे महज साढ़े नौ लाख रुपये ही दिए गए। रैकेट के तार उत्तराखंड, बिहार, नेपाल, बंगाल से भी जुड़े हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि कल्याणपुर के आवास विकास तीन में बने एक अपार्टमेंट में शिवम अग्रवाल उर्फ शिवम काड़े ने उत्तराखंड के रहने वाले आयुष को किडनी के बदले मोटे पैसों का लालच देकर बुलवाया था। उसकी किडनी 60 लाख रुपये में बेची गई, लेकिन उसे साढ़े नौ लाख ही दिए गए। रावतपुर के आहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। 24 घंटे तक आयुष और किडनी मरीज को आहूजा हॉस्पिटल में रखा गया। मामले की जानकारी जब क्राइम ब्रांच को हुई तो शनिवार देर रात आहूजा हॉस्पिटल में छापेमारी की गई। वहां देखरेख करने वाले राघव त्रिपाठी को पूछताछ के लिए उठा लिया गया। मामला तूल पकड़ता देख आहूजा हॉस्पिटल के संचालक ने कल्याणपुर के प्रिया सरोज हॉस्पिटल में किडनी लेने वाले मरीज को भर्ती करा दिया। सूत्रों की मानें तो किडनी की खरीद फरोख्त करने का बड़ा सिण्डिकेट है जो पूरे प्रदेश में फैला है। सूत्र बताते हैं कि कल्याणपुर में एक दर्जन से अधिक हॉस्पिटल के नाम प्रकाश में आये हैं जो किडनी ट्रांसप्लांट का अवैध कार्य कर रहे हैं।

परिवार के सदस्य ही दान कर सकते किडनी

एसीएमओ डॉ.रमित रस्तोगी ने बताया कि गाइडलाइन के तहत परिवार के सदस्य ही किडनी दान कर सकते हैं। पुलिस को कल्याणपुर के हॉस्पिटल में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट के संबंध में शिकायत मिली थी। पुलिस के बुलावे पर रविवार को उनके साथ केशवपुरम स्थित आहूजा हॉस्पिटल और कल्याणपुर क्षेत्र के मेडी लाइफ व प्रीति सरोज हॉस्पिटल में निरीक्षण किया गया। पुलिस ने हॉस्पिटल में स्टाफ व डॉक्टरों से पूछताछ की और जरूरी कागजात जांच के लिए अपने कब्जे में लिए।

आईबीसी संशोधन विधेयक पारित, सुधरेगी बैंकों की हालत

नयी दिल्ली, एजेंसी

- वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- एनपीए की वसूली में मदद मिली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के कारण देश की बैंकिंग प्रणाली में काफी सुधार हुआ है तथा वाणिज्यिक बैंकों की एनपीए की वसूली में भी मदद मिली है। उन्होंने सदन में 'दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि विधेयक के माध्यम से आईबीसी में 12 संशोधन प्रस्तावित हैं। विधेयक पर चर्चा में 40 सदस्यों ने भाग लिया। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से इस विधेयक को मंजूरी दी।

वित्त मंत्री ने कहा कि संसद की प्रवर समिति ने विधेयक में कुल 17 बड़ी अनुशंसाएं कीं, जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया। सरकार ने एक और सिफारिश को इसमें जोड़ा है कि कर्जदाताओं की समिति को आवेदकों को चयन करने के कारणों को दर्ज करना होगा, इससे पारदर्शिता आएगी। आईबीसी संहिता से भारतीय बैंकिंग प्रणाली में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि एनपीए की वसूली में इस संहिता की प्रभावी भूमिका रही है। सीतारमण के अनुसार वाणिज्यिक बैंक के एनपीए की कुल वसूली में दिवाला संहिता का 54 प्रतिशत से अधिक का योगदान रहा है।

ग्राहकों के लॉकर में रखे सामान को बैंक नहीं देख सकते

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला ने कहा कि ग्राहकों के लॉकर में रखे सामान को बैंक नहीं देख सकते और ना ही उसका रिकॉर्ड रख सकते हैं क्योंकि इससे बैंकिंग नियमों का उल्लंघन होगा। सीतारमण लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सदस्य किरसन नामदेव के पूरक प्रश्न उत्तर दे रही थीं। उन्होंने कहा, किसी ग्राहक के लॉकर में रखे कीमती सामान पर नजर रखना बैंकिंग नियमों का उल्लंघन है, और बैंक ऐसा नहीं करेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी नुकसान की स्थिति में लॉकर धारकों के लिए उनके सामान की क्षति या लॉकर टूटने जैसे मामलों में मानक कवरेज लॉकर के सालाना किराये का 100 गुना तय है।

दो गुटों में फायरिंग के दौरान रिटायर्ड ब्रिगेडियर को लगी गोली, मौत

देहरादून। यहां के राजपुर में सोमवार सुबह कानून व्यवस्था को चुनौती देती सनसनीखेज और हृदयविदारक घटना में सेना के रिटायर्ड ब्रिगेडियर मुकेश जोशी की गोली लगने से मौत हो गई। वे सुबह की सैर पर निकले थे। इस दौरान कार सवार युवकों के दो गुटों में हुई फायरिंग में उन्हें गोली जा लगी। पुलिस ने इस मामले में बार मालिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी सिटी प्रमोद के अनुसार, सुबह 6:50 बजे जोहड़ी गांव में फायरिंग की सूचना पर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची तो जांच में सामने आया कि, मसूरी रोड पर मालसी के पास गाड़ी को पास न देने को लेकर दिल्ली नंबर की फॉर्च्यूनर कार व उत्तराखंड की स्कॉर्पियो में सवार युवकों के बीच विवाद के बाद फायरिंग हो गई।

आईजी समेत 27 आईपीएस के तबादले

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- प्रदेश के कई जिलों में नए कप्तान, लखनऊ कमिश्नरेट के तीन डीसीपी भी स्थानांतरित

अमृत विचार: शासन ने सोमवार देर शाम 27 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। चंद्र प्रकाश को प्रशिक्षण निदेशालय से हटाकर सुरक्षा में आईजी बनाया गया है। लखनऊ कमिश्नरेट के पूर्वी जोन के डीसीपी शशांक सिंह को एसपी महोबा, पश्चिम के विश्वजीत श्रीवास्तव को एसपी बहराइच तथा दक्षिणी जोन के डीसीपी निपुण अग्रवाल को 9वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद का सेनानायक बनाया गया है। अमरोहा के एसपी अमित कुमार आनंद को लखनऊ में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है।

एसपी शाहजहांपुर राजेश द्विवेदी को 38वीं वाहिनी पीएसी अलीगढ़ का सेनानायक, श्याम नारायण सिंह को एसएसपी एटा से एसडीआरएफ लखनऊ का सेनानायक, एसपी महोबा प्रबल प्रताप सिंह को अपराध मुख्यालय डीजीपी कार्यालय, रामपुर के एसपी विद्यासागर मिश्र को 11वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, एसपी कौशाम्बी राजेश कुमार द्वितीय को 44वीं वाहिनी पीएसी मेरठ का सेनानायक, एसपी जालौन डॉ. दुर्गेश कुमार को 6वीं वाहिनी एसएसएफ अयोध्या का सेनानायक, एसपी बहराइच रामनयन सिंह को 49वीं वाहिनी पीएसी गौतमबुद्धनगर का सेनानायक बनाया गया है। इसके अलावा एसपी फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित को एसपी शाहजहांपुर, एसपी महाराजगंज सोमेंद्र मीना को एसपी रामपुर, एसपी हमीरपुर डॉ. दीक्षा शर्मा को पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट लखनऊ नियुक्त किया गया है।

जनगणना कल से, गोपनीय रहेगा डेटा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यक्तिगत डेटा किसी योजना का लाभ लेने के लिए नहीं होगा इस्तेमाल: जनगणना आयुक्त

भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायणन ने सोमवार को लोगों से जनगणना करने वालों को सही जानकारी देने की अपील करते हुए आश्वस्त किया कि व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहेगा। उन्होंने कहा कि इसे किसी साक्ष्य या किसी योजना का लाभ लेने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनगणना अधिनियम की धारा 15 के तहत सभी व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रहती है।

दिल्ली समेत देश के कुछ राज्यों में अप्रैल में 16वीं जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल से शुरू होने से पहले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि दिल्ली में जनगणना 16 अप्रैल से 15 मई तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा, जनगणना के दौरान एकत्र किया गया सभी व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहता है। इसे सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत साझा नहीं किया जा सकता, न ही अदालत में साक्ष्य के रूप में उपयोग किया जा सकता है और न ही किसी सरकारी या निजी संस्था के साथ साझा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय डेटा का उपयोग केवल संकलन के लिए किया जाएगा। जाति को जनगणना में शामिल करने और लोगों द्वारा सही जानकारी नहीं दिए जाने की आशंका के बारे में पूछे जाने पर महापंजीयक ने कहा कि जाति से संबंधित डेटा दूसरे चरण में एकत्र किया जाएगा और इसके प्रश्न व्यापक चर्चा के बाद तय किए जाएंगे। नारायण ने बताया कि पहली बार स्व-गणना की व्यवस्था शुरू की गई है, जिसमें लोग जनगणना के पहले चरण (हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना) से पहले 15 दिनों की अवधि में डिजिटल रूप से अपनी जानकारी जमा कर सकते हैं। पहले डेटा कागज पर एकत्र किया जाता था, जिससे डिजिटलीकरण में काफी समय लगता था। अब शुरुआत से ही डिजिटल डेटा मिलेगा।

सात दोषियों को उम्र कैद की सजा

अमृत विचार, अयोध्या: बीकापुर कोतवाली क्षेत्र में जमीन के विवाद में एक युवक की हत्या करने के मामले में कोर्ट ने सात दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह निर्णय सोमवार को अपर जिला जज फास्ट ट्रैक कोर्ट रवि कुमार गुप्ता की कोर्ट ने सुनाया। घटना दो अगस्त 2022 की है। हैबतपुर कोतवाली अयोध्या के रहने वाला राजकुमार वर्मा बीकापुर कोतवाली के सेमरा स्थित अपने खेत की जुताई करने गया था। तभी अजय, अरविंद, अनिल, मायाराम, सोनू, भारत, मुकेश ने राजकुमार पर हमला करते हुए जान से मार दिया। इसकी रिपोर्ट मृतक के लड़के उदयभान ने लिखाई थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने सभी आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

हाईकोर्ट का निर्णय | स्वेच्छा से प्रेम विवाह करने वालों को सुरक्षा देना राज्य का दायित्व

जीवनसाथी चुनना अपराध नहीं, संवैधानिक अधिकार

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- कोर्ट ने एसएसपी अलीगढ़ को युवा दंपति की सुरक्षा का दिया निर्देश

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वेच्छा से प्रेम विवाह करने वाले एक युवा दंपति को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देते हुए पुलिस को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का स्पष्ट निर्देश दिया है। दंपति ने विवाह के बाद महिला के परिजनों से जान का खतरा और उत्पीड़न की आशंका जताते हुए कोर्ट का रुख किया था। कोर्ट स्पष्ट किया कि किसी बालिग व्यक्ति द्वारा जीवनसाथी के चयन को परिजन "सम्मान का मुद्दा" नहीं बना सकते। उसे अपनी पसंद से विवाह करने का संवैधानिक अधिकार है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर व न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने प्राची अग्रवाल और अन्य की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

कोर्ट ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध हाईस्कूल प्रमाणपत्र के आधार पर पाया कि महिला लगभग 21 वर्ष की बालिग है और उसने अपनी इच्छा से 9 फरवरी 2026 को गाजियाबाद स्थित आर्य समाज वैदिक विवाह संस्कार ट्रस्ट में विवाह किया था। विवाह के समर्थन में ट्रस्ट द्वारा जारी प्रमाणपत्र तथा उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 के तहत पंजीकरण प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किए गए। याचियों का आरोप था कि विवाह से असंतुष्ट महिला के परिजनों ने अलीगढ़ के टप्पल थाने में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 87 (पूर्व धारा 366) के तहत उनके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कराई, जो विवाह के अधिकार का प्रयोग करने पर उन्हें परेशान करने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने ऑनर किलिंग सहित गंभीर खतरे की आशंका भी जताई। प्रथम दृष्टया तथ्यों पर संतुष्ट व्यक्त करते हुए कोर्ट ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह व्यक्तियों के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करे, भले ही खतरा उनके अपने परिवार से क्यों न हो। कोर्ट ने मामले में हस्तक्षेप का आधार पाते हुए राज्य सरकार को जवाबी हलफनामा दाखिल करने का समय दिया और अंतरिम राहत पर नोटिस जारी किया। अलीगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दंपति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा रजिस्ट्रार (अनुपालन) को निर्देश दिया गया कि आदेश की सूचना 24 घंटे के भीतर संबंधित पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाई जाए। मामले की अगली सुनवाई आगामी आठ अप्रैल 2026 को होगी।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 31 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

लेखा परीक्षा विभाग में पदोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : वित्त (लेखा-परीक्षा) विभाग ने सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा विभाग में 4 वरिष्ठ लेखा परीक्षकों को पदोन्नत किया है। इनमें नीरज कुमार सिंह, पुष्पनारायण सिंह, मनोज कुमार अग्रहरि और अरुण कुमार सिंह (दिव्यांग) शामिल हैं। ये सभी अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (लेवल-8) पद पर कार्य करेंगे। तैनाती के आदेश अलग से जारी किए जाएंगे। यह जानकारी सोमवार को विशेष सचिव जयशंकर दूबे ने दी। जारी आदेश में कहा गया है कि पदोन्नति विभागीय चयन समिति की संस्तुति पर दी गई है। यह पहली अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी। तैनाती आदेश अलग से जारी होंगे। वेतनमान लेवल-8 (ग्रेड पे 4800) लागू किया गया है।

एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन आज

अमृत विचार, लखनऊ : मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच औद्योगिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से 31 मार्च 2026 को वाराणसी में एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन को लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूपी सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री राकेश सचान को औपचारिक आमंत्रण भेजा है। भोपाल से जारी पत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि यह सम्मेलन वाराणसी के रमाडा होटल में आयोजित होगा। इसका उद्देश्य दोनों राज्यों के बीच व्यापार, शिल्प, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, पर्यटन तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है।

पदाधिकारियों संग आज बैठक करेंगी मायावती

अमृत विचार, लखनऊ : पश्चिम उप्र. में भाजपा और सपा के चुनावी शंखनाद के बाद बसपा ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को लखनऊ स्थित कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ जिला पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है, बैठक में आंबेडकर की 135 वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों के जरिए संगठन विस्तार के अलावा चुनावी रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अहम माना जा रहा है। बैठक में बसपा प्रमुख द्वारा आगामी विधानसभा चुनावी तैयारियों के अलावा संगठन की जमीनी मजबूती, आर्थिक स्थिति और सर्व समाज में पार्टी का जनाधार बढ़ाने पर चर्चा किए जाने की संभावना है।

युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को सेवामित्र योजना के तहत संचालित कॉल सेंटर (टोल फ्री 155330) का निरीक्षण किया और स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने की दिशा में इसकी उपयोगिता पर जोर दिया। इस दौरान उप्र. रोजगार मिशन के तहत युवाओं को देश-विदेश में रोजगार दिलाने के उद्देश्य से ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और एएफसी इंडिया लि. के साथ एमओयू किया गया। इसके जरिए युवाओं को अंग्रेजी, जर्मन, जापानी, अरबी और फ्रेंच भाषाओं का प्रशिक्षण देकर उन्हें वैश्विक रोजगार के लिए तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम में 'स्किल ब्रिज' पहल के तहत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। मंत्री ने कहा कि जापान, जर्मनी और यूरोपीय देशों में कुशल श्रमिकों की मांग को देखते हुए प्रदेश के युवाओं को तैयार किया जा रहा है।

गोबरधन योजना से पंचायतों की बढ़ी आय

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गोबरधन योजना के जरिए गांवों में स्वच्छता के साथ आर्थिक सशक्तिकरण का नया मॉडल विकसित हो रहा है। गोबर और जैविक कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन से जहां स्वच्छ वातावरण बन रहा है, वहीं ऊर्जा और जैविक खाद उत्पादन के माध्यम से ग्राम पंचायतों की आय भी बढ़ रही है। फरवरी 2026 तक पंचायतों ने जैविक खाद और अन्य उत्पादों की बिक्री से 28 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। आय के मामले में ललितपुर जिला सबसे आगे है, जहां 3.37 लाख रुपये से अधिक की कमाई हुई है। इसके बाद श्रावस्ती और रामपुर का स्थान है। प्रदेश के 74 जिलों में 116 बायोगैस संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें गोबर, रसोई कचरा और कृषि अवशेषों से स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद तैयार की जा रही है। कई संयंत्र गौशालाओं में भी लगाए गए हैं। बायोगैस ऊर्जा का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय सुविधाओं के लिए किया जा रहा है।

पीसीएस-2024 : यूपी की परीक्षा प्रणाली बनी राष्ट्रीय भरोसे का प्रतीक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

10 राज्यों के अभ्यर्थियों को मिली परीक्षा में सफलता

- **योगी मॉडल से पारदर्शी और मेरिट आधारित चयन को मजबूती**

अमृत विचार: उप्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस-2024 परीक्षा का परिणाम प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक मजबूत संकेत बनकर उभरा है। इस बार चयन सूची में यूपी के साथ 10 अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों की सफलता ने साबित किया है कि यूपी की परीक्षा प्रणाली अब राष्ट्रीय स्तर पर भरोसे का प्रतीक बन चुकी है।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित यूपी मॉडल ने भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता को नई पहचान दी है। योग्यता आधारित चयन और तकनीकी निगरानी के चलते अब यूपी की परीक्षाएं देशभर के अभ्यर्थियों के लिए विश्वसनीय मंच बन गई हैं। इस बार कुल 932 चयनित अभ्यर्थियों में 864 (92.7%) उत्तर प्रदेश से हैं, जबकि 68 (7.3%) अभ्यर्थी अन्य राज्यों से सफल हुए हैं।

सभी राज्यों को समान अवसर: राज्यवार आंकड़ों में मध्य प्रदेश से 20, हरियाणा से 18, बिहार से 12 और दिल्ली से 9 अभ्यर्थियों की सफलता दर्ज हुई है। यह दर्शाता है कि प्रदेश की परीक्षा प्रणाली में सभी को समान अवसर मिल रहा है और बाहरी राज्यों के अभ्यर्थी भी बराबरी से प्रतिस्पर्धा कर सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

अभ्युदय योजना का असर, 43 अभ्यर्थी सफल : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अभ्युदय कोचिंग योजना का प्रभाव भी इस परिणाम में स्पष्ट दिखा। इस योजना से जुड़े 43 अभ्यर्थियों ने पीसीएस-2024 में सफलता हासिल की है। निःशुल्क कोचिंग, मेंटरशिप और बेहतर मार्गदर्शन ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में आगे बढ़ने का अवसर दिया है। यह परिणाम योगी मॉडल की उस सोच को मजबूत करता है, जिसमें हर प्रतिभा को समान अवसर देने पर जोर है।

हर जिले से उभर रही प्रतिभाएं

जिला-वार विश्लेषण में 75 में से 74 जिलों के अभ्यर्थियों का चयन होना इस बात का प्रमाण है कि अब प्रतिभा केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर नगर, आगरा और अयोध्या जैसे जिलों के साथ संभल, कन्नौज, कासगंज, महोबा और फतेहगढ़ जैसे छोटे जनपदों से भी अभ्यर्थियों की सफलता समावेशी विकास को दर्शाती है।

संतुलित सामाजिक प्रतिनिधित्व

वर्गवार चयन में सामान्य वर्ग से 357, ओबीसी से 270, एससी से 186, ईडब्ल्यूएस से 97 और एसटी से 22 अभ्यर्थियों की सफलता संतुलित सामाजिक प्रतिनिधित्व को दिखाती है। टॉप 20 में ओबीसी वर्ग के 8 अभ्यर्थियों की मौजूदगी समान अवसर का मजबूत संकेत है। वहीं टॉप-5 में 80% महिला अभ्यर्थियों की सफलता महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा संकेत है।

सफल अभ्यर्थियों को सीएम योगी ने दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा-2024 के परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सफल अभ्यर्थियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से बधाई दी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि परीक्षा को पारदर्शिता, निष्पक्षता और शुचिता के साथ संपन्न कराया गया, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति युवाओं का विश्वास और मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने सभी सफल अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जनसेवा को अपने आचरण का आधार बनाएं और 'नए उत्तर प्रदेश' के निर्माण में अपनी भूमिका को पूरी निष्ठा के साथ निभाएं।

अग्निवीर भर्ती रैली आगरा में कल से

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय सेना पहली अप्रैल से मुख्यालय भर्ती क्षेत्र (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) के तत्वावधान में एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम, आगरा कैंट में अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित करेगी। इसमें उत्तर प्रदेश के 12 जिलों से लगभग 19 हजार चयनित अभ्यर्थी शामिल होंगे। चयनित अभ्यर्थी ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम उत्तीर्ण कर चुके हैं और अब शारीरिक, चिकित्सीय एवं दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया में सम्मिलित होंगे। सेना के साथ जिला प्रशासन ने रैली के सफल संचालन की व्यवस्थाएं की है। सेना ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे अपने प्रवेश पत्र के अनुसार, निर्धारित समय पर उपस्थित होंगे तथा सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आएंगे।

समाजवाद के नाम पर 'परिवारवादी' खा जाते थे गरीबों का हक : मुख्यमंत्री योगी

27,99,982 विद्यार्थियों के बैंक खातों में भेजी गई 3350 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में छात्रा को छात्रवृत्ति का वितरण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य।

- **गरीबों के हक पर डकैती डालने वालों की जगह जेल, बाप-दादा की कमाई गरीबों में बांटेंगे: योगी**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवाद के नाम पर परिवारवादियों ने गरीबों का हक खा लिया था, लेकिन अब यह खेल बंद हो चुका है। चेतावनी दी कि गरीबों के हक पर डकैती डालने वालों को अब मालूम है कि उनकी जगह जेल है। जरूरत पड़ी तो उनकी बाप-दादा की कमाई भी जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी।

मुख्यमंत्री सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कक्षा 9-10 और दशमोत्तर के 27,99,982 विद्यार्थियों के खातों में 3350 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति का अंतरण किया। उन्होंने गरीब परिवारों के मुख्य अर्जक की मृत्यु होने पर राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत 33,334 आश्रित परिवारों को भी 100 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी सीधे खातों में भेजी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी के नेताओं को जमकर आड़े हाथ लिया। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जिनके समय में दिव्यांगों को 300 रुपये पेंशन भी समय पर नहीं मिलती थी, वे आज सवाल उठा रहे हैं। छह महीने में 1800 रुपये जाते थे, लेकिन गरीब को आधे ही मिलते थे, बाकी सपा के गुंडे और बाबू हड़प जाते थे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 2016-17 में अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति तक नहीं दी गई, क्योंकि खजाना खाली कर दिया गया था और केंद्र की राशि भी डायवर्ट कर दी गई थी। उनकी सरकार को आने के बाद दो वर्षों की छात्रवृत्ति एक साथ देनी पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब एक क्लिक पर हजारों करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम में योगी सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर, असीम अरुण, नरेंद्र कश्यप, दानिश आजाद अंसारी, संजीव गौड़, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्य अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, यूपी सिडको के अध्यक्ष वाईपी सिंह आदि मौजूद रहे।

सपा शासन में गुंडे चलाते थे समानांतर सरकार

सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि सपा के शासन में गुंडे समानांतर सरकार चलाते थे, दलितों और वंचितों की कोई सुनवाई नहीं होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि महापुरुषों के स्मारकों के नाम तक बदल दिए गए और समाज को जाति के आधार पर बांटने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि आज का प्रदेश पारदर्शिता, विकास और सुशासन का मॉडल बन चुका है।

हर शिकायत का समयबद्ध निस्तारण अनिवार्य : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित 'जनता दर्शन' में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि हर प्रार्थना पत्र का समयबद्ध व संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी को भी भटकना नहीं पड़ेगा।

जनता दर्शन में मंदिर कब्जा, फसल नुकसान, सड़क और जमीन विवाद समेत कई मामले सामने आए। उन्नाव के बांगरमऊ से आई ममता तिवारी की मंदिर कब्जे की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षक को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। बदायूं के किसान द्वारा फसल नष्ट किए जाने की शिकायत पर उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। बलरामपुर के एक फरियादी द्वारा खराब सड़क की समस्या उठाने पर अधिकारियों को मौके पर जाकर निर्माण सुनिश्चित करने को कहा गया।

जमीन के विवादों में कार्रवाई के निर्देश

जनता दर्शन में जमीन कब्जा, पारिवारिक विवाद और अवैध कॉलोनियों से जुड़े कई मामले भी आए। लखनऊ के एक मामले में आवास आयुक्त को कार्रवाई के निर्देश दिए गए, जबकि सरोजिनी नगर के जमीन विवाद पर एसडीएम को तत्काल निस्तारण का आदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि हर मामले में पीड़ित की संतुष्टि सर्वोपरि है और लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जन समस्याओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

अमृत विचार,लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट कहा है कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन को त्वरित न्याय दिलाना है और इसके लिए पारदर्शी व जवाबदेह व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री सोमवार को अपने सरकारी कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों फरियादियों की शिकायतें सुनीं और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में जिम्मेदारी तय की जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

बीज-उर्वरक की कमी पर दी चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रदेश में बीज और उर्वरकों की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की कमी न होने पाए। कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक और उन्नत बीज उपलब्ध हैं, इसलिए किसानों को वितरण में परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि वितरण में लापरवाही या भ्रष्टाचार की शिकायत मिली तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बजट खर्च में लापरवाही पर वेतन से होगी भरपाई : शाही

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभागीय योजनाओं में बजट खर्च को लेकर अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बजट व्यय में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होगी और आवश्यकता पड़ने पर उनके वेतन से भरपाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री सोमवार को कृषि भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई समीक्षा बैठक कर रहे थे। वित्तीय वर्ष 2025-26 की योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि कुल 8620.65 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के सापेक्ष अब तक 6432.67 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, जो 74.62 प्रतिशत है।

बरेली-मुरादाबाद में 95 करोड़ से मजबूत होगा वैज्ञानिक ढांचा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **दोनों जिलों में साइंस पार्क स्थापना को वित्तीय स्वीकृति**
- **पहले चरण में करोड़ों की धनराशि जारी, 18 माह में पूरा होगा निर्माण**

अमृत विचार: प्रदेश में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मुरादाबाद और बरेली में साइंस पार्क की स्थापना को प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति दे दी है। दोनों परियोजनाओं के लिए करीब 95 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मंजूर की गई है और 18 माह में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव पनधारी यादव द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार मुरादाबाद में साइंस पार्क के लिए 47.99 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसमें प्रथम चरण में 705.12 लाख रुपये निर्माण कार्य और 10 करोड़ रुपये मशीनरी व उपकरणों के लिए जारी होंगे। वहीं बरेली में 47.97 करोड़ रुपये की परियोजना के तहत 700 लाख रुपये निर्माण और 10 करोड़ रुपये उपकरणों के लिए स्वीकृत किए गए हैं।

इन साइंस पार्कों में डिजिटल प्लेनेटेरियम, आधुनिक साइंस गैलरी, इंटरैक्टिव प्रदर्शनी और विज्ञान आधारित शिक्षण संसाधन विकसित किए जाएंगे। 'फन विद साइंस', 'एंशिएंट इंडियन साइंस', 'स्पेस साइंस' और 'इवोल्यूशन ऑफ लाइफ' जैसी थीम आधारित गैलरी के माध्यम से छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर रहेगा।

शासन ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट, तकनीकी परीक्षण और पर्यावरणीय मानकों के पालन को अनिवार्य किया है।

अवैध बूचड़खानों पर रोक से प्राकृतिक खेती को मिला बढ़ावा

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में गो तस्करी की घटनाएं आम थीं, लेकिन योगी आदित्यनाथ सरकार आने के बाद अवैध बूचड़खानों पर सख्त कार्रवाई कर इस पर प्रभावी रोक लगाई गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश की साढ़े सात हजार से अधिक गोशालाओं में लगभग 12,58,000 गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है, जबकि 7,716 स्थानों पर गो संरक्षण का कार्य संचालित है। 'गो आधारित प्राकृतिक खेती मिशन' के तहत करीब 94,000 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

लखनऊ-कानपुर के 11 ब्लड सेंटरों पर कार्रवाई, संचालन पर तत्काल रोक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **एफएसडीए की जांच में अनियमितताएं मिलीं, अन्य केंद्रों को नोटिस जारी**

अमृत विचार : बदलते मौसम और संक्रामक बीमारियों के खतरे को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की जांच में अनियमितताएं मिलने पर लखनऊ और कानपुर के 11 ब्लड सेंटरों के संचालन पर तत्काल रोक लगा दी गई है।

एफएसडीए की टीमों ने लखनऊ के 25 और कानपुर के 13 रक्त केंद्रों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अभिलेखों और रक्त संचालन से जुड़ी प्रक्रियाओं में गड़बड़ियां सामने आईं। इसके आधार पर लखनऊ के सात और कानपुर के चार रक्त केंद्रों पर सभी गतिविधियां तत्काल प्रभाव से बंद कर दी गईं। विभाग ने अन्य रक्त केंद्रों में पाई गई कमियों को दूर करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। साथ ही स्थानीय औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित समय सीमा में अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। एफएसडीए का कहना है कि प्रदेशवासियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण रक्त उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, इसलिए मानकों से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है।

कार्रवाई की जद में आए ये संस्थान

लखनऊ में जिन केंद्रों पर कार्रवाई हुई उनमें नोबेल चैरिटेबल ब्लड सेंटर, श्री साई ब्लड बैंक एंड कंपोनेंट सेंटर, अवध चैरिटेबल ब्लड बैंक, लिटिल स्टार चैरिटेबल ब्लड सेंटर, केएचएस चैरिटेबल ब्लड सेंटर, बॉम्बे चैरिटेबल ब्लड सेंटर और लखनऊ चैरिटेबल ब्लड एंड कंपोनेंट सेंटर शामिल हैं। वहीं कानपुर में वादा, मयांजलि, पुष्पांजलि और स्वास्तिक चैरिटेबल ब्लड सेंटर पर रोक लगाई गई है।

पहल | यूपीएसआईएफएस को देश के प्रमुख संस्थानों से जोड़कर छात्रों को 'जॉब रेडी' बनाने की तैयारी

फॉरेंसिक के छात्रों को 'धुरंधर' बनाएगी सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **दिग्गज संस्थानों से होंगे एमओयू बढ़ेगा प्रैक्टिकल प्रशिक्षण**
- **जेल, मेडिकल कॉलेज और टेक्निकल संस्थानों से जुड़कर सीखेंगे अपराध की बारीकियां**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उप्र. स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) को देश के प्रमुख संस्थानों से जोड़कर छात्रों को 'जॉब रेडी' बनाने की तैयारी की गई है। इसके तहत यूपीएसआईएफएस चार प्रतिष्ठित संस्थानों महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गोरखपुर, धीरूभाई अंबानी यूनिवर्सिटी गांधीनगर, उप्र. कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू करने जा रहा है।

इस पहल का उद्देश्य फॉरेंसिक शिक्षा को केवल सैद्धांतिक न रखकर छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों में प्रशिक्षित करना है, ताकि वे अपराध जांच के क्षेत्र में दक्ष विशेषज्ञ बन सकें। यूपीएसआईएफएस के निदेशक जीके गोस्वामी के अनुसार मुख्यमंत्री का विशेष जोर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर है। केजीएमयू के साथ होने वाले एमओयू के तहत छात्र फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग में पंचनामा से लेकर पोस्टमार्टम तक की पूरी प्रक्रिया को करीब से समझेंगे। इससे उन्हें मौत की परिस्थितियों और वैज्ञानिक विश्लेषण की गहरी जानकारी मिलेगी।

वहीं, उप्र. कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं के साथ समझौते के तहत छात्र जेलों में जाकर बंदियों के केस स्टडी करेंगे। इससे वे अपराध के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारणों को समझ सकेंगे। डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी के अनुसार, यह अनुभव छात्रों को अपराध की जड़ों तक पहुंचने में मदद करेगा।

महाराणा प्रताप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गोरखपुर के साथ सहयोग से छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे और दोनों संस्थान मिलकर अत्याधुनिक तकनीक से लैस फॉरेंसिक लैब स्थापित करेंगे। इससे अनुसंधान और परीक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके अलावा धीरूभाई अंबानी यूनिवर्सिटी गांधीनगर के साथ छात्र और फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम चलाए जाएंगे। इससे राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान और तकनीकी अनुभव का आदान-प्रदान होगा। इस पहल की एक खास विशेषता यह भी है कि फैकल्टी मेंबर्स भी एक-दूसरे के संस्थानों में जाकर लेक्चर देंगे, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता बेहतर होगी।

सरकार का मानना है कि डिजिटल क्राइम, साइबर फ्रॉड और जटिल आपराधिक मामलों में वैज्ञानिक जांच ही सटीक निष्कर्ष तक पहुंचने का सबसे विश्वसनीय माध्यम है। ऐसे में यह पहल न केवल छात्रों को दक्ष बनाएगी, बल्कि प्रदेश में फॉरेंसिक इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत करेगी।

38 नए हेलीपैड निर्माण को 29.89 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **जिला-तहसील स्तर पर स्वीकृत हैं हेलीपैड**

अमृत विचार: प्रदेश में हवाई संपर्क और वीआईपी मूवमेंट को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार ने सोमवार को विभिन्न जनपदों में 38 नए हेलीपैड के निर्माण को मंजूरी संबंधी शासनादेश जारी करते हुए इसके लिए कुल 29 करोड़ 89 लाख 43 हजार रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 का है। जिला, तहसील और ब्लॉक मुख्यालय स्तर पर हेलीपैड निर्माण परियोजना के तहत पहले चरण में 10 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है, जिससे निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। इन हेलीपैडों का निर्माण प्रदेश के उन्नाव, हरदोई, रायबरेली, बाराबंकी, कानपुर देहात, कानपुर नगर, औरैया, सोनभद्र, झांसी, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज समेत कई जिलों में किया जाएगा। इनका उद्देश्य मुख्यमंत्री, राज्यपाल और अन्य महत्वपूर्ण अधिकारियों के दौरे के दौरान सुरक्षित लैंडिंग और टेकऑफ की सुविधा उपलब्ध कराना है।

न्यूज ब्रीफ

जलिहापुर गांव के अविनाश बनेंगे कारागार अधीक्षक

कानपुर देहात। घर पर ही पढ़ाई कर जलिहापुर झींझक के अविनाश मिश्रा ने यूपीपीसीएस क्वालीफाई किया। वह कारागार अधीक्षक बनेंगे। अविनाश के पिता पकंज मिश्रा बेसिक शिक्षा विभाग में बतौर अध्यापक कार्यरत हैं मां ममता मिश्रा गृहणी हैं। छोटी बहन आर्या मिश्रा, बाल विकास विभाग में मुख्य सेविका पद पर अकबरपुर में कार्यरत हैं। अविनाश की शिक्षा स्थानीय स्तर पर ही हुई। जुलाई 2024 में वह राजस्व लेखपाल के पद पर चयनित हुए। वर्तमान में तहसील डेरापुर में कार्यरत हैं। बताया कि कहीं कोचिंग नहीं की। सेल्फ स्टडी कर सफलता पाई।

जल भराव को लेकर पुलिस में की शिकायत

सिकंदरा। तहसील क्षेत्र के गौरी रतन बांगर गांव में मुख मार्ग पर जल भराव को लेकर ग्राम प्रधान ने पानी निकासी को लेकर जब काम शुरू करवाया तो गांव के एक व्यक्ति ने आगे पानी न जाने को लेकर लड़ाई झगड़ा शुरू कर दिया। प्रधान ने मामले को लेकर पुलिस से शिकायत की। ग्राम प्रधान दीक्षा ने बताया कि गांव के मुख्य सड़क पर अधिक जल भराव होने पर गांव वासी से कहा गया तो उसने जल भराव को रोक रखने पर आमादा रहने की बात कही। इस पर राजपुर थाना पुलिस में मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ है।

दो लोगों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट

रसूलाबाद। बिरिया गढ़ेवा निवासी अशोक सिंह ने पुलिस को बताया कि गांव के हैं गोलू व रामू सिंह ने शराब के नशे में उसे भद्दे भद्दे अपशब्द कहे। मना करने पर मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी। इस पर वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आया। थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है।

गांजे के साथ पकड़े गए युवक को सजा

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना क्षेत्र में अवैध गांजे के साथ चार साल पहले पकड़े गए युवक को सोमवार को कोर्ट ने सजा सुनाई है। उसके जुर्म कुबूल कर लेने के बाद आरोपी सुरेंद्र बाबू मिश्रा पुत्र स्व. प्रभूदयाल निवासी पटेलनगर कस्बा व थाना सिकंदरा को न्यायालय एडीजे-5/एनडीपीएस कोर्ट द्वारा दोष सिद्ध किया गया। कोर्ट ने उसे जेल में बिताई गई अवधि की सजा व 10 हजार के अर्थदंड से दंडित किया गया। बताया 29 जनवरी 2022 को अवैध गांजा बरामद होने के संबंध में थाना सिकंदरा पर में सुरेंद्र बाबू के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस के तहत मुकदमा कायम हुआ था। 16 अप्रैल 2022 को चार्ज शीट दाखिल की गई थी।

60 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को मिलेगा वजीफा

कानपुर देहात। जिला समाज कल्याण अधिकारी गीता सिंह ने बताया कि आरक्षित वर्ग के पूर्वदशम व दशमोत्तर योजना में जनपद के समस्त संबंधी शिक्षण संस्थानों व विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की गई। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण छात्र-छात्राओं को दिखाया गया। अकबरपुर महाविद्यालय अकबरपुर में छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति के 30, सामान्य वर्ग के 49, अन्य पिछड़ा वर्ग के 50 व अल्पसंख्यक वर्ग के 14 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण-पत्र बांटे गए। समस्त वर्गों में पूर्वदशम छात्रवृत्ति (कक्षा 9-10) योजना में 15472 व दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में 45397 को वजीफा राशि दी गई। इस प्रकार कुल 60869 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति स्थानान्तरित की गई है। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक, शिक्षण संस्थान के प्राचार्य आदि उपस्थित रहे।

एकल कंप्यूटर लैब का आज शुभारंभ

कानपुर देहात। मंगलवार को एकल ऑन व्हील्स कार्यक्रम के तहत द्वितीय एकल कंप्यूटर लैब बस का शुभारंभ होगा। कंप्यूटर लैब बस का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ना है। कार्यक्रम में प्रशासनिक व पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कंप्यूटर लैब बस आधुनिक तकनीकी से सुसज्जित है।

किसान, नौजवान और व्यापारी सब परेशान, नहीं मिलता निदान

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः सरकार के पास जनता की सुविधा के लिए कोई योजना कोई नीति नहीं है। सरकार फेल है। किसान, नौजवान, व्यापारी, काश्तकार सभी परेशान है। यह बात रतनपुर के मजरा पुरवा अमलिया निवादा में सोमवार को पीडीए पंचायत में पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवकुमार बेरिया ने कही।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुरेश यादव ने कहा कि वर्तमान सरकार जनता का भला नहीं देखना चाहती है। सरकार ने गरीब जनता को परेशान करने का पूरा मन बना रखा है। पीडीए के लोग एक जुट होकर 2027 में भाजपा को हटाने का काम करेंगे। इस अवसर सपा जिला अध्यक्ष अरुण कुमार बब्लू राजा, मतदाता सूची प्रभारी डॉ. नरेंद्र कुमार यादव, सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बृजमोहन सिंह यादव, पूर्व विधानसभा महासचिव आलोक वाजपेई, लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष वीरू कुशवाहा, अजय यादव प्रधान नारखुर्द, राकेश यादव पूर्व प्रधान पहाड़ीपुर, मोनू कुशवाहा, रामपाल आरिफ खान आदि लोग उपस्थित रहे।

पीडीए पंचायत को संबोधित करते जिलाध्यक्ष अरुण यादव बब्लू राजा। अमृत विचार

तारों की स्पार्किंग से गेहूं की फसल राख

संवाददाता, राजपुर

- हरी का पुरवा गांव में हुआ अग्निकांड करीब सवा चार बीघे की फसल जली

अमृत विचारः मलासा विकास खंड क्षेत्र के हरी का पुरवा गांव के समीप खेतों के बीच से निकली विद्युत लाइन से निकली चिंगारी से गेंहू की खड़ी फसल पर गिर गई। आग की लपटें देख ग्रामीण दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। एक घंटे के बाद पहुंची दमकल विभाग के कर्मचारियों ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अग्निकांड में दो किसानों की सवा चार बीघा फसल जलकर राख हो गई।

क्षेत्र के हरीपुरवा गांव के समीप से निकली विद्युत लाइन की चिंगारी गेंहू की खड़ी फसल पर गिर गगई। आग की लपटें देख खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। आग पर काबू ना होने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल विभाग के कर्मचारियों ने ढ़ेर घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से हरीपुरवा गांव निवासी दीपक कटियार पुत्र बाबूराम की ढाई बीघा व वैना गांव निवासी प्रमोद सिंह पुत्र दीनदयाल की पौने दो बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। भोगनीपुर तहसील प्रशासन को सूचना देने के बाद भी मौके पर कोई तहसील कर्मचारी नहीं पहुंचा। इससे ग्रामीणों में तहसील प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। भोगनीपुर एसडीएम देवेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना नहीं थी। मौके पर लेखपाल को भेजकर हानि का आंकलन कराया जाएगा।

आग से नष्ट हुई गेहूं की फसल। अमृत विचार

घर के विवाद में भाइयों ने की बहन की हत्या, मचा हड़कंप

मूसानगर कस्बे के फत्तेपुर इलाके की घटना, पति से चल रहा था तलाक का मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार। मूसानगर कस्बे में घर के विवाद को लेकर भाइयों ने सगी बहन को मौत के घाट उतार दिया। उसका शव कमरे में छोड़ कर हत्यारोपी भाग निकले। घर में खून से लथपथ शव देख दूसरी बहन बदहवास रह गई। सूचना पर पहुंची मूसानगर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उच्चाधिकारियों को सूचना दी। सीओ भोगनीपुर ने घटना स्थल का मुआयना किया।

जानकारी देती सीमा।

मूसानगर के फत्तेपुर निवासी रेशमा पुत्री स्व. हाजी अहमद की शादी सिकंदरा निवासी अनवार के साथ लगभग 15 वर्ष पूर्व हुई थी। पति से विवाद के चलते रेशमा मायके फत्तेपुर में ही रह रही थी। उधर, पति से उसका तलाक का मामला कोर्ट में विचाराधीन था। बताया कि रेशमा के दो पुत्र आयान व ईशान हैं। दोनों ही सिकंदरा में अपने पिता के साथ रहते हैं।

मौके पर जांच करती पुलिस। अमृत विचार

रेशमा के पिता हाजी अहमद ने पारिवारिक स्थितियां देख अपना घर बेटी रेशमा के नाम कर दिया था। जानकारी लगने पर बड़े उर्फ मोइनुद्दीन व नियाज ने आपत्ति जताना शुरू कर दिया। इसके बाद कोर्ट में मुकदमा कर दिया जो हाल में खत्म हुआ। मुकदमा रेशमा जीत गई थी। इस बात से भाई और खफा हो गए। सोमवार की रात सिर पर किसी चीज का वार कर रेशमा (40) की हत्या कर दी। घर के कमरे में खून से लथपथ शव पड़ा मिला। बहन सीमा की सूचना पर मौके पर पहुंची मूसानगर पुलिस ने जांच पड़ताल की। बहन सीमा ने पुलिस को बताया कि भाइयों ने हत्या की है। पुलिस ने सूचना उच्चाधिकारियों को दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे सीओ भोगनीपुर संजय वर्मा ने पूछताछ कर पड़ताल की। फारेसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किए। क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय वर्मा ने बताया कि घर विवाद में दो भाइयों द्वारा हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। बताया कि पुलिस ने एक भाई को हिरासत में लिया है।

व्यवस्थाएं जांचने को कारागार पहुंचे जिला जज, जिलाधिकारी और एसपी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः सोमवार को जिला न्यायाधीश रविंद्र सिंह, डीएम कपिल सिंह और एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय जिला कारागार पहुंचे। अधिकारियों द्वारा पाकशाला का निरीक्षण किया। व्यवस्थाएं सामान्य मिलीं। भोजन की गुणवत्ता तथा साफ-सफाई की व्यवस्था भी ठीक मिली।

जिला जज, डीएम और एसपी ने किशोर बैरक का भी निरीक्षण किया। यहां निरुद्ध किशोर बंदियों से उनकी उम्र व मुकदमे से संबंधित एवं व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात सर्किल का निरीक्षण किया गया जहां कारागार चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से उनके उपचार, खानपान के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। बंदियों के उपचार से संबन्धित उपकरणों का बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा कारागार में निरुद्ध बंदियों से उनके भोजन, इलाज, मुकदमे से संबंधित एवं व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल की।

कारागार का निरीक्षण कर लौटते अधिकारी। अमृत विचार

- किशोर बैरक के निरीक्षण में अफसरों ने निरुद्ध बंदियों से किया संवाद

बंदियों से सामान्य प्रशासन एवं खान-पान के बारे में जानकारी जुटाई गई तो किसी ने कोई समस्या नही बताई। कारागार में साफ-सफाई एवं प्रशासनिक व्यवस्था ठीक मिली। इस अवसर पर जेल अधीक्षक धीरज कुमार, जेलर विजय कुमार पांडेय, उप जेलर राजेश कुमार एवं डा कुलदीप सिंह तोमर, फार्मासिस्ट मनोज साहू व अन्य कारागार कर्मचारी निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ जोत गांव में भागवत कथा का शुभारंभ

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के गांव ग्राम जोत स्थित श्री शिव मंदिर परिसर में कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। जिसमें बड़ी पूरे गांव के मार्गो से होकर निकली शोभायात्रा में अनेक महिलाओं, युवतियों और श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया।

कलश यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर गांव के प्रमुख मार्गों से होती हुई रामगंगा नहर घाट तक पहुंची। घाट पर विधि-विधान से कलशों में पवित्र जल भरा गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु हर हर महादेव, ओम नमः शिवाय, जय शंकर और जय श्री राम के जयघोष कर रहे थे। इस कलश यात्रा का ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जल भरकर लाए गए कलशों को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर स्थापित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य व्यास हरि ओम दीक्षित, परीक्षित अमित कुमार गुप्ता, रोहित गुप्ता सहित कई भक्त मौजूद रहे। मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी किए गए।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु भक्त। अमृत विचार

भोलेनाथ वैराग्य व त्याग तो माता पार्वती अटूट भक्ति का प्रतीक

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः भगवान की शरण प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले एक भक्त की अटूट निष्ठा व भक्ति ही ईश्वर को प्रेम बंधन में बांधने के लिए विवश कर देती है। जहां पार्वती ने शिव को पाने के लिए वायु और पत्तों पर जीवित रहकर नया नाम अपर्णा पाया। यह बात बाघपुर ककरदही स्थित जौखेश्वर मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा में आचार्य प्रदोष महाराज ने कही।

ककरदही बाघपुर गांव स्थित जौखेश्वर मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा में कथा का श्रवण करवाते हुए व्यास ने भगवान शिव पार्वती के विवाह की कथा का रसपान करवाया। उन्होंने बताया कि माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में आत्मदाह करने के बाद हिमालयराज और मैंना के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया नारद मुनि के उपदेश से पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक निराहार रहकर घोर तपस्या की। उनकी भक्ति इतनी अटल थी कि उन्होंने केवल वायु और पत्तों पर जीवित रहकर अपर्णा नाम प्राप्त किया।

कथा के दौरान हुआ वाचक का सम्मान। अमृत विचार

जब देवताओं ने शिव की समाधि भंग करने के लिए कामदेव को भेजा तो क्रोधित होकर शिव ने अपनी तीसरी आंख से कामदेव को भस्म कर दिया। भगवान शिव ने स्वयं एक बटुक अर्थात ब्रह्मचारी का रूप धारण कर पार्वती की परीक्षा ली ।उन्होंने शिव की कमियां गिनाई और उनकी निंदा की लेकिन पार्वती अपने संकल्प पर अडिग रही। उनकी अटूट निष्ठा देखकर शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। शिव पार्वती साक्षात शक्ति और शक्तिमान है लीला मात्रा के लिए यह दोनों अलग रूपों में नजर आते हैं किंतु अर्धनारीश्वर रूप में दोनों एक ही हैं। कथा में प्रमुख रूप से श्याम बाबू तिवारी, सौरभ कुशवाहा, अनिल कुशवाहा, शीलू शुक्ला, पंकज दद्दा, नीरज अग्निहोत्री, अंशु शर्मा, भानु शुक्ला, महेंद्र कठेरिया, सुभाष गौतम आदि रहे।

तारबंदी के बाद भी अन्ना मवेशी फसलों को कर रहे बर्बाद

संवाददाता, मंगलपुर

अमृत विचारः आवारा पशुओं के भारी तादाद में खेतों में चहल कदमी करने से किसानों की नींद उड़ी है। अब किसानों ने फसल को बचाने के लिए बाड़ लगा दी है। हालांकि इसके बाद भी बात नहीं बन रही। तारों के बीच की जगह से जानवर खेतों में घुस कर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे।

इस समय विकासखंड झींझक क्षेत्र के ग्रामों में किसानों ने जायद की फसल बोनी शुरू कर दी है। मक्का, मुमफली, मूग उड़द आदि फसलें काफी पहले बोयी जा चुकी हैं। हाल के दिनों में क्षेत्र में आवारा पशुओं की तादाद काफी बढ़ गई है जिसके कारण फसलों को काफी नुकसान हो रहा। अपनी फसलों को बचाने के लिए खेतों पर सोना पड़ रहा है। किसानों ने खेतों के आस पास बाढ़ खड़ी कर दी है लेकिन यह आवारा पशु बाढ़ के अवरोध को तोड़कर फसल को चौपट कर रहे हैं। आवारा पशुओं के कारण किसान पर्याप्त फसल नहीं ले पा रहे हैं। अब किसान जायद की फसल तैयार कर रहे हैं। मवेशियों से फसलों को संकट है। रात के समय ज्यादातर किसान अपनी फसलों की रखवाली को खेतों पर पहुंच जाते हैं। किसानों ने आवारा पशुओं पर प्रभावी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

एक खेत में की गई तारबंदी। अमृत विचार

निर्देश डीएम की जन सुनवाई में वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े अधिकारी

शिकायतों के त्वरित व प्रभावी निस्तारण पर जोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई की नई व्यवस्था शुरू हुई है। इसके जरिए डीएम कलेक्ट्रेट आए फरियादियों की समस्याएं सुन रहे। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़े अन्य अधिकारियों से बात कर डीएम समस्याओं के निस्तारण के बारे में बात कर रहे। डीएम ने प्रकरणों के समय बद्ध निस्तारण पर जोर दिया और कहा कि शिकायतों-समस्याओं पर त्वरित और गुणवत्ता पूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे जनसामान्य का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर प्राप्त किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए। सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके। जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से जनपद स्तर के समस्त अधिकारी, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (जूम) के माध्यम से जुड़े रहे।

जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई एवं आईजीआरएस से संबंधित प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आमजन को त्वरित राहत प्रदान की जाए।

शिकायतकर्ताओं से मिलते डीएम कपिल सिंह। अमृत विचार

39 आंगनबाड़ी केंद्र और 5 परियोजना कार्यालय शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचार : सीएम योगी आदित्य नाथ की अध्यक्षता में लखनऊ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन का वितरण किया गया। इसके साथ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस का वितरण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र भेंट किए। आंगनबाड़ी केंद्र भवनों, बाल विकास परियोजना कार्यालय भवनों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। जिलाधिकारी कपिल सिंह और मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल द्वारा संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी द्वारा 39 आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण तथा पांच बाल विकास परियोजना कार्यालयों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इसके साथ पांच आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। इस मौके पर विधायक पूनम संखवार, भाजपा जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, डीसी नरेगा अशोक कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी आरबी सिंह आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री का संबोधन सुनते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 31 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

अपोलो अस्पताल में बच्चे की मौत लापरवाही का आरोप

कानपुर। कर्नलगंज थाना क्षेत्र स्थित अपोलो हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 12 वर्षीय अरसलान की मौत के बाद परिजनों ने गंभीर आरोप लगाए । परिवार का कहना है कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही और गलत इंजेक्शन देने से बच्चे की हालत बिगड़ गई, जिसके चलते उसकी जान चली गई। मृतक बच्चा अरसलान कन्नौज के गुरसहायगंज का निवासी बताया जा रहा है। पिता राशिद के अनुसार, इंजेक्शन लगाए जाने के बाद बच्चे की तबीयत अचानक खराब हो गई, लेकिन पूरी रात कोई डॉक्टर उसे देखने नहीं आया। समय पर उपचार न मिलने के कारण बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने कर्नलगंज थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी विनीत चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एंबुलेंस की टक्कर से बाइक सवार घायल

मौदहा (हमीरपुर)। सिसोलर थानाक्षेत्र के ग्राम बक्छा निवासी होमगार्ड रंग बहादुर (55) व इंद्र बहादुर (50) सोमवार सुबह बाइक से थाना सिसोलर ड्यूटी पर जा रहे थे। तभी बक्छा मोड़ के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार एंबुलेंस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना सिसोलर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के दौरान इन्द्रबहादुर की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

दुकानदार पर मारपीट का लगाया आरोप

कुरारा (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के मनकीकला गांव निवासी महिला ने गाली गलौज कर मारपीट करने की तहरीर पुलिस चौकी हरौलीपुर में देकर कार्यवाही किए जाने की मांग पुलिस से की है। मनकीकला गांव निवासी महिला राधा पत्नी बृजभान ने पुलिस चौकी हरौलीपुर में तहरीर देकर बताया की 29 मार्च को अपनी पुत्री नैनशी को गांव स्थित मनोज की दुकान से कोल्ड ड्रिंक लेने के लिए भेजा था। तब दुकानदार शिवनारायण ने मेरी पुत्री से कहा कि बहुत ठंडा पीती हो। उसने लौट कर बात बताई तो मेरे पति उसकी दुकान में उलाहना देने गए तो उसने गाली गलौज करने के साथ पत्थर मारकर घायल कर दिया। शोर सुनकर मां बेटी बीच बचाव करने गई तो उनके साथ मारपीट की। पीड़िता ने चौकी में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

अज्ञात कारणों के चलते दो दुकानों में लगी आग

मुरकरा (हमीरपुर)। अज्ञात कारणों के चलते मंडी के पास स्थित तीन भाइयों की दुकानों में भीषण आग लग गई। आग से लगभग तीन लाख रुपये का नुकसान होना बताया गया है। दुकान मालिक नासिर ने बताया कि उनकी तथा उनके दो भाई इसरार व सिराज की दुकान जो मिस्त्री गिरी टायर एवं कबाड़ आदि की थी उनमें रविवार की रात अचानक आग लग गई। आग की लपटों को देखकर आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सभी ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची। जिस पर दमकल कर्मियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पाया। नासिर का कहना है कि वह गरीब है कबाड़ की मिस्त्री गिरी की दुकान करके गुजर चलाते थे। आग लगने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। आग में करीब तीन लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने सरकार से आर्थिक मदद देने की मांग की है।

साहित्यकार मुन्नीलाल अवस्थी का निधन

हमीरपुर। कस्बा निवासी कवि, साहित्यकार व सेवानिवृत्त शिक्षक के निधन पर उनके अंतिम संस्कार में जनसैलाब उमड़ पड़ा। कस्बे के सत्तासी वर्षीय मुन्नीलाल अवस्थी शिक्षक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद करीब बीस साल से सुमेरपुर कस्बे में ही रहकर सामाजिक कार्यों में हिस्सेदारी निभाते थे। वह सामाजिक कार्यों, कवि सम्मेलन में अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते थे। रविवार की रात हार्ट अटैक पड़ा। परिजन आनन फानन कानपुर कार्डियोलॉजी में ले जाकर भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सोमवार को भाजपा के कार्यकर्ता, शिक्षकों सहित सैकड़ों लोगों ने अंतिम विदाई दी।

आग से 14 बीघा गेहूं व गन्ने की फसल जलकर राख

शार्ट-सर्किट से लगी आग, बुझने के बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। सजेती थाना क्षेत्र के कोरिया चौकी अंतर्गत झंडापुर गांव में सोमवार दोपहर खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज लाइन की चिंगारी से भीषण आग लग गई, जिसमें करीब 14 बीघा गेहूं व गन्ने की फसल जलकर राख हो गई।

खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज लाइन की चिंगारी से खेत में खड़ी फसल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। तेज हवा के कारण आग तेजी से खेतों में फैल गई, जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में 14 बीघा खेत इसकी चपेट में आ गए। लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी लेकिन जबतक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंचती तबतक ग्रामीणों

खेत में लगी आग बुझाता किसान। अमृत विचार

- **दमकल टीम के आने से पहले ग्रामीणों ने आग पर पाया काबू**

ने बाल्टी, पानी और मिट्टी के सहारे आग बुझाना शुरू कर दिया। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। इस हादसे में धीरजापुर गांव निवासी अरविंद, संतराम और रामबाबू की दो-दो बीघा गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई, जबकि रामप्रसाद की चार बीघा गेहूं की खड़ी फसल पूरी तरह राख हो गई। इसके अलावा गयाप्रसाद की दो बीघा गन्ने की फसल भी आग की चपेट में आ गई। झंडापुर गांव के छोटेलाल और मौजीलाल की एक-एक बीघा गेहूं की फसल भी पूरी तरह नष्ट हो गई।

पिता के सामने हुई बालिका की मौत

घाटमपुर। थाना क्षेत्र के नदना चौराहे के पास एक दिल दहला देने वाली घटना हो गई। वहां पर सड़क पार कर रही 9 बालिका दिव्यांशी को एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह बुरी तरह से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल ले गये वहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत नंदना चौराहा पर कानपुर देहात निवासी नंदलाल अपनी 9 वर्षीय पुत्री दिव्यांशी के साथ जा रहे थे। नंदना चौराहे के पास वे ऑटो से उतरे थे। पिता अपनी बेटी को चप्पल पहनाने के लिए रुके और जैसे ही बेटी सड़क पार करने लगी, तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार बाइक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। घायल अवस्था में उसे आनन -फानन अस्पताल ले जाया गया। वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद दिव्यांशी को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी घाटमपुर ने बताया की मौत के बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है ।

किसानों से सीधे गेहूं खरीदने को जिला प्रशासन ने कसी कमर

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। किसानों से सीधे गेहूं खरीद सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, जनपद में गेहूं खरीद के लिए कुल 63 क्रय केंद्र अनुमोदित किए गए हैं। इसके साथ ही, किसानों की सुविधा के लिए तहसील स्तर पर मोबाइल गेहूं क्रय केंद्रों के संचालन को भी हरी झंडी दी गई है।

सोमवार को जिले भर में गेहूं क्रय केंद्रों का शुभारंभ किया गया।शासन की समय सारणी के अनुपालन में विभिन्न एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रमुख क्रय केंद्रों में नौबस्ता मण्डी (प्रथम, द्वितीय, तृतीय), घाटमपुर मण्डी, शिवराजपुर, उत्तरीपुरा और ककवन जैसे महत्वपूर्ण स्थल शामिल हैं।

किसानों को केंद्र तक आने में होने वाली असुविधा को देखते हुए, प्रमुख सचिव (खाद्य तथा रसद विभाग) के निर्देश पर चार तहसीलों में मोबाइल क्रय केंद्रों के संचालन

गेहूं क्रय केंद्र पर मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

- **गेहूं खरीद केंद्र पर किसानों को मिलेंगे अच्छे दाम**
- **63 केंन्द्रों में एक साथ खुले गेहूं खरीद केंद्र**

की अनुमति दी गई है।

वहीं जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों और क्रय एजेंसियों को निर्देशित किया है कि समय सारणी के अनुरूप सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में कोई कठिनाई न हो। जिला खाद्य विपणन अधिकारी और जिला खरीद अधिकारी को इन केंद्रों के पारदर्शी संचालन और नियमित अनुश्रवण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डिप्टी आरएमओ अजय विक्रम सिंह ने बताया कि लगातार उनके द्वारा क्षेत्र में कई सेंटरों का विकसित किया गया है। किसानों के हित में सभी प्रयास किए जाएंगे तथा किसानों की बेहतरी के लिए सभी संभव प्रयास किए जाएंगे।

नवनिर्मित 6 आंगनबाड़ी भवनों का विधायक ने किया उद्घाटन

संवाददाता, घाटमपुर

- **बच्चों का अन्न प्राशन व महिलाओं की गोद भराई भी की गई**

अमृत विचार। घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने क्षेत्र के छह अंगनबाड़ी केन्द्रों का सोमवार को उद्घाटन किया। साथ ही पढ़ने वाले बच्चों की नियमित देखरेख कर उन्हें खेल के जरिये शिक्षित करने के लिए बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की मुख्य सेविकाओं को निर्देश दिए हैं, इस समारोह में विधायक ने 2 बच्चों का अन्नप्राशन व 4 गर्भ धात्री महिलाओं की गोद भराई की।

घाटमपुर के पतारा विकास खंड क्षेत्र में नवनिर्मित छह आंगनबाड़ी केन्द्रों का विधायक सरोज कुरील ने फीता काट कर लोकार्पण किया। भवन लोकार्पण समारोह में विधायक ने बच्चों का अन्नप्राशन कराकर चार गर्भ धात्री महिलाओं की गोद भराई कराई। विकास खंड के इटर्रा गांव में स्थित नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का विधायक सरोज कुरील ने फीता काट कर लोकार्पण कर भवन का शुभारंभ किया। इस दौरान विधायक सरोज ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बहुत जल्द सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बड़ी सौगात देने जा रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवाओं को लेकर उनके हितों में सरकार ठोस कदम उठाने जा रही। इस दौरान खंड विकास अधिकारी शिवनरेश सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत इटर्रा में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन के लोकार्पण के साथ ग्राम पंचायत छांजा, ग्राम पंचायत स्योंढ़ारी के नवनिर्मित भवन आंगनबाड़ी केन्द्र हुसंगापुर , ग्राम पंचायत हथेही के नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन कछवाहिनपुर, और ग्राम पंचायत दहेली के नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन सहित छह नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवनों का विधायक ने लोकार्पण कर भवनों का शुभारंभ किया।

इस दौरान खंड विकास अधिकारी शिवनरेश सिंह, एडीओ पंचायत राघवेंद्रप्रताप सिंह, एडीओ आईएसबी विक्रम शर्मा,एडीओ समाज कल्याण संजय गुप्ता ग्राम प्रधान छांजा राधेश्याम तिवारी, प्रधान छांजा अनुज सचान, प्रधान रविशंकर अग्निहोत्री, प्रधान दहेली मीना चौहान, ग्राम विकास अधिकारी जितैन्द्र मिश्रा, रोहित कुमार तिवारी,अभिषेक कुमार , प्रियंका मिश्रा, मुख्य सेविका कल्पना यादव, शोभा गौतम, गगुंजा, नोडलधिकारी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विजया सिन्हा के अलावा काफी महिला पुरुष ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक के साथ मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकत्री। अमृत विचार

स्कूलों में अंग्रेजी शिक्षा तो ठीक पर सनातनी शिक्षा भी जरूरी : मानवेंद्र

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र के पतारा कस्बा में एसआर पब्लिक स्कूल का शुभारंभ करने पहुंचे विधान परिषद के सभापति मानवेंद्र सिंह एवं भाजपा कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने फीता काटकर किया। साथ ही मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय के चेयरमैन नीरज त्रिपाठी ने सभी अतिथियों को फूल मालाओं के साथ प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

घाटमपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा पतारा में एसआर पब्लिक स्कूल का सोमवार को विधान परिषद के सभापति मानवेंद्र सिंह परिहार एवं भाजपा कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान के द्वारा फीता काटकर

फीता काटकर स्कूल का उद्घाटन करते मानवेंद्र सिंह। अमृत विचार

किया गया। इस दौरान अपने संबोधन में मानवेंद्र सिंह ने कहा कि इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अंग्रेजी शिक्षा तो ठीक है, परंतु बच्चों को सनातनी शिक्षा भी जरूरी है। आज के माता-पिता के पास समय नहीं है। इसलिए शिक्षकों का दायित्व बनता है कि बच्चों को शिक्षा और संस्कार दोनों देने की जरूरत है। वहीं भाजपा कानपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने वहां पर मौजूद लोगों को संबोधित किया।

वहीं विद्यालय के अध्यक्ष नीरज त्रिपाठी ने आए हुए सभी आगंतुकों को अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य दिव्या मिश्रा ने विद्यालय की व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर संत बैरागी बाबा इंटर कॉलेज के प्रबंधक ओम नारायण तिवारी, सक्षम त्रिपाठी, अरविंद द्विवेदी, अरविंद तिवारी,आशुतोष त्रिवेदी, उदयवीर सिंह सहित आदि लोग मौजूद रहे।

राजापुर की एसबीआई शाखा में लगी आग

राजापुर चित्रकूट। कस्बे में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में सोमवार की सुबह भीषण आग लग गई।

सोमवार की सुबह कर्वी-राजापुर मार्ग पर थाने से कुछ दूरी पर स्थित स्टेट बैंक की शाखा से धुआं और लपटें उठती देख पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। ताला खोलने में हुई दिक्कत से आग पर काबू पाने में परेशानी हुई। बैंक शाखा प्रबंधक के पहुंचने पर किसी तरह बैंक का ताला खोलकर देर बाद आग पर काबू पाया गया। अधिकारियों ने एसबीआई के एटीएम गार्ड अशोक कुमार से आग लगने के कारणों की जानकारी ली।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे, पांच घायल

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। कस्बे में दो पक्षों में मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे चलने लगे। इस दौरान मारपीट मे पांच लोग घायल हो गए।

तनवीर ने थाने में दी तहरीर में बताया कि 28 मार्च को मोहल्ले में शादी का कार्यक्रम था मेरी बहन खाना खाने जा रही थीं तभी रास्ते में अकेला पाकर जैद ने उसके साथ छेड़छाड़ कर दी। मैने ज़ब इसकी शिकायत उनके पिता से की तो शमशाद, जैद, अयान, राहिल, विक्की ने एक राय होकर हमला कर दिया और लोहे की सरिया व लोहे के बट्टे से मारपीट की। वहीं दूसरे पक्ष के शमशाद अहमद ने उन पर लगाए आरोपों को निराधार बताया और उन्होंने थाने में दी तहरीर में बताया कि वह शादी में जा रहा था, तभी जमील, तनवीर, आफताब,रानू , आलम, व लल्ला ने उस पर लाठी और सरिया से हमला कर दिया। वहीं थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के बाद 11 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

एसडीएम ने किया प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण

बिल्हौर। सोमवार को उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने प्राथमिक विद्यालय चंडाली का औचक निरीक्षण किया । यह अवसर विद्यालय के लिए दोगुना खास रहा, क्योंकि आज ही विद्यालय के प्रधानाध्यापक पुष्पेंद्र सिंह पटेल की सेवानिवृत्ति का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सेवानिवृत्त हो रहे प्रधानाध्यापक पुष्पेंद्र सिंह पटेल को उनके लंबे और समर्पित कार्यकाल के लिए प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। एसडीएम ने उनके शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक की मेहनत ही समाज की नींव को मजबूत बनाती है। इस विशेष आयोजन के दौरान विद्यालय स्टाफ की ओर से सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की गई। प्रधानाध्यापक की विदाई की याद में समस्त छात्र-छात्राओं को 'बैग किट' (बस्ता और शिक्षण सामग्री) वितरित किए गए। नए बैग और किट पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के समस्त स्टाफ ने उप जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

NAME CHANGE

AMAN KUMAR, FATHER No- JC 248986P, RANK - RIS. NAME- JAY CHANDRA, RESIDING AT VILL - BARAHIPURVA POST- LALPUR SHIVRAJPUR, DIST - KANPUR Dehat UTTAR PRADESH, 208001, HAVE CHANGE MY NAME AMAN KUMAR TO AMAN KUMAR PAL FOR ALL FUTURE PURPOSES. AFFIDAVIT DATED 26 March 2026 Before public notary.

सूचना

एक किता भवन निर्मित जुज भाग आराजी नं0– 526 मि0 स्थित मौजा– किशरवल, अकबरपुर कानपुर देहात को स्वामी द्वारा हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेन्स लि0 में बन्धक हेतु प्रस्तुत किया गया है। जिसका मूल बैनामा दिनांकित 28.12.2020 जो कि क्रमांक सं0– 10368 पर स0 रजि0 कार्या0 अकबरपुर में दर्ज है, कहीं खो गया है। उक्त सम्पत्ति पर यदि किसी को सत्व/दावा हो तो 7 दिवस के अन्दर सम्पर्क करें, अन्यथा उक्त सम्पत्ति को बन्धक स्वीकार कर लिया जायेगा। **शिवेन्द्र अवस्थी (एडवोकेट), चे0नं0– 24 बाबू लाल अधिवक्ता भवन, सिविल कोर्ट कानपुर, मो0: 9335063025**

सूचना

मैंने अपने पुत्र रोहित कुमार व उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी के गलत चाल चलन के चलते उससे संबंध विच्छेद कर दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उनके किसी भी कार्य व लेन देन से मेरा कोई सरोकार न होगा। **रामचंद्र पुत्र सोनेलाल निवासी ग्राम लाला भगत थाना रसूलाबाद कानपुर देहात।**

सूचना

मैंने अपने सबसे छोटे पुत्र सत्यप्रकाश पुत्र जगदीश बाबू व उसकी पत्नी अंजली पत्नी सत्यप्रकाश के गलत चाल–चलन के चलते सम्बन्ध विच्छेद कर चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इन दोनों के किसी कृत्य अथवा लेन–देन का मैं व मेरे परिवार के अन्य सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा। **जगदीश बाबू पुत्र शिव दयाल निवासी 5/232, मोहल्ला इस्माइलगंज सानी, शहर व जिला फर्रूखाबाद**

सूचना

सूचित हो कि मेरे स्कूल में नाम हेमंत कुमार सिंह और आधार कार्ड में अमन दर्ज है। प्रार्थी आधार कार्ड में अपना नाम हेमन्त कुमार सिंह दर्ज करवाना चाहता है। **हेमन्त कुमार सिंह पुत्र ओम प्रकाश सिंह ग्राम चुलम्भा पोस्ट कैसरगंज जिला बहराइच, यू.पी.।**

सूचना

बैंक ऑफ इंडिया शाखा भेलसर के खाता संख्या 75191 011 00 13116 में मेरा नाम पिंटू अंकित है। मेरा नाम आधार कार्ड में राजेश कुमार है। पिंटू और राजेश कुमार दोनों नाम मेरा ही है। **राजेश कुमार पुत्र अंबिका प्रसाद निवासी ग्राम शाहपुर पोस्ट शुजागंज थाना टिकैत नगर जिला अयोध्या।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी इण्टरमीडिएट (वर्ष 2024, रोल नंबर 2247082870) व हाईस्कूल (वर्ष 2022, रोल नंबर 1222350526) के अंकपत्र वास्तव में खो गए हैं। मैंने इण्टरमीडिएट चौधरी ओंकारनाथ इंटर कॉलेज, चंद्रनगर नंदवल, फखरपुर (बहराइच) तथा हाईस्कूल श्री महंत जागेश्वर पुरी उच्च माध्यमिक विद्यालय, नंदवल (बहराइच) से उत्तीर्ण किया है। **जया वर्मा पुत्री मयंकर वर्मा ग्राम दिकौलिया, विकास खंड फखरपुर, बहराइच।**

सूचना

मैं जितेंद्र वर्मा (JITENDERA VERMA) पुत्र किशोरी लाल (KISHORI LAL) निवासी ग्राम 32 मनकौटी पोस्ट दिलावर नगर थाना रहीमाबाद तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ का है। मेरा नाम पासपोर्ट जितेंद्र (JITENDRA) दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड जितेंद्र वर्मा (JITENDERA VERMA) पुत्र किशोरी लाल (KISHORI LAL) दर्ज है जो कि सत्य व सही है। इसी नाम से जाना पहचाना जाता हूं। मुझे (JITENDERA VERMA) पुत्र किशोरी लाल (KISHORI LAL) के नाम आज दिनांक से जाना पहचाना जाए।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने छोटे पुत्र प्रवीन शुक्ला के गलत चाल–चलन के कारण उसे अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से दिनांक 29/3/26 से बेदखल कर रहा हूँ। मेरा या मेरे परिवार के किसी सदस्य से उसका कोई वास्ता सरोकार नहीं रहेगा। उसके द्वारा किये गये किसी भी अनुचित/गैर कानूनी कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **अमरपाल पुत्र राम प्रसाद, निवासी– रहीमनगर डिडौली, थाना मड़ियांव, जनपद लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मेरा डाक घर बचत बैंक, जिला लखनऊ में खाता सं0– 010019529258 है। जिसमें मेरा नाम त्रुटिवश फूलमती मौर्या (PHOOLMATI MAURYA) दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम फूल मती (FOOL MATI) है जो मेरे आधार कार्ड पर दर्ज है। अतः मेरे उपरोक्त खाते में मेरा सही नाम फूल मती (FOOL MATI) दर्ज किया जाये। **फूल मती पत्नी प्रियांशु मौर्या निवासिनी– ग्राम सैदापुर परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मेरी भारतीय स्टेट बैंक शाखा माल, लखनऊ में खाता सं0– 44018243776 है। जिसमें मेरा नाम त्रुटिवश फूलमती मौर्या (PHOOLMATI MAURYA) दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम फूल मती (FOOL MATI) है जो मेरे आधार कार्ड पर दर्ज है। अतः मेरे उपरोक्त खाते में मेरा सही नाम फूल मती (FOOL MATI) दर्ज किया जाये। **फूल मती पत्नी प्रियांशु मौर्या निवासिनी– ग्राम सैदापुर परगना व तहसील मलिहाबाद, जिला लखनऊ।**

सूचना

भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा प्रथम रायबरेली द्वारा जारी पॉलिसी संख्या 236903689 जो कि 26–3–2011 को बीमाधन 62500 की जारी पालिसी में नाम सकंठा प्रसाद हो गया है, जबकि सही नाम मनोज कुमार है। आधार में मनोज कुमार ही अंकित है। उपरोक्त पॉलिसी में सकंठा प्रसाद के स्थान पर मनोज कुमार अंकित किया जाए। **मनोज कुमार पुत्र कैलाश चन्द ग्रा. सेमौरा पो. हुसैनगंज, फतेहपुर**

आयोजन सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम, उनके खुशहाल जीवन की कामना की

शिक्षक ही समाज के सच्चे मार्गदर्शक : पटेल

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। कस्बा स्थित बीआरसी में सोमवार को सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान एवं शैक्षणिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने शिक्षकों को समाज का सच्चा मार्गदर्शक बताने के साथ उनके योगदान को याद कर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

बीआरसी चौबेपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात अपने संबोधन में बीईओ कुंवर आनंद पटेल ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्ति नहीं होता, केवल उसका उत्तरदायित्व बदल जाता है। उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे सभी शिक्षकों की निष्ठा व ईमानदारी से अपने कर्तव्यों के निर्वहन की जमकर सराहना की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद बीईओ शिवराजपुर कृपा शंकर यादव ने कहा कि सेवानिवृत्त, जीवन का वह पड़ाव है, जब शब्दों से अधिक भावनाएं मुखर होती हैं। शिक्षक समाज के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं । इसी तरह अन्य वक्ताओं ने भी शिक्षकों के जीवन को सेवा,समर्पण व संस्कारों का प्रतीक बताया। इस दौरान सेवानिवृत्त शिक्षकों संगीता श्रीवास्तव, प्रेमलता सिंह,कल्पना मिश्रा ,आशा अवस्थी व सर्वेंद्र यादव के दीर्घकालीन सेवाकाल व शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना कर उन्हें फूल माला पहनाने के साथ अंग वस्त्र,स्मृति चिन्ह,धार्मिक ग्रंथ व शिक्षण सामग्री भेंट कर उनके खुशहाल जीवन की कामना की गई।

इसके अतिरिक्त संगोष्ठी में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार, नवाचार पूर्ण शिक्षा विधियों व विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। इस मौके पर विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी सुनील वर्मा, अनूप यादव, नीरज तिवारी, सुशेंद्र सचान, सुनील बाजपेई, गजेंद्र सिंह,कुंवर प्रशांत सिंह, अनुग्रह त्रिपाठी, बृजेंद्र सिंह,सरिता कटियार, प्रियंका वर्मा,व राजेश यादव आदि के साथ बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ मौजूद बीईओ व साथी शिक्षक। अमृत विचार

इनका भी सम्मान

- चौबेपुर। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर मिशाल पेश करने वाले राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक राजन लाल व अब्दुल मजीद सिद्दीकी को भी विशेष उपलब्धि के लिए सम्मान प्रदान किया गया। इसी तरह नोडल शिक्षक संकुल के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शंकर सिंह, सुरेश गौड़ ,पवन त्रिपाठी,देवेश मिश्रा,कलीमुल्लाह, मनोज, वीरेंद्र, प्रेम शंकर व रंजीता को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त अवधेश त्रिपाठी, रेखा देवी, सुनीता विश्वकर्मा ,रिचा अवस्थी, संध्या चौधरी, मीना पांडे, संध्या बाजपेई, नीता अहिरवार व पूनम को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षा मित्र एवं अनुदेशक विजय भद्र यादव को भी सम्मान दिया गया।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

मालदा टाउन से आनंद विहार टर्मिनल विशेष ट्रेन

कानपुर। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने गाड़ी संख्या 03435 मंगलवार को मालदा टाउन से 31 मार्च को चलेगी। गाड़ी संख्या 03436 आनंद विहार टर्मिनल से बुधवार 1 अप्रैल को चलाने की घोषणा की है। इस गाड़ी में एसी सेकंड 2, एसी थर्ड 6, स्लीपर 8, जनरल 4, पार्सल के 2 डिब्बे होंगे। मालदा टाउन से संचालित ट्रेन मंगलवार को चलकर बुधवार को सुबह 6.05 बजे गोविंदपुरी (कानपुर) पहुंचेगी। इसी प्रकार बुधवार को आनंद विहार टर्मिनल से दोपहर 2.50 बजे रवाना होगी। गोविंदपुरी स्टेशन रात 11.30 बजे पहुंचेगी।

कबाड़ गोदाम में भीषण आग

कानपुर। कोयला नगर स्थित एक कबाड़ गोदाम में देर रात भीषण आग लगी जिसकी 20 फिट ऊंची लपटें देख हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही जाजमऊ फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं लेकिन आग की भयावह देख किदवई नगर, फजलगंज, मीरपुर फायर स्टेशन की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और कई घंटे जूझकर आग पर काबू पाया।

समय प्रबंधन, निरंतर पढ़ाई से बेहतर परिणाम पाया

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के 2024 पीसीएस का फाइनल परिणाम घोषित, कई मेधावियों ने पाया मेहनत का मीठा फल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के वर्ष 2024 पीसीएस के फाइनल परिणाम घोषित हुए। इसमें पास युवाओं ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम के लिए तैयारी में निरंतरता और समय प्रबंधन का होना बेहद जरूरी है। पीसीएस परीक्षा में पास हुए कई उम्मीदवार मौजूदा समय पर नौकरी कर रहे हैं। नौकरी करते हुए ही उन लोगों ने परीक्षा की तैयारी की और बेहतर परीक्षा परिणाम हासिल किए। उन्होंने यह भी बताया कि समय प्रबंधन के साथ ही यह भी जरूरी है कि कितना और कहां से पढ़ा जाए। जब पूरा कोर्स उसके पढ़ने का माध्यम और खुद की तैयारी पर भरोसा हो तो समय प्रबंधन में इन सभी तथ्यों को शामिल करना चाहिए।

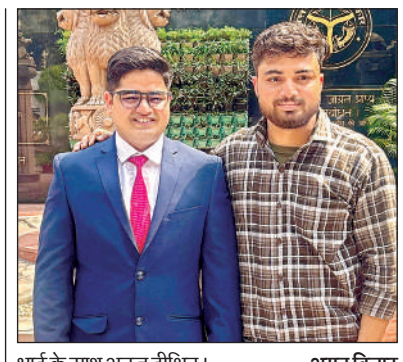

परिजनों के साथ दिव्या शुक्ला। अमृत विचार

पहले प्रयास में सफलता

- परीक्षा में 28 वीं रैंक लाने वाली दिव्या शुक्ला कन्नौज में सहायक अध्यापिका के पद पर रहते हुए पीसीएस की तैयारी की। उन्होंने बगैर किसी कोचिंग के पहले ही प्रयास में यह सफलता हासिल की। अब वे असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य कर के पद पर कार्य करेंगी। पिता कृष्ण कुमार शुक्ला व मां मीना शुक्ला की पुत्री दिव्या बर्रा में निवास करती हैं। स्कूल की छुट्टियों में उन्होंने अपनी परीक्षा की तैयारी की। कोचिंग की सहायता नहीं ली, परिणाम यह हुआ कि उन्होंने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की।

भाई के साथ अनुज दीक्षित। अमृत विचार

पढ़ाई बोझिल न करें

- अनुज दीक्षित को नायब तहसीलदार के पद पर नियुक्ति मिली है। उन्होंने बताया कि वे इटावा के निवासी हैं, उनके पिता राम कुमार दीक्षित एक किसान व मां संध्या दीक्षित सरकारी शिक्षिका हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा को उन्होंने पहले ही प्रयास में पास की है। इसके लिए उन्होंने लक्ष्य बनाकर तैयारी पूरी की। यह भी बताया कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए की जाने वाली पढ़ाई को बोझिल नहीं होने देना चाहिए।

2022 से सोशल मीडिया बंद

अक्षांश।

- पीसीएस परीक्षा की तैयारियों के लिए अक्षांश कटियार ने 2022 में अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट को बंद कर दिया था। बिल्हौर निवासी अक्षांश ने बताया कि सोशल मीडिया को इस्तेमाल करना बुराई नहीं है, लेकिन उसका सही उपयोग करना चाहिए। यदि ऐसा लगे कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म समय बर्बाद कर रहा है तो उससे दूरी बनाना या फिर सीमित कर देना ही उचित है। उनके पिता राजेश कटियार एक किसान है व मां राम किसोरी गृहणी हैं। यह परीक्षा उन्होंने चौथे प्रयास में पास की है। कड़ी मेहनत व समय प्रबंधन को उन्होंने सफलता का पैमाना बताया। कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।

परिजनों के साथ सृष्टि। अमृत विचार

बगैर कोचिंग हासिल की सफलता

- परीक्षा परिणामों में नवाबगंज निवासिनी सृष्टि गुप्ता को सब रजिस्ट्रार पद पर नियुक्त मिली है। उन्होंने बताया कि उन्होंने बगैर किसी कोचिंग के यह सफलता हासिल की है। सफलता हासिल करने के लिए उन्होंने दो प्रयास किए हैं। पीसीएस की तैयारी कर रहे युवाओं को उन्होंने बताया कि यदि वे ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं तो जांचना जरूरी है कि उनके शिक्षक किस स्तर के हैं। इसके लिए वे शिक्षकों की प्रोफाइल जरूर जांच लें। इसके अलावा ऑनलाइन पढ़ाई में बड़े नामों के पास जाने के बजाय यह परखना जरूरी है कि उनकी पढ़ाई समझ आ रही है या नहीं। इस फिल्टर से काफी लाभ हासिल होता है।

वंशिका ने पाई सफलता।

वंशिका ने क्षेत्र का नाम किया रोशन

- **कानपुर।** यूपीपीसीएस परीक्षा परिणाम में क्षेत्र के चंदिका गांव की बेटी ने भी वाणिज्य कर अधिकारी बन माता पिता व गांव का मान बढ़ाया है। वंशिका सिंह के पिता प्रदीप कुमार सिंह मौजूदा समय में यूपी पुलिस ई ओ डब्ल्यू लखनऊ में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं, जब कि मां रेनू सिंह गृहणी हैं। पिता प्रदीप सिंह ने बताया कि वंशिका सिंह क्षेत्र के अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बनी हैं। सभी बच्चों को चाहिए कि लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करें। ग्राम प्रधान प्रमोद सिंह समेत अन्य लोगों ने उन्हें बधाई दी।

नौकरी करते हुए तैयारी

पूजा।

- पीसीएस में सफलता हासिल कर नायब तहसीलदार के पद पर पहुंची पूजा यादव ने सरकारी नौकरी करते हुए यह लक्ष्य पूरा किया। पूजा यादव कानपुर में पीडब्लूडी में रीजनल अकाउंटेंट हैं। इटावा निवासी पूजा यादव ने बताया कि उनके पिता महादेव सिंह यादव पुलिस हेड कांस्टेबल हैं। उनकी मां शीला देवी गृहणी हैं। यह सफलता उन्हें दूसरे प्रयास में हासिल हुई है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारी के लिए समय प्रबंधन, लगातार पढ़ाई जरूरी है।

21वीं रैंक के साथ श्वेता डिप्टी कलेक्टर

- शिवराजपुर निवासी श्वेता वर्मा ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफलता हासिल करते हुए 21वीं रैंक प्राप्त की है। उनका चयन डिप्टी कलेक्टर पद पर हुआ है। श्वेता वर्मा की शिक्षा शिवराजपुर से ही प्रारंभ हुई। वर्तमान में श्वेता वर्मा एवं उनके पति सुधांशु कुमार दोनों ही दूरदर्शन, दिल्ली में असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनके पिता जगदीश वर्मा सरकारी बैंक से कैशियर पद से सेवानिवृत्त हैं, जबकि उनकी मां लक्ष्मी वर्मा एक गृहिणी हैं। तीन बहनों और एक भाई में श्वेता सबसे बड़ी हैं। उनके भाई शैलेंद्र वर्मा शिवराजपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 7 के सभासद हैं।

श्वेता वर्मा ने परिजनों के साथ खुशी मनाई। अमृत विचार

रावतपुर-डबल पुलिया टनल पूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर मेट्रो ने सोमवार को कॉरिडोर-2 (सीएसए से बर्रा-8) के अंडरग्राउंड सेक्शन रावतपुर से डबल पुलिया तक टनल निर्माण का कार्य पूरा कर लिया है। सोमवार को पार्वती टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम मशीन) अप-लाइन टनल का निर्माण करते हुए अंतिम पड़ाव डबल पुलिया स्टेशन पहुंची। 4.80 किलोमीटर लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन में गोमती, सरस्वती और पार्वती टीबीएम तीन मशीनों का प्रयोग किया गया है, जिसकी वजह से कानपुर मेट्रो को 16 माह में यह सफलता मिली।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि इनिशियल ड्राइव शुरू होने के महज 16 महीनों के अंदर अंतिम ब्रेकथ्रू के साथ कॉरिडोर-2 के टनल निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। लगभग 8.60 किमी लंबे कॉरिडोर-2 में लगभग 4.80 किमी का हिस्सा अंडरग्राउंड है।

इसके अंतर्गत सबसे पहले रावतपुर से कंपनी बाग चौराहा की दिशा में कॉरिडोर-2 डिपो रैम्प तक, 620 मीटर लंबी अप-लाइन और डाउनलाइन टनल का निर्माण किया गया, जिसके बाद रावतपुर से दूसरी दिशा में काकादेव होते हुए डबल पुलिया तक टनल निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया गया। गोमती टीबीएम मशीन ने डाउनलाइन पर 9 फरवरी 2026 को और पार्वती टीबीएम मशीन ने 30 मार्च 2026 को अप-लाइन पर टनल का निर्माण करते हुए डबल पुलिया स्टेशन पहुंची। पार्वती टीबीएम मशीन के इस अंतिम ब्रेकथ्रू के साथ कॉरिडोर-2 के निर्माण का कार्य पूरा हो गया।

निर्माण कार्य पूरा होने के बाद टनल के पास मौजूद मेट्रो अधिकारी व स्टाफ।

बताया कि कानपुर मेट्रो का कुल नेटवर्क लगभग 32.5 किमी लंबा है, जिसमें से करीब 13.50 किमी हिस्सा अंडरग्राउंड है। कॉरिडोर-1 के 8.60 किमी लंबे भूमिगत सेक्शन में सात स्टेशन में पांच स्टेशनों पर मेट्रो सेवा जारी और दो निर्माणाधीन हैं, जबकि कॉरिडोर-2 के 4.80 किमी लंबे समय सेक्शन में तीन अंडरग्राउंड स्टेशन बनाए जा रहे हैं। कॉरिडोर-2 में रेल पटरियों को बिछाने का कार्य भी किया जा रहा है। इस दौरान यूपीएमआरसी व कांट्रैक्टिंग एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी व स्टाफ कर्मी मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त दरोगा की पौत्री के अपहरण का प्रयास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ई-रिक्शा सवारों ने मुंह दबाकर उठाया, पान मसाला लेने रुके आरोपी तो भाग निकली बच्ची

अमृत विचार। गुजैनी थाना क्षेत्र के जरौली फेज-2 में सेवानिवृत्त दरोगा की 10 वर्षीय पौत्री को ई-रिक्शा सवार दो लोगों ने जबरन उठाकर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन बच्ची सूझबूझ दिखाते हुए उनके चंगुल से भाग निकली और लोगों की मदद से सुरक्षित घर पहुंच गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बर्रा-दो निवासी सेवानिवृत्त दरोगा महेंद्र सिंह के बेटे अभिषेक अपने परिवार संग जरौली फेज-2 में रहता है। अभिषेक आटो चालक है। परिवार में पत्नी कविता व चार बच्चे हैं, जिनमें 10 वर्षीय खुशी सबसे बड़ी है। रविवार को खुशी अपने भाई-बहनों के साथ चौथी मंजिल पर खेल रही थी। इसी दौरान उसकी चूड़ी नीचे गिर गई। उसे उठाने के लिए वह नीचे पहुंची। जैसे ही वह चूड़ी लेकर दरवाजे की ओर बढ़ी, तभी ई-रिक्शा सवार दो युवक पहुंचे और उसका मुंह दबाकर जबरन ई-रिक्शा में बैठाकर ले गए। बच्ची के मुताबिक आरोपी उसे आनंद साउथ सिटी से रामगोपाल चौराहा होते हुए बर्रा-दो स्थित संकट मोचन मंदिर तक ले गए। यहां आरोपी पान मसाला लेने के लिए रुके तो वह मौका पाकर भाग निकली और बाबा के घर पहुंच गई। उस समय घर पर कोई नहीं था।

उधर बच्ची के गायब होने पर परिवार वाले उसकी तलाश कर रहे थे। तभी मोहल्ले के लोगों ने बच्ची के मिलने की सूचना दी तो परिजन मौके पर पहुंचे और बच्ची ने पूरी घटना बताई। गुजैनी थानाप्रभारी राजन शर्मा ने बताया कि बच्ची के बताए समय और रूट के आधार पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल कोई संदिग्ध ई-रिक्शा स्पष्ट नहीं दिखा है, जांच जारी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जाम खत्म करने को 1 अप्रैल से बदलेगा 81 स्कूलों का समय

कार्यालय संवादाता, कानपुर

- शहर के 81 स्कूलों को 22 चौराहों के हिसाब से बांटा गया
- स्कूली वाहन गेट के सामने सड़क पर खड़े करने पर रोक

अमृत विचार। 1 अप्रैल से शहर के 81 स्कूलों का समय बदल जाएगा। प्रशासन ने सभी स्कूलों के समय को दो भागों में बांटा है। गर्मियों का समय 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक रखा गया है। जिसमें स्कूलों का समय 6 घंटे की अवधि का रखा है। जिसमें 7, 7:30 व 8 बजे से स्कूल लगेंगे। स्कूलों का समय अलग अलग है।

इसी तरह सर्दियों के समय 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक स्कूल 9, 09:30 व सुबह 10 बजे खुलेंगे। इस दौरान भी स्कूलों की अवधि छह घंटे की ही रहेगी। जाम से बचने के लिए 81 स्कूलों को 22 चौराहों के हिसाब से बांटा गया है। अभिभावकों व स्कूली वाहनों को सड़क किनारे व स्कूल के गेट के सामने वाहन लगाने पर मनाही हो गई है। ये कदम जाम से बचने के लिए उठाया गया है। सभी स्कूलों को कहा गया है कि किसी भी हाल में स्कूल के सामने सड़क पर वाहनों की पार्किंग न हो। इसके लिए गेट के सामने कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए।

सुबह 07 व 09 बजे खुलने वाले स्कूल

- एलन हाउस पनकी, मरियमपुर प्री-प्राइमरी, सर पदमपत सिंघानिया, डा0 वीरेन्द्र स्वरूप शारदा नगर, सिडलिंग एकेडमी, यूनाइटेड पब्लिक स्कूल, डीपीएस कल्याणपुर, स्वराज इण्डिया और शीलिंग हाउस काकादेव, मदर टेरेसा, किड्स डीपीएस किदवई नगर, चिंटल्स रतनलाल नगर, राधा कृष्ण मेमो0 स्कूल, जयपुरिया स्कूल और मेथाडिस्ट हाईस्कूल, सेन्ट मैरीज कान्वेंट कैंट

सुबह 07:30 और 09:30 बजे खुलने वाले स्कूल

- राम एजूकेशन सेन्टर पनकी, कैण्डी फ्लाश स्कूल, सनातनधर्म एजूकेशन सेन्टर, भगवन्ती एजूकेशन सेन्टर, मॉउन्ट कार्मल, कैम्ब्रीज हाईस्कूल, हडर्ड स्कूल सिविल लाइन्स, चिन्टल्स स्कूल और मन्टोरा स्कूल कल्याणपुर, गौरव इण्टरनेशल और गुरूनानक मॉडल स्कूल, केडीएमए वर्ल्ड और, फातिमा कॉन्वेंट, मर्सी मेमो0 किदवई नगर, सुधर सिंह एकेडमी, एयरफोर्स स्कूल

सुबह 08 और 10 बजे खुलने वाले स्कूल

- डा0 वीरेन्द्र स्वरूप एजूकेशन सेन्टर पनकी, सनातनधर्म बा0इ0का0 कौशलपुरी, डा0 वीरेन्द्र स्वरूप पब्लिक स्कूल सिविल लाइन्स, एलन हाउस पब्लिक स्कूल खलासी लाइन्स, सेन्ट फ्रान्सिस जेवियर्स अशोक नगर, आर्मी स्कूल

सुविधा

रिचार्ज खत्म होने व बिजली कटने तक पहुंचेंगे मोबाइल पर पांच मैसेज

2028 तक केस्को के सभी उपभोक्ता प्रीपेड स्मार्ट मीटर वाले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी (केस्को) के अंतर्गत आने वाले सभी उपभोक्ता वर्ष 2028 तक स्मार्ट प्रीपेड मीटर से लैस होंगे, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। केस्को अधिकारियों के निर्देश पर कर्मियों ने अब तक एक लाख आठ हजार स्मार्ट मीटरों को प्रीपेड में बदल दिया है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर में प्रतिदिन व हर घंटे की बिजली खपत की भी निगरानी कर सकते हैं और कम बैलेंस पर नियमित अलर्ट का मैसेज भी आएगा। वहीं, बिजली जुड़वाने के लिए बिजली घर के चक्कर भी नहीं लगवाने पड़ेंगे।

केस्को में वर्तमान साढ़े सात लाख से अधिक उपभोक्ता हैं, जिसमे से अधिकांश के परिसरों में पोस्टपेड मीटर ही लगे हैं, लेकिन इन सभी उपभोक्ताओं के परिसरों में वर्ष 2028 तक स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य केस्को ने तय किया है। सोमवार को केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन ने बताया कि सीईए विनियम (संशोधन), 2019 बिंदु 4 मीटर के प्रकार (1) (ख) के तहत अब असभी नए उपभोक्ता मीटर पूर्व भुगतान सुविधा वाले स्मार्ट मीटर होंगे। स्मार्ट मीटरों के अलावा अन्य मौजूदा मीटरों को केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट समय सीमा के अंदर पूर्व भुगतान सुविधा वाले स्मार्ट मीटरों से प्रतिस्थापित कर दिया जाएगा। पूर्व में जमा सिक्योरिटी धनराशि को बकाये में समायोजित किया जाएगा या सीधे संबंधित उपभोक्ता के प्रीपेड बैलेंस में जोड़ दिया जाएगा। पिछले बिल और प्रीपेड में परिवर्तन की तिथि के बीच की अवधि के लिए एक अंतिम बिल भी बनाया जाएगा। वहीं, प्रीपेड में परिवर्तन के बाद उपभोक्ताओं को निर्धारित विद्युत दरों पर दो फीसदी छूट भी मिलती है। बताया कि डिजिटल बिलिंग के तहत कागजी बिल भेजना बंद कर दिया गया है, सभी बिल एसएमएस से भेजे जाएंगे और बिल को यूपीपीसीएल की वेबसाइट पर भी डाउनलोड किया जा सकता है।

जानकारी देते केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन। अमृत विचार

पोस्ट पेड बकाया के खिलाफ हर रिचार्ज से स्वचालित रूप से एक निश्चित प्रतिशत काटा जा सकता

मूल बकाया	हर रिचार्ज से पोस्टपेड बकाया के खिलाफ
रुपये में	समायोजित राशि
10,000 तक	10 प्रतिशत
10,000 से 15000 तक	15 प्रतिशत
15,000 से 20,000	20 प्रतिशत
20,000 से अधिक पर	25 प्रतिशत

पांच एसएमएस के बाद कट जाएगी बिजली

- केस्को के एक्सीएन सर्वेश पांडेय ने बताया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर में बैंलेंस रिमाइंडर के संबंध में चार मैसेज उपभोक्ता के मोबाइल नंबर पर पहुंचेंगे। इसके बाद पांचवां मैसेज बिजली कटने का जाएगा। इसके तीन दिन में उपभोक्ता को अधिसूचना भेजी जाएगी और तब भी रिचार्ज नहीं किया जाता है तो बिजली कट जाएगी। इस कार्यवाही के बाद उपभोक्ता अगर बिल का भुगतान करते है तो 10 सेकेंड से लेकर दो घंटे में बिजली आ जाएगी। अगर दो घंटे में बिजली नहीं भी आती है तो उपभोक्ता ऑनलाइन शिकायत कर समाधान पा सकते है। बताया कि इस मीटर को मोबाइल फोन की तरह ही रिचार्ज किया जा सकता है। वहीं, पोस्ट पेड बकाया के खिलाफ हर रिचार्ज से स्वचालित रूप से एक निश्वित प्रतिशत काटा जा सकता है और पुराने बकाया का भुगतान एक बार में भी किया जा सकता है।

यूपीपीसीएल स्मार्ट एप अनिवार्य

- केस्को प्रबंध निदेशक ने बताया कि यूपीपीसीएल स्मार्ट ऐप सभी उपभोक्ताओं के लिए अनिवार्य है, एप में हर घंटे रियल टाइम बैलेंस व बिजली खपत की जानकारी उपभोक्ता देख सकते हैं। पिछले रिचार्ज की जानकारी भी ऐप पर उपलब्ध होगी। दैनिक धनराशि कटौती का विवरण भी होगी और उपभोक्ता शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। वहीं, यूपीआई पेटीएम व गूगल पे के माध्यम से तुरंत रिचार्ज भी किया जा सकता है। वहीं, केस्को टीम अगर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने परिसर में पहुंचती है तो उसका कोई भी शुल्क उपभोक्ता को नहीं देना होगा। यह प्रक्रिया पूरी तरह निशुल्क है।

अस्पताल में मरीज की मौत पर हुआ हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कर्नलगंज स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान बालक की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर आक्रोशित परिजन को शांत कराया।

कन्नौज के गुरसहायगंज निवासी मो. राशिद के अनुसार रविवार को 12 वर्षीय बेटे अरसलान को कर्नलगंज स्थित डॉक्टर के क्लीनिक पर दिखाया था। जहां से डॉक्टर ने बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया। आरोप है कि अस्पताल में रुपये नहीं जमा कर पाने के कारण परिजनों की बहस हो गई। जिसके बाद अस्पताल की एक नर्स ने बेटे को गलत इंजेक्शन लगा दिया। जिसकी वजह से हालत बिगड़ने से बेटे की मौत हो गई। कर्नलगंज थाना प्रभारी ने बताया कि बालक की मौत के बाद परिजन ने अस्पताल प्रबंधक पर लापरवाही का आरोप लगाया था। दोनों पक्षों में आपसी समझौता कर लिया। पीड़ित परिवार से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जाएगी।

सेंट्रल पर बच्ची का अपहरण

कानपुर। सेंट्रल स्टेशन पर कानपुर देहात के मंगलपुर की महिला अपने 9 साल की बच्ची के साथ ट्रेन का इंतजार कर रही थी। एक बुजुर्ग ने स्टाल से कुरकुर दिलाने के बहाने बच्ची का अपहरण कर लिया। जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी होते ही सीसीटीवी की मदद से बच्ची को कुछ ही घंटों में बरामद कर लिया गया। मौका पाकर अपहर्ता फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

ठेके के पास अधेड़ का शव पड़ा मिला

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र के शिवगंज चौराई गांव स्थित देशी शराब ठेके के पास सोमवार सुबह एक अधेड़ का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शिनाख्त कराई तो मृतक की पहचान गांव के 55 वर्षीय रामसिंह चक के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक रामसिंह अविवाहित था और शराब का लती था। उसके भाइयों छोटे राजू और बड़े राजू ने बताया कि वह रविवार देर शाम घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा। सुबह ठेके के पास शव मिलने की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। थानाप्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

शराब के लती युवक ने जान दी

कानपुर। कल्याणपुर में शराब के लती युवक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर जांच पड़ताल की।कल्याणपुर पुलिस ने बताया कि इंदिरा नगर निवासी विजय प्रताप सिंह शराब के लती थे। वह अक्सर शराब के नशे में पत्नी ज्योति से विवाद करते थे। रविवार रात को वह नशे की हालत में घर पहुंचे और कमरे में चले गए। कुछ देर बाद पत्नी उन्हें बुलाने पहुंची तो उन्हें फंदे से लटकता हुआ देखा। तत्काल परिजन ने खिड़की तोड़कर उन्हें फंदे से उतारा। साथ ही कार्डियोलॉजी ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजन पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव को घर ले गए और अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे। इस बीच किसी पड़ोसी ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। हालांकि परिजन के मना करने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम नहीं कराया।

गौशाला के कर्मचारी ने फांसी लगाई

कानपुर। बिठूर में गौशाला के कर्मचारी ने परिसर में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। परिवार ने हत्या की आशंका जताकर आरोप लगाया। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर जांच पड़ताल की। बिठूर के बाकरगंज निवासी 35 वर्षीय राकेश निषाद थानाक्षेत्र स्थित महाराज घाट गौशाला में काम करते थे। परिवार में मां सुखदेवी और चार भाई सुरेश, प्रकाश, दिनेश, महेश हैं। परिजनों ने बताया कि वह चार साल से गौशाला में रहकर काम करते थे। कभी-कभी घर आया करते थे। सोमवार सुबह गौशाला के कर्मचारी ने भाई के आत्महत्या करने की सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन ने पैर मुड़े होने की बात कहकर हत्या की आशंका जताई। बिठूर थाना प्रभारी ने बताया कि युवक ने आत्महत्या की है। फिलहाल आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। परिजनों की तहरीर पर कार्रवाई की जाएगी।

मेगा ब्लाक से ट्रेन रद्द रूट भी बदला

कानपुर। व्हाइटफील्ड यार्ड के कार्य एवं बेंगलुरु कैंट के बीच चौथी लाइन से संबंधित यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कई गाड़ियां निरस्त रहेंगी जबकि कई गाड़ियों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। **गाड़ियों का निरस्तीकरण :**गाड़ी संख्या 03251 दानापुर-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस, 2 से 5 जून, 8 से 10 जून के अतिरिक्त 20, 25 जून, 1,4 व 5 जुलाई 2026 को निरस्त रहेगी। गाड़ी संख्या 04131 कानपुर सेंट्रल स्टेशन से एसएमवीटी बेंगलुरु विशेष 5 जुलाई को बदले हुए रूट चिरला, ओंगोल, नेल्लोर, रेनिगुंता, काटपाडी, जोलारपेट्टई, बंगारपेट एवं कृष्णराजपुरम होते चलेगी।

महापौर ने बुलाई थी कार्यकारिणी की बैठक, नाराजगी जताकर खत्म की, अब आज होगी चर्चा

नगर निगम की संपत्तियों का ब्यौरा अधिकारी नहीं दे सके

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यकारिणी की बैठक में शामिल महापौर प्रमिला पांडेय, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर निगम के अधिकारियों को यह पता नहीं है कि शहर में निगम की कितनी संपत्तियां हैं। इन संपत्तियों में से कितनों पर कब्जे हैं और कितनों पर स्लाटर हाउस बन गए और कितनी जगहों पर बिल्डिंग बन गई हैं। नगर निगम के अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं होने पर सोमवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने नाराजगी जाहिर की और नगर निगम की कार्यकारिणी की करीब एक घंटे चली बैठक के बाद इसे स्थगित कर दिया। अब मंगलवार को बजट पर कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जाएगी।

नगर निगम के समिति कक्ष में सोमवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने कार्यकारिणी की बैठक बुलाई, जो दोपहर दो बजे शुरू हुई, जिसमे नगर निगम की भूमियों पर हुए कब्जों के मामलों को प्रमुखता से उठाया गया। पार्षदों ने नवाबगंज, श्याम नगर, रैना मार्केट आदि क्षेत्र में कब्जों का मुद्दा उठाया, जिसपर महापौर ने भी अधिकारियों से पूछताछ की, सटीक जवाब न मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाई। कहा कि नवाबगंज में स्लाटर हाउस की भूमि पर बिल्डिंग तन गई, रैना मार्केट में अवैध रूप से दुकानों पर निर्माण हो रहे हैं और श्याम नगर में भी 500 गज नगर निगम की भूमि पर कब्जे का मामला सामने आया है, ऐसे में नगर निगम सम्पत्ति विभाग क्या कर रहा है। इससे पहले भी जांच के निर्देश दिए गए थे, लेकिन जानकारी तक नहीं दी गई। यह जमीनें विभाग के पास होती तो आय बढ़ती। महापौर ने प्रभारी सम्पत्ति ध्रुव कुमार यादव को जांच कर जल्द से जल्द रिपोर्ट करने के निर्देश दिए है। वहीं, बैठक में नगर निगम की आय बढ़ाने पर मुख्य रूप से फोकस किया गया। मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी कृपानंद शुक्ला ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का मूल बजट पेश किया। इसपर महापौर ने कहा कि बैठक के ठीक पहले बजट देने पर कोई चर्चा कर निर्णय नहीं लिया जा सकता है। बजट पर मंगलवार यानी आज चर्चा की जाएगी। महापौर ने इसके साथ ही 15 अप्रैल तक नामांतरण के नए नियमों को लोगों के लिए लागू करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम अधिकारी व पार्षद मौजूद रहे।

नगर निगम संचालित करेगा कन्वेंशन सेंटर

- चुन्नीगंज स्थित आधुनिक कन्वेंशन सेंटर के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया हुई थी, जिसमे बाला जी इंटरप्राइजेज को टेंडर मिला है, लेकिन अभी वर्क आर्डर जारी नहीं हुए है। इसपर महापौर ने कहा कि कन्वेंशन सेंटर नगर निगम की जमीन पर स्थापित है, इसलिए इस सेंटर का संचालन नगर निगम ही करेगा। ताकि विभाग की आय बढ़ सके। इसको नगर निगम अपने हैंडओवर लेगा और स्मार्ट सिटी की ओर से किया गया टेंडर निरस्त की कार्यवाही की जाएगी। इसके संचालन के लिए टेंडर डाले जाएंगे। वहीं, कहा कि अवैध विज्ञापनों के खिलाफ अभियान का संचालन किया जाए।

मोतीझील में लगी प्रदर्शनी आयोजक को नोटिस

- मोतीझील ग्राउंड में प्रदर्शनी लगी है, जिसपर महापौर ने कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि पूर्व नगर आयुक्त ने पिछली बार प्रदर्शनी के लिए पार्क तीन करोड़ रुपये में डेढ़ महीने के लिए दिया था, लेकिन इस वर्ष 60 हजार रुपये प्रतिदिन में पार्क को कैसे दे दिया गया है। उसको हटवाया जाए। इसपर नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कहा कि प्रदर्शनी आयोजक को नोटिस दी जा रही है। तभी महापौर बोलीं कि जिस अधिकारी ने एलॉट किया है, उसपर भी कार्रवाई होनी चाहिए। आयोजक की कोई गलती नहीं है।

खलासी लाइन में वृद्ध की हत्या में तीन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

अमृत विचार। ग्वालटोली के खलासी लाइन में बेटी से छेड़खानी के विरोध में लकवाग्रस्त पिता की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित समेत उसकी मां व बहन को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। जबकि फरार चल एक अन्य हत्यारोपित की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम लगी है।

खलासी लाइन में किराए के मकान में रहने वाले लकवाग्रस्त 60 वर्षीय वृद्ध की हाईस्कूल में पढ़ने वाली बेटी से मोहल्ले का मनचला साहिल अक्सर छेड़खानी कर फोन नंबर मांगने का दबाव बनाता था। मनचले की हरकतों की वजह से किशोरी ने अकेले बाहर निकलना बंद कर दिया था। जानकारी पर पिता ने आरोपित के परिजनों ने शिकायत की। इस बात की खुन्नस में शनिवार को साहिल ने वृद्ध से मारपीट कर अंजाम भुगतने की धमकी दी। मामले में वृद्ध की पत्नी से चौकी व थाने में शिकायत की, लेकिन कार्रवाई करने के बजाय पुलिस ने उन्हें टरका दिया। वहीं रविवार दोपहर एक बार फिर किशोरी न्याय की आस में अपनी मां के साथ ग्वालटोली थाने गईं थी। इस दौरान साहिल अपनी बहन कोमल के साथ घर आ धमका और वृद्ध के सिर व मुंह पर ताबड़तोड़ कढ़ाई से प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया। मामले में मृतका की पत्नी ने आरोपित साहिल, उसकी मां राधा, बहन कोमल व भाई करन के खिलाफ रिपोर्ट कराई थी। मामले में लापरवाही बरतने पर खलासी लाइन चौकी प्रभारी शुभम सिंह को निलंबित कर दिया गया था। उधर, पुलिस ने सोमवार को तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। ग्वालटोली थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित साहिल, कोमल व राधा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। करन की तलाश की जा रही है।

तमंचा दिखाकर डराता धमकाता था साहिल

- किशोरी के मुताबिक आरोपित साहिल जबरन बात करने का दबाव बनाता था। शिकायत पर उसके घर वाले उल्टा उसका साथ देते थे। यही नहीं कई बार तो उसने तमंचा दिखाकर डराया-धमकाया कि बात करो नहीं तो अंजाम बुरा होगा। इसके बाद से किशोरी काफी डर-सहम गई थी।

सजारी से गंगा बैराज तक चलेंगी बसें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

बैठक में शामिल मंडलायुक्त, जिलाधिकारी आदि। अमृत विचार

अमृत विचार। सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले 9 वाहनों के परमिट निरस्त कर दिये गये हैं। कई अहम फैसले भी लिये गये हैं।

सोमवार को आयुक्त, कानपुर मंडल के. विजेंद्र पाण्डियन की अध्यक्षता में संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक हुई जिसमें जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, उप परिवहन आयुक्त आरआर सोनी, संभागीय परिवहन अधिकारी राकेंद्र कुमार सिंह प्रमुख रूप से शामिल हुए। मंडलायुक्त द्वारा एजेंडे में शामिल सभी बिंदुओं पर आवेदक एवं मोटर आपरेटर्स की समस्याओं को सुनने के बाद ये निर्णय लिया गया।

ट्रैफिक नियमों को रौंदने वाले 9 वाहनों के परमिट निरस्त

- सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक में कई अहम फैसले
- कानपुर महानगर बस सेवा मार्ग संख्या 16 कम्पनी बाग से सजारी के मार्ग को कम्पनी बाग से गंगा बैराज तक मार्ग वृद्धि के प्रस्ताव पर विचार कर निर्णय लिया गया।
- उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड कानपुर द्वारा प्रस्तावित नये मार्गों के सृजन के सम्बन्ध में विचार कर निर्णय लिया गया।
- कैरेज बाई रोड एक्ट 2007 के अन्तर्गत कामन कैरियर के अन्तर्गत 1 नया पंजीकरण एवं 7 नवीनीकरण के आवेदन पर निर्णय लिया गया।
- परमिटों की आवश्यक शर्तें निर्धारित हैं। जिनके उल्लंघन की दशा में परमिट शर्त उल्लंघन के विरुद्ध धारा 86 के अन्तर्गत 9 परमिटों को निरस्त किया गया।

युवतियों से छेड़खानी, स्कूटी में टक्कर मार गिराया

कार्यालय संवाददाता,कानपुर

- बीच सड़क दबंगई, कपड़े खींचे जान से मारने की धमकी, एक गिरफ्तार, दो फरार

अमृत विचार। पुलिस की लाख सख्ती के बावजूद भी शोहदे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। रविवार रात नौबस्ता क्षेत्र में स्कूटी से घर लौट रही तीन युवतियों के साथ कार सवार युवकों ने छेड़खानी की। विरोध करने पर स्कूटी में टक्कर मारकर गिराया। इसके बाद मारपीट की और जबरन कार में घसीटने की कोशिश की। जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर लोग जुटे तो आरोपी भाग निकले। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दो फरार हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक तीनों युवतियां एक फर्म में काम करती हैं और काम के बाद स्कूटी से लौट रही थीं। यशोदनगर के धनुष चौराहे पर पीछे से आए वैगनआर सवार युवकों ने अश्लील फब्तियां कसीं। जिसे युवतियों ने अनदेखा किया तो आरोपी पीछा करते रहे। फिर किदवई नगर हाईवे पर पेट्रोल पंप के पास रास्ता रोक लिया। गाली-गलौज की और छेड़खानी शुरू कर दी। विरोध करने पर स्कूटी में टक्कर मार दी। तीनों सड़क पर गिर गईं। इसके बाद मारपीट की गई और कपड़े खींचने का भी प्रयास किया गया लेकिन राहगीरों के जुटते ही आरोपी भाग निकले। सूचना पर पुलिस ने कार नंबर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की।नौबस्ता थानाप्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि कार सवार आरोपितों की पहचान हो गई है। घटना के वक्त कार में बाबानगर निवासी अनुराग दीक्षित, नारायणपुरी खाड़ेपुर निवासी प्रतीक यादव और गुजैनी का अपरिचित शुक्ला सवार था। कार गुजैनी निवासी अर्पित की बताई जा रही है। अपरिचित शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य दोनों आरोपितों की तलाश की जा रही है।

छात्रा से छेड़छाड़ में सगे भाइयों पर केस दर्ज

- **कानपुर।** बाबूपुरवा थाना क्षेत्र के रहने वाली एक महिला ने दो सगे भाइयों पर शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि दोनों युवक उनकी कक्षा आठ में पढ़ने वाली बेटी संग छेड़छाड़ करते हैं। आरोपियों ने उनको जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस आयुक्त के आदेश पर दर्ज की गई रिपोर्ट की पुलिस पड़ताल कर रही है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार की 15 साल की बेटी इलाके के एक स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा है। आरोप है कि इलाके के रहने वाले रईस और उसका भाई अकील अक्सर उनकी बेटी से छेड़खानी करते हैं। 18 जनवरी की रात करीब आठ बजे गली में मौजूद रईस ने बेटी को खींच लिया और अश्लीलता की। बेटी के शोर मचाने पर लोगों को आता देख आरोपी मौके से भाग निकले। शिकायत उन्होंने बाबूपुरवा पुलिस से किया लेकिन पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए। आरोपियों ने 23 मार्च को रात करीब तीन बजे उनके घर का दरवाजा खोलने की कोशिश कर डाली। इसका वीडियो भी उनके पास मौजूद है। थाने में शिकायत पर सुनवाई न होने पर पुलिस कमिश्नर से मदद की गुहार लगाई। कमिश्नर के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। बाबूपुरवा इंस्पेक्टर अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपों की जांच की जा रही है।

बारातियों की बस ट्रक से भिड़कर गड्ढे में पलटी, 15 घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

टक्कर से ट्रक चकनाचूर हो गया। अमृत विचार

अमृत विचार। बिधनू क्षेत्र में रविवार देर रात बारातियों से भरी बस की सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। उसी दौरान पीछे से आ रहा गिट्टी लदा डंपर भी बस में घुस गया। जिससे बस अनियंत्रित होकर खड्ड में पलट गई । हादसे में एक महिला बाराती का दाहिना हाथ कट गया जबकि चालक-परिचालक समेत 15 लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां से महिला समेत नौ लोगों को एलएलआर अस्पताल रेफर किया गया।

नवाबगंज के पत्थर कॉलेज स्थित सैय्यद बाबा मजार निवासी पीर अली के बेटे मो. युनूस की बारात

- नशे में बस दौड़ाने का आरोप, खड्ड में पलटने से मची चीख-पुकार

घाटमपुर गई थी। वहां से वापसी के दौरान देर रात करीब 60 बारातियों को लेकर प्राइवेट कॉलेज की बस नवाबगंज लौट रही थी। तभी रास्ते में बिधनू के शम्भुआ पुल के पास सामने से आ रहे ट्रक से बस की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस और ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसी दौरान पीछे से आ रहा डंपर बस में घुस गया और बस समेत खड्ड में पलट गया। हादसे के बाद बस में सवार बारातियों में चीख-पुकार मच गई। लोगों की भीड़ जुट गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल भेजा । थानाप्रभारी तेज बहादुर सिंह के मुताबिक दूल्हे की मौसी अफसाना का दाहिना हाथ बस के नीचे दबकर कट गया। वहीं चालक कमल सिंह समेत कई बाराती घायल हुए। गंभीर रूप से घायल अफसाना, उनकी बेटी अलिशा, शाहीन, जावेद, कमल, डंपर चालक दीपू यादव, भोलाशंकर और अशोक को एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

चालक-परिचालक पर बारातियों से विवाद के बाद नशेबाजी करने का आरोप

- हादसे में घायलों ने बताया कि घाटमपुर में बस चालक और परिचालक से बारातियों का विवाद हो गया था, जिसके बाद दोनों बस छोड़कर चले गए थे। करीब दो घंटे बाद लौटे तो दोनों शराब के नशे में थे। बारातियों ने उन्हें बस चलाने से रोका लेकिन चालक नहीं माना और तेज रफ्तार में बस दौड़ाता रहा। रास्तेभर लोगों के टोकने के बावजूद लापरवाही जारी रही और अंतत: हादसा हो गया। पुलिस का कहना है कि बारातियों से पूछताछ में यह बात सामने आई है, तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल किसी पक्ष से लिखित शिकायत नहीं मिली है।

मोबाइल को लेकर डांटा तो फांसी लगा जान दी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविंद नगर में बड़े भाई ने मोबाइल को लेकर छोटे भाई को डांट दिया। जिस बात से क्षुब्ध हो कर युवक ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

मूलरूप से सुल्तानपुर के अरशफपुर निवासी 21 वर्षीय अक्षय यादव बावर्ची थे। वह बीते कई सालों से पराग दूध डेयरी कैंपस कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। परिवार में राहुल व निखिल है। परिजन ने बताया कि अक्षय फास्टफूड की दुकान में बावर्ची का काम करता था। बीते दिसंबर माह में उसने 50 हजार रुपये का मोबाइल लिया था। करीब दो माह पहले नौकरी छूटने के कारण वह किस्त नहीं दे पाने के कारण मानसिक तनाव में चल रहा था। जिस कारण उसने सोमवार सुबह फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं पुलिस ने बताया कि युवक मोबाइल देख रहा था। इस दौरान उसके बड़े भाई ने डांट दिया कि दिनभर मोबाइल देखते रहते हो। कोई काम कर लिया करो। जिसके बाद उसने अपने कमरे में जाकर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। गोविंद नगर थाना प्रभारी ने बताया कि भाई की डांट से क्षुब्ध होकर युवक ने आत्महत्या की है।

जरा ध्यान दें

कानपुर से लखनऊ तक जाने वाले दैनिक यात्रियों के लिए मुसीबत बढ़ेगी

ट्रैक मरम्मत : 2 अप्रैल से 42 दिनों तक ट्रेनों की मुसीबत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गंगा पुल पर ट्रैक की मरम्मत करने के लिए 2 अप्रैल 2026 से 42 दिनों तक रेलवे ट्रेनों के संचालन को लेकर मेगा ब्लाक लेने जा रहा है। जिससे लाखों यात्रियों के सामने संसाधन की बड़ी मुसीबत खड़ी होने वाली है क्योंकि प्रतिदिन लखनऊ रेलमार्ग पर 8 घंटे का ब्लाक लिया जाएगा। कानपुर और लखनऊ के मध्य 15 हजार से अधिक दैनिक यात्रियों का आवागमन है, इसके अलावा लगभग 50 हजार यात्रियों का आना जाना है। लखनऊ रेलमार्ग पर 150 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है लेकिन 2 अप्रैल से 13 मई 2026 तक कई ट्रेनें निरस्त रहेंगी और कई ट्रेनों के बदले हुए रुट से चलाया जायेगा। वीआईपी ट्रेनों जैसे स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, वंदेभारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें भी बदले हुए रूट से चलायी जाएंगी।

झांसी-लखनऊ मेमू 2 अप्रैल से 13 मई तक रद्द

- **कानपुर।** गंगा पुल के पास मेगा ब्लाक लिया जाएगा। इस कारण कई गाड़ियां रद्द रहेंगी। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि गाड़ी संख्या 64701 एवं गाड़ी संख्या 64702 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से लखनऊ के मध्य चलने वाली मेमू ट्रेन 2 अप्रैल से 13 मई तक रद्द रहेगी।

इन गाड़ियों का रूट बदलेगा

- गाड़ी संख्या 11080 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस 4 अप्रैल से 11 अप्रैल तक बदले रूट मल्हौर, ऐशबाग, मानक नगर होकर संचालित की जाएगी।
- गाड़ी संख्या 19168 बनारस-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस 5 से 7 अप्रैल एवं 9 व 10 अप्रैल को परिवर्तित मार्ग मल्हौर, ऐशबाग, मानक नगर होकर चलेगी।
- गाड़ी संख्या 19166 डिब्रूगढ़-अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस 4, 6, 8 11 अप्रैल 2026 को बदले हुए रूट मल्हौर, ऐशबाग, मानक नगर होकर संचालित की जाएगी।
- गाड़ी संख्या 11123 ग्वालियर-बरौनी मेल एक्सप्रेस 4 से 11 अप्रैल 2026 तक बदले रूट मल्हौर, ऐशबाग, मानक नगर होकर चलेगी।
- गाड़ी संख्या 11124 बरौनी ग्वालियर मेल 3 से 10 अप्रैल 2026 तक परिवर्तित मार्ग मल्हौर, ऐशबाग, मानक नगर होकर चलेगी।

गोरखपुर जंक्शन पर मेगा ब्लाक, कई ट्रेनें होंगी प्रभावित

- **कानपुर।** गोरखपुर जंक्शन पर पुरानी पिट लाइन संख्या-2 को स्थायी रूप से हटाने के लिए गए मेगा ब्लॉक के कारण पूर्व सूचित ट्रेनों के आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन और अस्थायी विस्तार की अवधि में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है।

गाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण अथवा ओरिजिनेशन

- गाड़ी संख्या 01027 (दादर-गोरखपुर) 14 मई तक मऊ स्टेशन तक ही जाएगी और मऊ से गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 01028 (गोरखपुर-दादर)16 मई तक मऊ स्टेशन से ही चलेगी और गोरखपुर से मऊ के मध्य निरस्त रहेगी।

गाड़ियों का अस्थाई विस्तार

- गाड़ी संख्या 20103 (लोकमान्यतिलक टर्मिनल-गोरखपुर) 15 मई तक भटनी स्टेशन तक जाएगी।
- गाड़ी संख्या 20104 (गोरखपुर-लोकमान्यतिलक टर्मिनल) 17 .05 .26 तक भटनी स्टेशन से ही चलेगी।

एलिवेटेड ट्रैक का काम जुलाई से

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एलिवेटेड ट्रैक का शिलान्यास प्रधानमंत्री से कराने की तैयारी

अमृत विचार। फर्रुखाबाद रेलमार्ग पर अनवरगंज से मंधना तक 60 लाख लोगों को रेलवे क्रासिंगों पर लगने वाले जाम से राहत देने के लिए एलिवेटेड ट्रैक का निर्माण जुलाई से शुरू हो जाएगा। टेंडर की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल के अधिकारियों के मुताबिक टेंडर प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और अनवरगंज से मंधना तक एलिवेटेड ट्रैक का निर्माण जुलाई में शुरू हो जाएगा जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कराने की तैयारी है। भिवानी के बाद देश का ये सबसे लंबा एलिवेटेड ट्रैक होगा जो कानपुर के जाम को बड़ी राहत देगा।

बताते चलें कि फर्रुखाबाद रेलवे लाइन पर अनवरगंज से मंधना तक 16.25 किमी तक अपना शहर फैल चुका है। इस रेलवे लाइन पर 18 रेलवे क्रासिंग पड़ती हैं, इस रेल मार्ग से प्रतिदिन 70 से अधिक सवारी एवं मालगाड़ियां गुजरती हैं जिससे ये रेलवे क्रासिंग ज्यादातर बंद रहती हैं और भीषण जाम लगता है। इस जाम के कारण जीटी रोड , कालपी रोड भी बुरी तरह प्रभावित होता है लेकिन एलिवेटेड ट्रैक बनने के बाद जाम से राहत मिल जाएगी।

रावतपुर और कल्याणपुर स्टेशन खत्म कर दिया जाएगा विश्वविद्यालय के सामने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से नया रेलवे स्टेशन स्थापित किया जाएगा।

18 रेलवे क्रासिंग बंद होने से 60 लाख लोगों को मिलेगी राहत

अनवरगंज-मंधना एलिवेटेड ट्रैक की स्थिति

- एलिवेटेड ट्रैक निर्माण का शुरुआत जुलाई 2026
- ट्रैक निर्माण कार्य पूरा दिसंबर 2028
- फरुर्खाबाद रेलमार्ग पर दूरी 16 .25 किमी
- एलिवेटेड ट्रैक पर अनुमानित खर्च 115 करोड़
- अनवरगंज से मंधना तक 19 रेलवे क्रासिंग
- एलिवेटेड ट्रैक की ऊंचाई 18 फिट होगी
- जीटी रोड एवं कनेक्टिंग मार्गों पर प्रतिदिन यातायात 60 लाख
- एलिवेटेड ट्रैक के रास्ते में आने वाले 187 कब्जे हटेंगे

सिटी ब्रीफ

मकान का छज्जा गिरा चार जख्मी

कानपुर। बेकनगंज पानी की टंकी के पास अयूब का मकान है। यह मकान जर्जर हालत में है। इसमें छह किराएदार रहते हैं। सोमवार रात मकान का छज्जा अचानक गिर गया। उधर से गुजर रहे 50 वर्षीय तारिक, 40 वर्षीय रियाज समेत चार लोग जख्मी हो गए।

1 अप्रैल से संचारी रोग नियंत्रण अभियान

कानपुर। 1 से 30 अप्रैल तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा, जबकि 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान संचालित होगा। जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैयाघाट सभागार में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें सभी विभागों को मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए गए। डेंगू और मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में नियमित फील्ड मॉनिटरिंग, स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रचार सामग्री और विद्यालयों से समन्वय पर जोर दिया गया। नागरिकों से साफ-सफाई, मच्छरदानी उपयोग और पानी जमा न होने देने की अपील की गई।

भाजपा जिला संगठन में तीन नए पदाधिकारी

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी उत्तर नगर के जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने नई नियुक्तियां की हैं। राम कुमार सिंह को जिला सह कार्यालय मंत्री, राधा सैनी को जिला संयोजक (मानीटरिंग टीम) और मनोज अग्रवाल को मन की बात कार्यक्रम का जिला सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्थापना दिवस पर भाजपा घर-घर झंडा फहराएगी

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी (कानपुर उत्तर) के जिला कार्यालय में सोमवार को जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित की अध्यक्षता में बैठक हुई। 6 अप्रैल को भाजपा के 46वें स्थापना दिवस को प्रत्येक कार्यकर्ता अपने घर पर पार्टी का झंडा फहराएगा। जिला कार्यालयों को सजाया जाएगा। साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि आयोजन के लिए नवाब सिंह, पारस मदान और किरन तिवारी को संयोजक नियुक्त किया गया है। बैठक में अवधेश सोनकर, प्रमोद विश्वकर्मा सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

जेड स्क्वायर मॉल की सीवर लाइन की गई बंद

कानपुर। बड़ा चौराहा स्थित जेड स्क्वायर मॉल में सोमवार को जलकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मॉल पर करीब चार करोड़ रुपया जल व सीवर टैक्स बकाया जमा न करने पर सीवर लाइन बंद कर दी। इससे मॉल परिसर में हड़कंप मच गया। जलकल विभाग के अधिशाषी अभियंता (जोन-1) राज कुमार सिंह के मुताबिक विभाग द्वारा कई बार नोटिस देने के बाद भी मॉल प्रबंधन ने टैक्स नहीं जमा किया। इसलिए मॉल की सीवर लाइन को सील करने की कार्यवाही की गई है।

जहां शिव महापुराण कथा वहां समझो तीर्थ

कानपुर। काकादेव स्थित पुरानी बस्ती के मां दुर्गा मंदिर पार्क में भव्य कलश यात्रा के साथ शिव महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। कथावाचक आचार्य योगेश अवस्थी 'योगीराज महाराज' ने कहा कि जिस स्थान पर शिव महापुराण का आयोजन होता है, वह स्थान स्वतः तीर्थ बन जाता है। उन्होंने बताया कि यह पावन कथा मनुष्य को तीनों प्रकार के तापों से मुक्ति दिलाती है।

उप्र राज्य राजमार्ग प्राधिकरण ने निर्माण कार्य के लिए मांगी थी आरएफपी, आठ कंपनियों ने डाले थे टेंडर

सिकंदरा-चौडगरा फोरलेन के टेंडर खुले, प्रस्ताव कैबिनेट भेजे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कानपुर-इटावा हाईवे पर सिकंदरा से शुरू होकर प्रयागराज हाईवे के चौडगरा पर समाप्त होगा यह मार्ग
- कनेक्टिविटी बेहतर होने के साथ होगा क्षेत्र का आर्थिक विकास, तेजी से बढ़ेंगे आसपास क्षेत्रों में रोजगार के अवसर

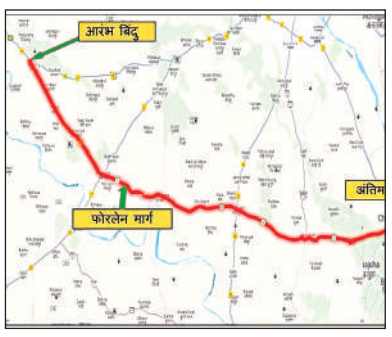

अभी संकरा रास्ता होने से लगता है जाम। प्रस्तावित विकास कार्य का नक्शा। अमृत विचार

अमृत विचार। सिकंदरा-भोगनीपुर-चौडगरा स्टेट हाईवे को फोरलेन में बदलने के लिए उप्र राज्य राजमार्ग प्राधिकरण ने कंपनियों से रिक्वेस्ट फॉर क्वालीफिकेशन मांगी थी। आठ कंपनियों ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया में भाग लिया। प्राधिकरण ने टेंडर खोलने के बाद सभी प्रस्तावों की तकनीकी और वित्तीय क्षमता का आकलन किया। इसके बाद प्रस्तावों को सूचीबद्ध करके कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा गया है। अब जिस कंपनी को तकनीकी मानक और वित्तीय लागत पर खरा पाया गया है, उससे काम शुरू करने के लिए आरएफपी यानि 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल' मांगा जाएगा।

सिकंदरा-भोगनीपुर-चौडगरा फोरलेन मार्ग इटावा-कानपुर हाईवे (एनएच-19) पर सिकंदरा से शुरू होकर कानपुर-प्रयागराज हाईवे के चौडगरा चौक पर समाप्त होगा। इसकी कुल लंबाई 110.390 किमी होगी। अभी यह पूरा मार्ग दो लेन का है। फोरलेन सड़क बनने से कानपुर नगर और देहात के लोगों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यातायात को रफ्तार मिलने से इस मार्ग के आसपास आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

लिए उप्र राज्य राजमार्ग प्राधिकरण के सिकंदरा से भोगनीपुर और घाटमपुर होते हुए चौडगरा तक स्टेट हाईवे को फोरलेन में बदलने के प्रस्ताव को प्रदेश सरकार ने बजट में मंजूरी प्रदान की थी। पहले भोगनीपुर-घाटमपुर से चौडगरा मार्ग जिसकी कुल 82.53 किलोमीटर थी, उसे ही फोरलेन किया जाना था, तब लागत 1136.44 करोड़ रुपये थी, बाद में लंबाई 27 किलोमीटर बढ़ने से अनुमानित लागत भी बढ़ गई है। इस फोरलेन का निर्माण प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप मॉडल पर किया जाएगा। डिजाइन विल्ड फाइनेंस आपरेट एंड ट्रांसफर मोड के तहत निर्माण एजेंसी को ही प्रोजेक्ट पर पूरी धनराशि खर्च करनी होगी। वह लागत और मुनाफा की वसूली टोल टैक्स से करेगी।

दो साल समय लगेगा, तीन जगह बनेंगे टोल प्लाजा

- इस मार्ग को फोरलेन बनाने में दो साल समय लगेगा। कुल तीन स्थानों पर टोल प्लाजा बनाए जाएंगे। फोरलेन मार्ग बन जाने से न सिर्फ क्षेत्रीय विकास होगा, बल्कि झांसी से आने वाले वाहन जिन्हें घाटमपुर, चौडगरा जाना है, आसानी से निकल जाएंगे

सिकंदरा-भोगनीपुर-चौडगरा स्टेट हाईवे को पीपीपी मॉडल पर फोरलेन बनाया जाना है। आरएफक्यू के लिए जिन कंपनियों के टेंडर आए थे, उनका तकनीकी और वित्तीय आकलन करने के बाद सभी प्रस्तावों को सूचीबद्ध करके कैबिनेट की मंजूरी के लिए अग्रसारित कर दिया गया है।

– अनिल मृगेंद्र, अधीक्षण अभियंता (परियोजना निदेशक-तकनीकी), उप्र राज्य राजमार्ग प्राधिकरण।

सिकंदरा से भोगनीपुर के बीच होगा भूमि अधिग्रहण

- प्राधिकरण ने सिकंदरा-भोगनीपुर स्टेट हाईवे-114 के साथ पुखरायां-घाटमपुर-बिंदकी स्टेट हाईवे-46 के लिए दो साल पहले फिजिबिलटी स्टडी कराई थी। इसके बाद सिकंदरा से भोगनीपुर के बीच भूमि अधिग्रहण के लिए किसानों और कारोबारियों की भूमि और भवनों को चिह्नित किया था। यहां 86 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है, जबकि भोगनीपुर से चौडगरा तक भूमि अधिग्रहण का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। इस पर तीन सौ करोड़ रुपये बजट खर्च किया गया है।

घाटमपुर और भोगनीपुर में बनेगा

- बाईपास, जहानाबाद पर विचार यह फोरलेन भोगनीपुर, घाटमपुर रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज से होकर गुजरेगा। घाटमपुर में 4.6 किलोमीटर लंबा बाईपास बनाया जाएगा। जहानाबाद में बाईपास बनाने को लेकर मंथन चल रहा है, जबकि घाटमपुर और भोगनीपुर में बाईपास बनाने का फैसला प्रोजेक्ट में शामिल है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिए लेटर। अमृत विचार

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मिले नियुक्ति पत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सरसौल में 3 केंद्र बनेंगे, पतारा ककवन और शिवराजपुर के भवनों का उद्घाटन

अमृत विचार। नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। सोमवार को लखनऊ में हुए कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विकास भवन में किया गया। यहां हुए कार्यक्रम में विधायक नीलिमा कटियार और राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने 4 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और 50 सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिले में अब तक 18 कार्यकत्रियों और 10 ग्रामीण परियोजनाओं के अंतर्गत 495 सहायिकाओं की चयन प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, शहरी परियोजनाओं (प्रथम व द्वितीय) में भर्ती की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी।

बाल विकास परियोजना कार्यालय पतारा, ककवन और शिवराजपुर के नवनिर्मित भवनों का उद्घाटन किया गया। साथ ही जिले में 80 नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का भी उद्घाटन हुआ। इसी के साथ कल्याणपुर और सरसौल परियोजनाओं के भवनों की नींव रखी गई। सरसौल में 3 नवीन डिजाइनयुक्त केंद्रों के निर्माण का शिलान्यास भी हुआ। नीलिमा कटियार ने नवनियुक्त सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सामाजिक और पारिवारिक संरचना को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अनीता गुप्ता ने कहा कि आंगनबाड़ी परियोजना से ही देश कुपोषण से बाहर निकल रहा है।

शिविर में मौजूद आयोजक। अमृत विचार

शिविर में जांचा स्वास्थ्य

कानपुर। मैकराबर्टगंज स्थित श्री द्वारिका प्रसाद भार्गव धर्मार्थ ट्रस्ट ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच, नेत्र व आपरेशन व दिव्यांगजन शिविर का आयोजन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल भार्गव, मंत्री गोविंद भार्गव व शिविर के संयोजक डॉ.आरआर भार्गव ने बताया कि शिविर में 386 लोगों को डॉक्टरों ने परामर्श दिया। नेत्र जांच व मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए परामर्श जेएल रोहतगी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने दिया। एल्मिको ने 27 दिव्यांगजनों को निशुल्क कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण के लिए चिन्हित किया। ट्रस्ट ने 20 लोगों को निशुल्क चश्मा वितरित किया। इस दौरान डॉ. डीसी गुप्ता, डॉ. एसके बरमानी, सर्जन डॉ.राजीव भार्गव, स्त्री एवं सामान्य स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ.शीतल अग्निहोत्री, ट्रस्ट के सभी ट्रस्टी योगी, पुनीत भार्गव, विक्रम भार्गव, ऋतु, अर्चना, अनीता, शिवानी, स्वतंत्र, हर्ष रहे।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग को 92 फीसदी अंक

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के कॉलेज ऑफ नर्सिंग को आधिकारिक परिणाम झपीगो से प्राप्त आधिकारिक सूचना के अनुसार मिशन निरामय के तहत मेंटरशिप प्रोग्राम के छठवें फिजिकल वैलिडेशन में 92 फीसदी अंक प्राप्त हुए, जबकि बीते वर्ष कॉलेज को 87 फीसदी अंक हासिल हुए थे। कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य प्रो. सुभाष शर्मा ने बताया कि यह उपलब्धि संस्थान की गुणवत्ता सुधार, व्यवस्थित सुधार और तय किए गए कार्य योजना के साथ तालमेल के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग परिसर में मौजूद प्राचार्य प्रो .सुभाष शर्मा व प्रोफेसर।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पूजन कल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जानकारी देते आयोजक। अमृत विचार

अमृत विचार। आर्ट ऑफ लिविंग कानपुर चैप्टर की ओर से 1 अप्रैल को बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में सोमनाथ पूजा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर की ओर से सोमनाथ के पुनर्स्थापना के संकल्प से संबंधित यह कार्यक्रम आयोजित होगा।

यह जानकारी सोमवार को हरि गर्ल्स हॉस्टल में हुई वार्ता के दौरान दी गई। वार्ता के दौरान संस्था के मीडिया संयोजक पुनीत अवस्थी ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संस्था से जुड़े सदस्य व शहरी मौजद होंगे। वार्ता के दौरान आर्ट ऑफ लिविंग के मुख्य संयोजक और फर्रुखाबाद आश्रम के ट्रस्टी दीप गर्ग ने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर ने सोमनाथ के पुनर्स्थापना का संकल्प लिया है। इसी दिशा में पूरे देश में सोमनाथ जी की पूजा का आयोजन हो रहा है। शहर में यह आयोजन एक को होगा।

यह भी बताया गया कि आर्ट ऑफ़ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रवि शंकर ने सोमनाथ मंदिर में प्राचीन खंडित शिवलिंग की पुनर्स्थापना की पहल की है। 1026 ईसवीं में महमूद गज़नी द्वारा आक्रमण कर इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। इसके बाद मूल ज्योतिर्लिंग के अवशेष जो 1 हजार वर्षों से पुजारियों द्वारा संरक्षित थे, उनको अब पुनर्स्थापित किया जाएगा। आयोजन के दौरान इस संकल्प को और अधिक भव्य बनाए जाने का आह्वान किया जाएगा।

शहर को मिल सकता आयोग और बोर्ड प्रमुख का पद

शैलेश अवस्थी,कानपुर

- मंडल, जिला कमेटियों के गठन और पार्षदों के मनोनयन के बाद छूटे कार्यकर्ताओं का समायोजन
- नेताओं को भी महत्वपूर्ण ओहदे देने की कवायद, शहर से मंत्री नहीं तो मंत्री का दर्जा दिया जाएगा

अमृत विचार। भाजपा में मंडल और जिला कमेटियों का गठन होने के बाद अब आयोगों और बोर्डो के खाली पदों पर नेताओं और कार्यकर्ताओं को समायोजित करने की कवायद अंतिम पड़ाव पर पहुंच रही है। जल्दी ही होने वाली इन नियुक्तियों में शहर को एक दर्जा प्राप्त मंत्री और किसी बोर्ड के प्रमुख का पद मिल सकता है। अगले साल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसे देखते हुए माना जा रहा है कि जिन निष्ठावान कार्यकर्ताओं या नेताओं को संगठन में नहीं मिल पाई है, उन्हें निगम, बोर्ड और आयोगों में समायोजित किया जाएगा। इसमें वोट बैंक साधने के लिए सामाजिक समीकरणों को तरजीह दी जाएगी। नियुक्तियों की संख्या 50 से अधिक हो सकती है। संकेत हैं कि इस संबंध में अंतिम सूची जारी करने से पहले दिल्ली में बैठक की जा सकती है।

राज्य खाद्य, अल्पसंख्यक, सूचना और पिछड़ा वर्ग जैसे अलग-अलग आयोगों, बोर्डों तथा निगमों में अरसे से खाली पदों को भरा जाना है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि अब प्रदेश के हर जिले से एक मंत्री पद देने पर विचार किया जा रहा है। मंत्री नहीं तो किसी आयोग या बोर्ड का चेयरमैन बनाकर मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है। आयोग और बोर्ड चेयरमैन वरिष्ठ नेता को बनाया जाएगा और इनके सदस्य कॉडर के कार्यकर्ताओं को बनाने का फैसला हुआ है। इसके लिए जिलों से नाम भेजे गए हैं, अभी कुछ और नाम भेजे जा सकते हैं। चयन में क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ पार्टी सांसदों और विधायकों की भी सिफारिश पर गौर किया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि यदि क्षेत्रीय अध्यक्षों को बदला जाएगा तो उनमें से एक-दो प्रभावशाली क्षेत्रीय अध्यक्षों को आयोग का चेयरमैन बनाकर राज्य मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है और इसमें कानपुर का भी नाम हो सकता है। हालांकि ऐसा देखने को मिला है कि जिस जिले से विधानसभा अध्यक्ष होता है, वहां से भाजपा मंत्री नहीं बनाती है, लेकिन यह कोई जरूरी नियम नहीं है। वैसे भी कानपुर देहात से तीन मंत्री हैं और शहर से एक भी नहीं है। पिछले कार्यकाल में कानपुर से सत्यदेव पचौरी और सतीश महाना कैबिनेट मंत्री थे, अब शहर मंत्री विहीन है। सूत्र बताते हैं कि देहात से एक मंत्री हटाया जा सकता है और ऐसे में कानपुर शहर का नंबर आ सकता है। यहां से मंत्री नहीं तो दर्ज़ा प्राप्त मंत्री तो जरूर बनाया जा सकता है। इसे लेकर सुरेंद्र मैथानी और महेश त्रिवेदी की चर्चा गर्म है। आयोगों और बोर्डो में जातीय संतुलन साधा जाएगा। कानपुर से कई दावेदार हैं। दूसरे दल से आए एक नेता को आयोग या बोर्ड में समायोजित किया जा सकता है, लेकिन तब विधानसभा चुनाव में उनकी दावेदारी खटाई में पड़ सकती है। आयोगों और बोर्डो में सेट होने के लिए नेताओं ने अपने आकाओं को सेट करने की कोशिश और तेज कर दी है।

मानक व नियमों का पालन नहीं हुआः उपाध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कल्याणपुर क्षेत्र के गोवा गार्डन स्थित अपार्टमेंट में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दो कर्मियों की मौत के मामले को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल कानपुर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी। उपाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही आयोग ने जिला प्रशासन को पत्र जारी कर संज्ञान लिया था। मौके पर समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि हाथ से मैला उठाने की प्रथा को प्रतिबंध किए जाने के बाद भी नियमों का व मानकों का पालन नहीं किया गया। आवश्यक सुरक्षा उपकरणों और मशीनों का उपयोग न होना गंभीर लापरवाही माना गया है। इसी आधार पर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि मृतकों के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाए।

शेयर बाजार

शेयर बाजार में निवेशक बड़े फैसलों से पहले सतर्क, रुपये की गिरावट से भी चिंता

निवेशकों के पोर्टफोलियो में 1800 करोड़ की चपत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वित्त वर्ष 2025-26 का आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही पश्चिम एशिया युद्ध के कारण ग्रोथ और महंगाई को लेकर निवेशकों की चिंता और बढ़ गई। चौतरफा बिकवाली के चलते दिन भर में शहर के निवेशकों के शेयर बाजार तथा इस पर आधारित योजनाओं में निवेशित पूंजी में करीब 1800 करोड़ रुपये की कमी आने का अनुमान लगाया गया। सोमवार को निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर और सेंसेक्स 1,635.67 अंक टूटकर 71,947.55 पर बंद हुआ। लगातार दूसरे दिन सेंसेक्स में 1600 अंकों से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। इससे 27 मार्च को सेंसेक्स 1690 अंक वहीं निफ्टी 487 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ था। सोमवार को बाजार की शुरुआत कमजोर रही और दबाव पूरे दिन बना रहा।

निवेशक किसी बड़े फैसले से पहले सतर्क नजर आए। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में तेज गिरावट देखने को मिली, तो दिग्गज शेयरों ने भी बाजार को नीचे खींचने में अहम भूमिका निभाई। इस बीच रुपये की कमजोरी ने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी। रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर के पार निकल गया, जो बाजार के लिए नकारात्मक संकेत माना गया। ग्लोबल शेयर बाजार से भी अच्छे संकेत नहीं मिले। अमेरिका समेत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार पहले ही दबाव में बंद हुए थे, जिसका असर एशियाई और भारतीय बाजार पर साफ दिखा। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और मिडिल ईस्ट में युद्ध तेज होने की आशंका से निवेशक जोखिम लेने से बचते दिखे। विदेशी निवेशकों की रिकॉर्ड बिकवाली ने भी बाजार का सेंटीमेंट कमजोर बनाए रखा।

कोविड के बाद बड़ी गिरावट लेकिन अभी उतार-चढ़ाव बना रहेगा

- मार्च महीने में सेंसेक्स और निफ्टी 10% से ज्यादा गिरे हैं। शेयर बाजार में मार्च 2020 में कोविड-19 के कारण आई गिरावट के बाद यह दूसरा सबसे खराब महीना है। मंगलवार, 31 मार्च को महावीर जयंती पर बाजार बंद रहेगा। शेयर बाजार विशेषज्ञ राजीव सिंह का कहना है कि जब तक अमेरिका-ईरान संघर्ष की स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक निवेशकों की सतर्कता और बाजार की उतार-चढ़ाव भरी चाल जारी रह सकती है।

सिलेंडर की अर्थी निकाल प्रदर्शन

कानपुर। गैस की किल्लत को लेकर कानपुर महानगर कांग्रेस ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में तथा एआईसीसी सदस्य जे.पी. पाल के संयोजन में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर की प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया।

दादानगर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित स्टेट बैंक चौराहे से ममता गैस एजेंसी तक निकाली गई पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने गैस किल्लत, मूल्यवृद्धि और लंबी कतारों के विरोध में जमकर नारेबाजी की।

"नरेंद्र मोदी मस्त है, जनता लाइन में त्रस्त है" जैसे नारों से प्रदर्शन गूंज उठा। एजेंसी पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने लाइन में लगे लोगों को ठंडा पानी वितरित किया।

मेहमान घटे, मस्जिदों में हो रहे निकाह

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। रमजान-उल-मुबारक खत्म होते ही मुस्लिमों में शादी सहालग की धूम है लेकिन इस खुशी में गैस सिलेंडर आड़े आ गया है। जिससे वर वधू दोनों पक्ष के लोग परेशान हैं, एक तरफ बारातियों की संख्या सैकड़ों से दर्जनों में सिमट गई है तो वलीमा में भी चुनिंदा लोगों को ही दावत दी जा रही है। ऐसे में उलेमा भी पीछे नहीं हैं और उन्होंने भी निकाह को आसान बनाने का अभियान शुरू कर दिया है।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के मध्य चल रहे भीषण युद्ध के बाद गैस सिलेंडर को लेकर मारामारी की नौबत है। मुसलिमों में हजारों शादियां हैं लेकिन इस शादी में सबसे बड़ा रोड़ा बन गया है गैस सिलेंडर। तमाम प्रयास के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। ऐसे में लड़की एवं लड़का पक्ष के लोग मिल बैठकर मेहमानों की संख्या में कमी करने पर सहमति जता रहे हैं।

काजी पहले से चला रहे निकाह आसान करने का अभियान

- पिछले कई दशक से काजी ये ऐलान कर रहे हैं कि नाच गाना, बैंड बाजा वाली बारात में निकाह नहीं पढ़ाएंगे लेकिन इसमें बहुत अधिक सफलता उलेमा को नहीं मिल पाई। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी पिछले 10 वर्षों से निकाह को आसान बनाने का अभियान छेड़े है, यहां तक कि बोर्ड ने निकाहनामा में भी कई शर्ते जुड़वा दी लेकिन उसके बाद भी शादी समारोह में बारातियों की संख्या में कोई कमी नहीं आई और नाच गाना बदस्तूर जारी रहा लेकिन अब गैस सिलेंडर की दिक्कत के चलते लड़की और लड़के वालों ने अपने मेहमान घटा दिये हैं और कोशिश ये हो रही है कि मस्जिद में ही निकाह की रस्म पूरी की जाए।

निकाह को आसान बनाएं, नाच गाना गुनाह-ए-कबीरा

- शहरकाजी मौलाना हाफिज अब्दुल कुद्दूस हादी ने कहा शादी की रस्म बहुत ही सादगी के साथ होना चाहिए। शादी समारोह में मेहमानों की बहुत ज्यादा भीड़ नहीं होना चाहिए, जितने मेहमानों की खिदमत कर पाएं, उतना ही मेहमान बुलाना चाहिए। अब लोग फिजूल खर्ची से बच रहे हैं और मस्जिद में निकाह करने वाले नौजवानों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है जो अच्छा संकेत है। उलेमा भी मस्जिद में निकाह करने के फार्मूले को बढ़ावा देने के लिए मुहिम चला रहे हैं।

सिटी ब्रीफ

हैदराबाद फ्लाइट अब सुबह 10.30 बजे

कानपुर। कानपुर हैदराबाद के मध्य उड़ान भरने वाली फ्लाइट के समय में परिवर्तन किया गया है। ये फ्लाइट पहले दोपहर 12 .37 बजे आती थी और दोपहर 1 .13 बजे उड़ान भरती थी लेकिन अब इस फ्लाइट का समय सोमवार से बदल गया है। ये फ्लाइट अब सुबह 10 .30 बजे कानपुर आएगी और सुबह 11 .23 बजे हैदराबाद के लिए उड़ान भरेगी। सोमवार को हैदराबाद से कानपुर सुबह 10 .30 बजे आई फ्लाइट में मात्र 70 ही कानपुर आये जबकि सुबह 11 .23 बजे 191 यात्रियों ने हैदराबाद के लिए उड़ान भरा। इसी प्रकार दिल्ली की फ्लाइट में यात्रियों की संख्या में भारी कमी आई है। सोमवार को दिल्ली से मात्र 174 यात्री कानपुर आये और 178 यात्री दिल्ली के लिए रवाना हुए। बेंगलुरु की फ्लाइट में 174 यात्री आये।

कार्यकाल बढ़ा

कानपुर। उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलाजी इंस्टीट्यूट (यूपीटीटीआई) के निदेशक डॉ. जी. नलनकिल्ली का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। उनका कार्यकाल आठ अप्रैल को समाप्त हो रहा था। प्राविधिक शिक्षा परिषद की ओर से इस संबंध में निर्देश जारी किए गए है। संस्थान के नए निदेशक की नियुक्ति के लिए 20 फरवरी को विज्ञापन जारी किया गया था। जिसकी अवधि 20 मार्च को समाप्त हो चुकी है। विभाग ने बीते पांच सालों में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए उनका कार्यकाल अगले पांच साल के लिए बढ़ाया है। पिछले पांच वर्षों में डॉ.. जी. नलनकिल्ली के नेतृत्व में संस्थान ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

सलमान को पद

कानपुर। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष कुलदीप कुमार ने बताया कि सलमान कुरैशी जिला उपाध्यक्ष, संजय संखवार एवं जीवन लाला भारती को जिला कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किये गये हैं।

भगवान महावीर का रथ खींचते श्रद्धालु। अमृत विचार

रथयात्रा में नाचते-गाते चलीं महिलाएं। अमृत विचार

जियो और जीने दो के संदेश संग निकली रथयात्रा

भगवान महावीर स्वामी के भव्य जन्मकल्याणक महोत्सव पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याण महोत्सव पर शहर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में सुबह अभिषेक व शांतिधारा के उपरांत रथयात्रा निकाली गई जो विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। संध्या के समय मोतीझील में मेले का आयोजन किया गया। महोत्सव पर भगवान महावीर के संदेशों की गूंज रही। सत्य, अंहिसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य के पंचशील सिद्धांतों से भक्तों को परिचित कराया गया। साथ ही जियो और जीने दो का संदेश भी यात्रा में गूंजा।

सुबह रथयात्रा का शुभारंभ महापौर प्रमिला पांडे ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह यात्रा नयागंज, किराना बाजार, हालसी रोड, अहिंसा चौक, मूलगंज, मेस्टन रोड, बड़ा चौराहा, फूलबाग और कराची खाना होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। इस दौरान भगवान महावीर स्वामी का रथ खींचने के लिए श्रद्धालुओं में होड़ लगी रही। भगवान की महिमा के गीत और मंत्रों के स्वर वातावरण में गूंजते रहे। मंदिर में सुबह पूजन अर्चन हुआ। अभिषेक और शांतिधारा के साथ ही भगवान के दर्शन कर भक्त निहाल हो गए। संध्या काल में आयोजित मेले में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया। सील चंद्र जैन को जैन चक्र सम्मान से सम्मानित किया गया इस अवसर पर विधायक नीलिमा कटियार, अमिताभ बाजपेयी, गुरु सिंह सभा अध्यक्ष के हरविंदर सिंह, मंदिर के सभापति हेम जैन, महामंत्री अमित जैन, मुख्य संयोजक अनिल कुमार जैन, महेंद्र कटारिया, संजीव जैन नेता जी, अनूप जैन, अमोद जैन, अरुल जैन, चिराग जैन, अंशु जैन, ज्ञानेन्द्र विश्नोई आदि रहे।

स्वर्ण रथ पर विराजे प्रभु। अमृत विचार

भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाएं

- भगवान महावीर स्वामी जीवन दर्शन महोत्सव में उग्र विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों को अपनाकर जीवन को सरल, अध्यात्मिक और संयमित बनाएं। उन्होंने भगवान महावीर स्वामी के जियो और जीने दो के सिद्धांत की चर्चा की। जिलाधिकारी ने भी भगवान महावीर के दर्शन का उल्लेख किया। पंडित कमलेश की प्रभावशाली पंक्तियों ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया।

- मोतीझील में सजा श्रद्धा का मेला दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर से निकाली गई रथयात्रा

सीएसजेएमयू में बीए ऑनर्स इतिहास कोर्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विवि परिसर में पहली बार शुरू हो रहा है यह कोर्स

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज़ द्वारा शैक्षणिक सत्र से बीए (ऑनर्स) इतिहास पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया अप्रैल से प्रारम्भ होगी।

विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किया गया यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा (प्रारम्भिक एवं मुख्य), राज्य लोक सेवा आयोग, सीडीएस, एनडीए, यूपीएसएसएससी पीईटी तथा यूजीसी नेट, जेआरएफ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखकर संरचित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों में उत्तर लेखन कौशल एवं विश्लेषणात्मक सोच के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जो उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है। ऑनर्स पाठ्यक्रम होने के कारण इसमें इतिहास विषय का गहन अध्ययन कराया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को सिविल सेवा, शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में सुदृढ़ आधार प्राप्त होगा। साथ ही, सम सेमेस्टर में इंटरडिसिप्लिनरी कोर्सेज भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों का बहुआयामी विकास सुनिश्चित हो सके। स्कूल की निदेशक डॉ किरन झा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस कोर्स के लिए कुल 30 विद्यार्थियों का चयनित प्रवेश निर्धारित किया है, जिससे प्रत्येक छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

सीएसजेएमयू में समारोह में मौजूद छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

डिग्री से पहले मिला ऑफर लेटर

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट में युवाओं को डिग्री से पहले ही ऑफर लेटर जारी हुए। स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट के निदेशक सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि यह उपलब्धि न केवल संस्थान के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह दर्शाती है कि छात्रों को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप कुशलता से प्रशिक्षित किया जा रहा है। संस्थान के विद्यार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित एवं लग्ज़री होटल एवं फूड ब्रांड्स में हुआ है। सभी प्रतिष्ठानों में छात्रों को मैनेजमेंट ट्रेनी तथा एसोसिएट स्तर की महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए चयनित किया गया है। इन नियुक्तियों के माध्यम से छात्रों को भारत के विभिन्न महानगरों एवं प्रमुख शहरों में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

गोल्डी इलेवन ने जीती रमा मिश्रा ट्राफी

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। टीएसएच ग्राउंड पर खेले गए द्वितीय रमा मिश्रा यूपी चैलेंजर ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में गोल्डी इलेवन ने जेके मैक्स इलेवन को 25 रनों से हराकर खिताब जीता। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी जेके मैक्स इलेवन के सामने गोल्डी इलेवन ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 165 रन बनाए। टीम की ओर से अनुज शर्मा (38 रन), राहुल कपूर (32 रन) और शादाब (30 रन), डॉ. हरित कुमार ने नाबाद 22 रन बनाएं। जेके मैक्स इलेवन के जिमी चक ने 18 रन खर्च कर 4 विकेट झटके।

जेके मैक्स इलेवन की टीम 17.4 ओवर में 140 रन पर ऑल आउट हो गई। मो. सैफ अहसन ने शानदार 50 , और जय वालीचा ने 32 रन बनाए। गोल्डी इलेवन के डॉ. हरित कुमार व अनुज शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। अभिषेक द्विवेदी ने 2 विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई। मैन ऑफ द मैच जेके मैक्स इलेवन के मो. सैफ और मैन ऑफ द टूर्नामेंट गोल्डी इलेवन के अनुज शर्मा को मिला। यूपीवीसीए से डॉ आईएम रोहतगी, गिरीश कपूर, संजीव पाठक, विजय दीक्षित, राजेश शर्मा, विवेक जॉन, गोपाल शर्मा, शशिकांत खांडेकर, विकास मिश्र, गौरव मिश्रा, उत्तम केसरवानी, अमिताभ गुप्ता, योगेश अग्रवाल, सुदीप गोयनका, एसएन सिंह, संजय तिवारी, कौशल सिंह रहे।

ट्राफी के साथ विजयी टीम। अमृत विचार

सीएसजेएमयू खो-खो प्रतियोगिता में बना विजेता

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की ओर से शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार को अन्तर-महाविद्यालयीय खो-खो महिला-पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन हेलिपैड ग्रांउड पर किया गया। पुरुष वर्ग में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कैम्पस विजेता व शिवपाल सिंह महाविद्यालय जसवंत नगर उपविजेता बना। तीसरे स्थान पर जनता महाविद्यालय अजीतमल रहा। इसी तरह महिला वर्ग में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कैम्पस विजेता बना। महिला महाविद्यालय कानपुर उपविजेता व जनता महाविद्यालय अजीतमल तीसरे स्थान पर रहा।

प्रतियोगिता की शुरुआत प्रो सुधांशु पांड्या, डायरेक्टर स्कूल ऑफ बिजनैस मैनेजमेंट व विभागाध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार यादव ने की। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय से संबद्ध 11 महाविद्यालयों के 165 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह में डॉ सोहिल रजा (क्रीड़ा प्रभारी) पीपीएन कॉलेज, क्रीड़ा सचिव डॉ निमिषा सिंह कुशवाहा , विभागाध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार यादव एवं डॉ प्रभाकर पांडे जी द्वारा विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी दी।

यूआईईटी, सीएसजेएमयू और आईआईटी में एमओयू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- इस एमओयू से शोध व नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

अमृत विचार। तकनीकी शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में पहल करते हुए आईआईटी कानपुर और यूआईईटी, सीएसजेएम विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता साइन हुआ। इस समझौते के तहत दोनो संस्थानों के बीच शोध व नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

यह समझौता प्रो. अशोक डे, डीन अकादमिक, आईआईटी कानपुर व प्रो. बृष्टि मित्रा, डीन, अकादमिक, सीएसजेएम विश्वविद्यालय द्वारा साइन किया गया। इस अवसर पर डॉ. आलोक कुमार, निदेशक, यूआईईटी उपस्थित रहे। इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ाना है। इस एमओयू के तहत छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों को अनेक अवसर प्राप्त होंगे। यूआईईटी के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र आईआईटी कानपुर के प्रतिष्ठित समर रिसर्च इंटर्नशिप प्रोग्राम में भाग ले सकेंगे। समझौते के तहत यूआईईटी छात्रों को आईआईटी कानपुर में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के अवसर भी उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, दोनों संस्थानों के संकाय सदस्य एवं शोधार्थी आपसी सहमति से एक-दूसरे के संस्थानों में निर्धारित अवधि तक शोध कार्य कर सकेंगे। यह साझेदारी विभिन्न तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को गति देगी।

एमओयू के साथ प्रो. अशोक डे, व प्रो. बृष्टि मित्रा।

सिटी डायरी

मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। अमृत विचार

स्कूल को मिला अवार्ड

कानपुर। बचपन प्ले स्कूल, विकास नगर को 8वें मेस्ट्रो अवार्ड समारोह में 'स्टेलर स्कूल अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विद्यालय के निदेशक नितिन त्रिपाठी ने प्राप्त किया। यह पुरस्कार प्रख्यात भारतीय टेनिस खिलाड़ी शरथ कमल द्वारा हयात सेंट्रिक, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि को छात्रों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति समर्पण का परिणाम बताया।

मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

कानपुर। टैगोर बाल मंदिर बालिका इंटर कॉलेज, कैनाल रोड में सोमवार को वार्षिक परीक्षा फल वितरण समारोह किया गया। कार्यक्रम में कक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तथा सांत्वना पुरस्कार पाने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के डायरेक्टर सुशील गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि पूर्व आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल एवं सीमा अग्रवाल ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरित किए। अविका राठौर, आराधना सिंह, राधिका साहू, ऐश्वर्या वर्मा, काव्या शर्मा, राखी वर्मा, श्रेया कश्यप, सूरज गुप्ता, साक्षी गुप्ता, शताक्षी शर्मा, अविरल सिंह, गरबा राठौर सहित कई छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

मेडल के साथ बच्चे।

बच्चों ने नाटक का मंचन किया।

बच्चों को मिले मेडल

कानपुर। तिलक नगर स्थित लिटिल एन्जेल स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल वितरण एवं ग्रेजुएशन डे मनाया गया। इस दौरान अभिभावकों नू बच्चों का उत्साहवर्धन किया एवं मेधावी बच्चों को शुभकामनाएं दी। प्रधानाचार्या स्मिता अरोरा ने बच्चों का उत्कृष्ट परिणाम के लिए मेडल देकर सम्मानित किया।

बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

कानपुर। सनशाइन पब्लिक स्कूल केशवपुरम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सुरेन्द्र कुमार तिवारी, अपर शिक्षा निदेशक व सन्तोष कुमार राय, जिला विद्यालय निरीक्षक थे। बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। प्रबंधक द्वारा पिछले सत्र में हाईस्कूल में प्रथम आये छात्र-छात्राओं को 51 सौ रुपये धनराशि प्रदान की गई।

बच्चों को दिए गए पुरस्कार।

रीयूनियन में मौजूद पूर्व छात्र-छात्राएं।

स्कूल में मना ग्रेजुएशन डे

कानपुर। गौरव मेमोरियल इंटरनेशनल स्कूल में ग्रेजुएशन डे समारोह मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रबंध निदेशिका आरती कटियार, ऐकेडेमिक कोआर्डिनेटर अनिकेत तिवारी ने किया। इसके बाद विद्यालय के बच्चों के द्वारा सरस्वती वंदना हुई। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य, गीत और नाटक शामिल थे।

25 वर्षों बाद ताजा हुईं यादें

कानपुर। सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल के वर्ष 2001 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने स्कूल छोड़ने के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सिल्वर रीयूनियन का आयोजन किया। देश-विदेश से आए पूर्व छात्र एकत्रित हुए और अपने स्कूली दिनों की यादों को ताजा किया। सभी ने अपने दिवंगत शिक्षकों एवं सहपाठियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व छात्रों ने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिए गए संस्कार, अनुशासन और मूल्य आज भी उनके जीवन में प्रेरणा का स्रोत हैं।

मंथन

आईआईटी में शैक्षिक संस्थानों, विकास सहयोगियों, वित्तपोषण एजेंसियों की कार्यशाला

सहयोग और नवाचार से ग्रामीण विकास का संकल्प

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के अंतर्गत आईआईटी कानपुर में सोमवार को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में संस्थान से संबद्ध 17 से अधिक जिलों के 40 से अधिक संस्थानों ने भाग लेकर ग्रामीण शिक्षा को मजबूत बनाने, युवाओं में कौशल और आजीविका के साधन बढ़ाने पर मंथन किया। कार्यशाला में शैक्षणिक संस्थानों, विकास सहयोगियों, वित्तपोषण एजेंसियों तथा स्वयंसेवकों का फोकस इस बात पर रहा कि किस तरह शिक्षा जगत, संस्थानों और समुदायों के बीच सहयोग जमीनी स्तर पर बदलाव ला सकता है और नवाचार के माध्यम से ग्रामीण विकास की नई गाथा लिख सकता है।

आईआईटी में मौजूद अतिथि व स्टाफ। अमृत विचार

यूबीए के समन्वयक प्रो. संदीप सांगल ने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे गांव स्तर पर विद्यालयी शिक्षा से जुड़ें। सह-समन्वयक प्रो. सुधांशु एस सिंह ने स्थानीय चुनौतियों के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन पर जोर दिया। अनुसंधान एवं विकास के सह-अधिष्ठाता प्रो. राजा अंगमुथु ने ग्रामीण क्षेत्रों में आईआईटी के छात्रों की सहभागिता के माध्यम से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपनी परिकल्पना साझा की।

उन्नत भारत अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. वीरेंद्र के. विजय (आईआईटी दिल्ली) ने बताया कि ग्रामीण विद्यालयी शिक्षा में सुधार, कौशल विकास और स्थानीय अवसरों की उपलब्धता से गांवों से पलायन रोककर शहरी क्षेत्रों पर दबाव कम किया जा सकता है।

- प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, और आजीविका के साधनों से ही रुकेगा गांवों से पलायन

नाबार्ड के डीडीएम राहुल यादव, ने सहभागी संस्थानों को सक्रिय भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के ओम प्रकाश ने संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी। इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, सीएसजेएमयू और आईआईटी के संयुक्त प्रयास से पॉटरी पर भी कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें कुम्हारों और ललित कला के छात्रों ने भाग लिया। इस सहयोगात्मक पहल ने कारीगरों के लिए नए अवसर के द्वार खोले।

न्यूज ब्रीफ

डीसीएम की टक्कर से युवक की मौत

नवाबगंज, उन्नाव। सोहरामऊ कस्बे में रोड पार कर रहे युवक को डीसीएम ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार अश्वनी पुत्र माधव जी मिश्रा 36 वर्ष ग्राम मझरिया जिला देवरिया निवासी सोहरामऊ कस्बे में एक दुकान से सामान लेकर रोड पार कर रहा था। वह डिवाइडर से उतरा ही था कि कानपुर से लखनऊ जा रही डीसीएम ने उसे टक्कर मार दी। जिससे अश्वनी की मौके पर मौत हो गई।सूचना पर पहुंची सोहरामऊ पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

नमन तिवारी का नायब तहसीलदार में चयन

उन्नाव, अमृत विचार। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत संचालित अभ्युदय कोचिंग में पढ़ने वाले छात्र नमन तिवारी पुत्र अवधेश कुमार का चयन नायब तहसीलदार पद पर हुआ है। यह जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पांडे ने कहा कि 29 मार्च को यूपीपीएससी परीक्षा-2024 का अंतिम परिणाम घोषित हुआ है। नमन तिवारी का चयन नायब तहसीलदार पद पर हुआ है।

एक अप्रैल को होगी काउंसलिंग

उन्नाव, अमृत विचार। 29334 सहायक अमापक भर्ती प्रकिया के तहत विज्ञान/गणित विषय के सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति के लिए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 1 अप्रैल को 11:30 बजे से काउंसलिंग होगी। यह जानकारी देते हुए बीएसए शैलेश पांडे ने कहा अभ्यर्थी समय से पहुंचकर विद्यालय आवंटन का नियुक्ति पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

सीएम ने ऑनलाइन किया 194 आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जिले में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के बुनियादी ढांचा सशक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री ने जिले में 194 नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्रों का शिलान्यास व 31 केंद्रों का लोकार्पण लखनऊ से ऑनलाइन किया। इसे लेकर विकास भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सफीपुर विधायक बम्बालाल दिवाकर, डीएम गौरांग राठी व सीडीओ कृतिराज आदि उपस्थित रहे। इसमें मुख्यमंत्री का संबोधन लाइव देखा गया। इसके बाद विधायक बम्बालाल दिवाकर ने पर्दे खींचकर शिलापट्ट का अनावरण किया। वहीं, मुख्यमंत्री द्वारा जिले को मिली सौगातों में 194 आंगनबाड़ी केंद्र व गंजमुरादाबाद, सफीपुर, सुमेरपुर, हसनगंज, औरास व फतेहपुर चौरासी सहित छह सीडीपीओ कार्यालयों की आधारशिला रखी गई।

वहीं, 31 आंगनबाड़ी केंद्रों, हिलौली व बिछिया के दो नव निर्मित सीडीपीओ कार्यालयों का उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया गया। इसमें परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह, जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय कुमार, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां व सुपर वाइजर उपस्थित रहीं।

शिलापट्ट का अनावरण करते विधायक बम्बालाल दिवाकर। अमृत विचार

परिवार को सांत्वना देते राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल। अमृत विचार

नाला हादसे के पीड़ित परिवार से मिले आयोग उपाध्यक्ष: शुक्लागंज: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रहमत नगर निवासी पिता-पुत्र की कानपुर में नाला सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आकर हुई मौत के बाद सोमवार को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उनके साथ एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार व पुलिस मौजूद रही। उपाध्यक्ष ने परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव मदद का आश्वासन दिया और सरकार की ओर से उचित मुआवजा दिलाने की बात कही।

गौरतलब है कि 25 मार्च को कानपुर के गुबा गार्डन कल्याणपुर क्षेत्र में नाला सफाई के दौरान जहरीली गैस से जावेद व उनके बेटे आबिद की मौत हो गई थी। जबकि उनके साले इरफान घायल हो गए थे। घटना के बाद ठेकेदार द्वारा पीड़ित परिवार को साढ़े 7 लाख का मुआवजा दिया गया था। सोमवार को पहुंचे हरदीप गिल ने मृतक जावेद की बेटी मंतशा, बेटे अब्दुल रहमान व अन्य परिजनों से हुई बातचीत में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ऐसी घटनाओं में हर मृतक के परिवार को 30-30 लाख का मुआवजा मिलना चाहिए।

उन्होंने बताया कि सिर पर मैला ढोने जैसी अमानवीय प्रथा को समाप्त करने के लिए आयोग लगातार अभियान चला रहा है। उपाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार को ठेकेदार पर कार्रवाई करने की सलाह दी। इसके बाद हरदीप गिल कानपुर चले गए।

रेलवे पुल पर मेगा ब्लॉक की तैयारी तेज

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। गंगा नदी पर बने रेलवे पुल की डाउन लाइन पर जर्जर ट्रफ हटाकर नए एचबीम स्लीपर डालने की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में सोमवार को रेलवे द्वारा यूटीवी मशीन लगाकर ट्रैक किनारे जमा पुराने पत्थर व स्लीपर हटाने का कार्य हुआ। ताकि निर्धारित स्थान पर नए एचबीम स्लीपर रखे जा सकें।

बता दें कि 2 अप्रैल से प्रस्तावित मेगा ब्लॉक को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने कार्य में तेजी ला दी है। रेलवे कॉलोनी के पीछे से पुराने पत्थर व स्लीपर हटाकर वहां नई व्यवस्था बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके साथ कार्य के दौरान तैनात रहने वाले मजदूरों व कर्मियों के लिए सुविधाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। इसके तहत पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त सबमर्सिबल पंप लगाने हेतु जनरेटर भी पहुंचाया गया है। जिसे कॉलोनी के पास स्थापित किया जाएगा। वहीं गंगा रेलवे पुल पर डाउन लाइन में सपोर्टिंग पटरी हटाने व गिट्टी समेटने का काम भी जारी है। रेलवे के अनुसार, मेगा ब्लॉक के दौरान ट्रैक सुधार व स्लीपर बदलने का कार्य तेजी से पूरा किया जाएगा। जिससे ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित व जल्द सुचारु हो सके। कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं।

यूटीवी मशीन से हटाये जाते पुराने स्लीपर। अमृत विचार

शिक्षिका का किया मानसिक उत्पीड़न, शिक्षक निलंबित

उन्नाव, अमृत विचार। विखं सफीपुर के कंपोजिट विद्यालय कुसैला में शिक्षिका का मानसिक उत्पीड़न करने व विवाह के लिए दबाव बनाने के मामले में सहायक शिक्षक प्रदीप तिवारी को बीएसए ने निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि तक सफीपुर बीआरसी में सम्बद्ध कर मामले की जांच के लिए नवाबगंज के खंड शिक्षाधिकारी को नामित किया है। बीएसए शैलेश पांडेय ने कहा कि सहायक शिक्षिका ने शिक्षक पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। शिक्षक पर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन न करने, विद्यालय में कार्यरत महिला स्टॉफ का मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न करने की चेष्टा करने, शिक्षण कार्य से विरत रहने, अभद्र टिप्पणी करने व गलत नियत रखने, धमकी देने, कार्यरत स्थल पर अपने दायित्वों से विपरीत आचरण करने आदि के आरोप दर्ज किए गए हैं। बीएसए ने बताया कि जांच 15 दिन में आरोपपत्र तैयार कर आरोपी शिक्षक को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मेधावियों को किया गया सम्मानित

सम्मानित किये गए उत्कृष्ट छात्र व अभिभावक। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। बेनहर इंस्टीट्यूशनल ग्रुप के अंतर्गत बेनहर सिविल लाइन व बेनहर इंटरनेशनल अब्बासपुर में ग्रेजुएशन सेरेमनी कार्यक्रम में वे अभिभावक सम्मानित हुए जिनके बच्चों ने शिक्षा, खेल, गायन, कला, नृत्य, शत-प्रतिशत उपस्थिति व अनुशासन सहित वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाया। मेधावियों को गोल्ड, सिल्वर, ब्रॉन्ज मेडल, सर्टिफिकेट व मोमेंटो दिए। शुभारंभ प्रधानाचार्या सूफिया अल्वी व प्रधानाचार्या पल्लवी हरमन ने किया। बच्चों ने अंग्रेज़ी में अपने माता-पिता को संबोधित किया। यलकेजी के बच्चों के मनमोहक नृत्य ने सभी का दिल जीत लिया। प्रबंधक फैज अली अल्वी ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जो भी जरूरी होगा इसके लिये संस्थान सदैव तत्पर रहेगा। इंचार्ज जेपी वर्मा व रूही सईद ने सभी शिक्षकों व कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

पुरस्कृत छात्र-छात्राओं के साथ प्रबंध समिति के पदाधिकारी व शिक्षक।

उन्नाव, अमृत विचार। विखं सिकंदरपुर सिरोसी के उप्रावि जूड़ा पुरवा में वार्षिक परीक्षा फल वितरण व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें प्रथम तीन स्थान पर आए बच्चों को विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष नन्हेलाल व शिक्षक अमित मिश्रा, प्रवीण कुमार, गिरीश पांडे ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पुरस्कार पाने वालों में छात्रा आयुषी को टिफिन बॉक्स, संध्या को पानी की बोतल, चांदनी को ज्योमेट्री बॉक्स दिये गए। इसके अलावा कक्षा 6 की सुहानी, शिवानी, धीरज व कक्षा 7 में आयुषी दीपाली, कक्षा 8 में चांदनी, काजल व रौनक को सम्मानित किया गया। कक्षा 8 के बच्चों को अंगवस्त्र देकर विदाई दी गई। सूर्यांश, काजल, अंश, रितिका, प्रियांशी, आनंद, हिमांशु, आरव, शिवानी, आंचल, धीरज, सौम्या, राजकुवर, सुहानी, करिश्मा, आशिकी, दिव्यांशी दीपाली, कौशल्या, राधा रहीं।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे।

अंडर-16 क्रिकेट ट्रायल में दिखाया दमखम

उन्नाव, अमृत विचार। उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के सत्र 2026-27 के अंतर्गत अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट चयन प्रक्रिया का दूसरा चरण सप्रू स्टेडियम शुक्लागंज में शुरू हुआ। ट्रायल के पहले दिन आयोजित सेलेक्शन मैच में जिले के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि पहले चरण की स्क्रीनिंग के बाद चयनित हुए 40 खिलाड़ियों को दूसरे चरण में शामिल किया गया है। पहले सेलेक्शन मैच में खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी व विकेट कीपिंग में बेहतरीन प्रदर्शन किया। चयनकर्ता नवीन सिन्हा, कैलाश नेगी व अभिषेक श्रीवास्तव 'शंकर' ने एक-एक खिलाड़ी की तकनीक व प्रदर्शन का निरीक्षण किया। चयन प्रक्रिया के शुभारंभ से पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडे ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान ओम मिश्र, हिमालय वर्मा, साकिर हुसैन, सूरज त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

बालू आने से ठप हुई पेय जलापूर्ति पश्चिमी क्षेत्र के सैकड़ों घरों में पानी की किल्लत से बढ़ा लोगों का संकट

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। नगर पालिका क्षेत्र के पश्चिमी इलाकों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। पंप हाउस की मुख्य जलापूर्ति मोटर में बालू आने से बीते दो दिनों से सैकड़ों घरों की सप्लाई ठप है। इससे भीषण गर्मी में लोगों को शुद्ध पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, नगर पालिका के मुख्य पंप से सप्लाई होने वाले पश्चिमी क्षेत्र के कई मोहल्लों में रविवार शाम से जलापूर्ति बाधित है। मोटर में बालू भरने से पानी की सप्लाई अचानक बंद करनी पड़ी। सोमवार को नगर पालिका कर्मियों ने मोटर को बाहर निकालकर उसकी मरम्मत शुरू की। यह कार्य सुबह करीब साढ़े 11 बजे से जारी है। जलकल प्रभारी पंकज ने बताया कि मोटर की मरम्मत तेजी से की जा रही है। देरशाम तक जलापूर्ति सुचारु करने का प्रयास चल रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा। उधर, पानी की सप्लाई बंद होने से क्षेत्रीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। इसके साथ ही मजबूरन आरओ पानी खरीदकर प्रयोग करना पड़ रहा है।

आयुर्वेदिक चिकित्सालय की जमीन की पैमाइश कराकर कब्जेदारों को दी नोटिस

संवाददाता नवाबगंज, उन्नाव

अमृत विचार। नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम सोमवार को कस्बा स्थित आयुर्वेदिक चिकित्सालय पहुंची। टीम ने चिकित्सालय की जमीन का चिन्हांकन कराकर अवैध कब्जा मुक्त कराया। इसमें एक रेस्टोरेंट में तालाब की जमीन निकलने पर उससे कब्जा खाली करने का नोटिस देते हुए आयुर्वेदिक अस्पताल के पास एक तालाब का नंबर होने पर प्रधान से उसे बनवाने को कहा। बता दें कि नवाबगंज कस्बा स्थित राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय में तैनात डॉ. मोनिशा यादव ने अस्पताल की जमीन का चिन्हांकन कराकर सुरक्षित कराने का प्रार्थना पत्र उच्चाधिकारियों को दिया था। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर राजस्व टीम ने जमीन की पैमाईश की थी। इसके बाद अस्थाई कब्जेदारों ने अस्पताल की जमीन से कब्जा भी हटा लिया था। इसके बाद सोमवार को नायब तहसीलदार प्रीती सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की एक टीम आयुर्वेदिक अस्पताल पहुंची। टीम ने चिकित्सालय की करीब 2 बीघा जमीन का चिन्हांकन कर चूने से मार्किंग कराई। इस दौरान अस्पताल के पास नक्शे पर एक 5 बिसुआ का तालाब मिलने पर प्रधान से तालाब का कार्य कराने के लिए कहा। वहीं एक रेस्टोरेंट में करीब दो बिसुआ तालाब की जमीन होने पर उसे कब्जा खाली करने का नोटिस दिया गया। नायब तहसीलदार ने बताया कि आयुर्वेदिक अस्पताल की जमीन का चिन्हांकन कराकर मार्किंग कराई जा रही है। वहीं तालाब की जमीन को भी सुरक्षित करने के लिए कहा गया है।

प्रतिभावान छात्रों संग अभिभावक सम्मानित

सम्मानित छात्र-छात्राओं व अभिभावकों के साथ शिक्षक अमित तिवारी।

उन्नाव, अमृत विचार। विखं सफीपुर के कंपोजिट स्कूल रनियामऊ में रिपोर्ट कार्ड वितरण में अनोखी पहल की गई। इसमें उत्तीर्ण छात्रों के साथ उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। शिक्षक अमित तिवारी ने छात्रों को रिपोर्टकार्ड देते हुए उनके अभिभावकों को सम्मानित किया और कहा कि सभी अभिभावक अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें। छात्रा कामिनी व अंबिका ने बताया कि गणित व विज्ञान में उन्हें सबसे अधिक अंक मिले हैं। वे अगली कक्षा में और मेहनत करेंगी।

उत्कृष्ट कार्य करने पर सरैयां प्रधान सम्मानित

सरैयां ग्राम प्रधान को सम्मानित करतीं सीडीओ। अमृत विचार

शुक्लागंज, उन्नाव। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा ग्राम प्रधानों को सम्मानित किए जाने के लिए सोमवार को विकास भवन सभागार उन्नाव में कार्यक्रम आयोजित हुआ। जहां सरैयां गांव के प्रधान को सम्मानित किया गया। शासन के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने व खादी एवं ग्रामोद्योग इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विकास भवन में एक कार्यक्रम आयोजित था। जहां सीडीओ कृति राज, जिला विकास अधिकारी, जिला खादी उद्योग अधिकारी की मौजूदगी में सरैयां गांव के प्रधान राजेन्द्र कुमार को 2 हजार की चेक, अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मारपीट की घटनाएं सोशल मीडिया पर वायरल

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है। पहली घटना मिश्रा कालोनी स्थित श्मशान घाट के पास की बताई जा रही है, जहां एक युवक लकड़ी के टाल पर काम करने वाले अधेड़ को सरेआम लाठी से पीटता दिखाई दे रहा है। हमले के दौरान अधेड़ खुद को बचाने का प्रयास करता रहा, लेकिन उसके सिर पर गंभीर चोट लगने की सूचना है। दूसरी घटना बिन्दानगर इलाके की है, जहां किसी बात को लेकर युवकों के बीच कहासुनी हो गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर जांच कर रही है। फिलहाल किसी भी पक्ष की ओर से कोतवाली में तहरीर नहीं दी गई है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार अखबार नही करता है।

श्रेष्ठ छात्रों को किया गया सम्मानित

छात्रा को बैडमिंटन देते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। विवेकानंद सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज मोती नगर में वार्षिक परीक्षा के प्रगति पत्रों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता व प्रबंधक नवीन भारतीय ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसमें पीजी से कक्षा 11 तक के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं में वैष्णवी, अनन्या, आयुषी, अंकुश, आयुषी, अनुष्का राजपूत, अंशिका, आजम, मुजम्मिल, सक्षम सिंह, तनुष मौर्य, अदिति मिश्रा, आकाश प्रजापति, राघवेंद्र, शिवम, शुभ तिवारी, कृतिका, गौरी, परी, महान, प्रांजल, रितिका वर्मा, अनुष्का भारतीय, आराध्या कश्यप, काव्य, उर्मी, ऋषभ आर्या, इब्राहिम, सिमरन, मानस, शिवन्या, पलक, नैतिक, अनुभव, अफ्रीका, निदा, अदिति सिंह, उत्कर्ष, सानिया, आंचल, प्रियंका, वैष्णवी सोनवानी, आदित्य सोनकर, आद्या, अंशिका गौतम, आयुषी व कृतिका हैं। इन्हें अतिथि व प्रबंधक प्रधानाचार्य ने सम्मानित किया। प्रधानाचार्य मानिक भारतीय ने अभिभावकों का सम्मान किया। इसमें प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह (आनंद), शिक्षक रज़ी, सिराज, प्रमिला, गीतिका, अदिति, जोया, स्नेहा, कामिनी, श्रीकांत, संतोष, कल्पना आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

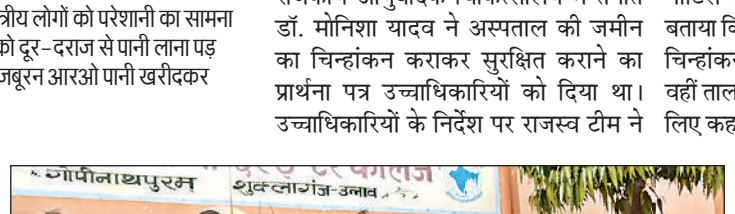

मेधावियों के साथ मौजूद प्रबंधक, प्रधानाचार्य व मुख्य अतिथि। अमृत विचार

सरस्वती विद्या मंदिर में परीक्षाफल वितरण समारोह आयोजित

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। गोपीनाथपुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में सोमवार को वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह आयोजित हुआ। इसका शुभारम्भ जिला प्रचारक संदीप, प्रबन्धक राकेश कुमार, नगर प्रचारक शिवम, कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश, रामकृष्ण, उदरवीर सिंह व प्रधानाचार्य श्रवण सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्प अर्पण कर किया। प्रधानाचार्य ने अतिथियों का परिचय कराया और उन्हें अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह व रामचरित मानस देकर सम्मानित किया। कक्षा 8 की छात्राएं मानवी व वैष्णवी पांडेय ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्रबन्धक राकेश कुमार ने परीक्षाफल घोषित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 400 छात्रों को सम्मानित किया गया। जूनियर वर्ग में मौसमी वर्मा व सीनियर वर्ग में कर्तव्य मिश्रा अव्वल रहे। संचालन रवि शंकर श्रीवास्तव व श्याम नारायण ने किया।

कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

उन्नाव, अमृत विचार। पुरवा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने सोमवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 का आयोजन हुआ। मौरावां स्थित सूर्यपाल सिंह डिग्री कॉलेज में आयोजित शिविर में बिछिया, असोहा, मौरावां व हिलौली मंडल के कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। इसका शुभारंभ विधायक अनिल सिंह, पूर्व जिला महामंत्री बिपिन मिश्रा व जिला महामंत्री प्रवीण सिंह नूतन ने पं. दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर दीप प्रज्वलित व पुष्पांजलि अर्पित कर किया। प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए विधायक अनिल सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं। कहा कि प्रशिक्षण ही वह माध्यम है जिससे कार्यकर्ता वैचारिक रूप से मजबूत होता है। इस दौरान रजनीश वर्मा, संदीप शुक्ल, सुनील साहू, मयंक मिश्र, विजय गुप्ता आदि रहे।

यूपी बोर्ड परीक्षा | चार मूल्यांकन केंद्रों पर अब तक 93 प्रतिशत जांची गईं कॉपियां

कापियां जांचने के लिए नहीं पहुंचे 668 परीक्षक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की कांपियों के मूल्यांकन के दसवें दिन चार केंद्रों में 938 परीक्षकों ने 31229 कांपियों का मूल्यांकन किया। इसमें 1606 परीक्षकों में 668 अनुपस्थित रहे। डॉ. जीनाथजी दयाल बालिका इंटर कॉलेज में हाईस्कूल के 52 डिप्टी हेड में 49 उपस्थित हुए। वहीं 517 परीक्षकों में 235 उपस्थित हुए। इसमें 12040 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। यहां 27 में 18 अंकेक्षक परीक्षक उपस्थित हुए। अब तक 91306 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। जीआईसी में हाईस्कूल के 37 डिप्टी हेड में 35 उपस्थित व 356 परीक्षकों में 224 उपस्थित हुए। जिन्होंने 8040 कांपियों का मूल्यांकन किया। यहां 18 में 14 अंकेक्षक उपस्थित हुए। अब तक 84375 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। जीजीआईसी में इंटर के 31 डिप्टी हेड में 26 व 297 परीक्षकों में 196 परीक्षक उपस्थित हुए। यहां 2367 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। इसमें 17 अंकेक्षकों में 12 उपस्थित हुए। अब तक 92513 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। जो करीब 99 प्रतिशत है। वहीं, अटल बिहारी इंटर कॉलेज में इंटर के 30 डिप्टी हेड में 27 व 286 परीक्षकों में 146 परीक्षक उपस्थित हुए। यहां 8782 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। यहां 15 में 13 अंकेक्षक उपस्थित हुए। इसमें अब तक 67021 कांपियों का मूल्यांकन किया गया। कंट्रोल रूम प्रभारी रामचंद्र सिंह ने बताया कि चार मूल्यांकन केंद्रों में अब तक 93.26 प्रतिशत कांपियों का मूल्यांकन किया गया है।

कांपियों का मूल्यांकन करते परीक्षक। अमृत विचार

रंजीत बने पीसीएस अधिकारी, 60वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया जिले का मान

शुक्लागंज उन्नाव। सीमित संसाधनों के बावजूद अगर लक्ष्य स्पष्ट हो तो सफलता जरूर मिलती है। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के पिंडोखा निवासी रंजीत कुमार ने इसका जीवंत उदाहरण पेश करते हुए पीसीएस परीक्षा में 60वीं रैंक हासिल कर बीडीओ बनकर अपने परिवार का नाम रोशन किया है। खास यह कि वे इस समय लखनऊ में सीएसआईआर में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर भी कार्यरत हैं। रंजीत के पिता पप्पू कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

रंजीत ने प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय उन्नाव से पूरी की। इसके बाद उन्होंने कर्नाटक से इंटर व आईआईटी धनबाद से बीटेक की पढ़ाई की। वर्ष-2021 से रंजीत यूपीएससी व पीसीएस की तैयारी में जुटे। उन्होंने यूपीपीएससी में तीन प्रयास किए जिसमें तीन बार मेंस परीक्षा पास की और एक बार इंटरव्यू तक पहुंचे। लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। लेकिन बाद में उनकी मेहनत रंग लाई और उन्होंने पीसीएस में 60वीं रैंक पाकर बीडीओ बने। रंजीत की 3 बहनों में सरला (विवाहित), रोशनी व मोनी गौतम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। बेटे की सफलता पर पिता की आंखें खुशी से भर आईं।

अमृत विचार

मंगलवार, 31 मार्च 2026

लोकतंत्र अच्छा है। मैं ऐसा इसलिए कहता हूं, क्योंकि अन्य प्रणालियां इससे बदतर हैं।

–जवाहर लाल नेहरू, पूर्व प्रधानमंत्री

घर में घिरे ट्रंप

अमेरिकी जनता में उभरता व्यापक जन-असंतोष मात्र सत्ता से नीतिगत मतभेद ही नहीं, बल्कि शासन-शैली और संस्थागत संतुलन पर गहरे सवालों का संकेत है। अमेरिका में 'नो किंग्स मूवमेंट' के तहत डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के विरुद्ध जिस प्रकार देशव्यापी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, वे इस बात का प्रमाण हैं कि लोकतांत्रिक समाजों में जनता केवल मतदाता नहीं, बल्कि सतत निगरानी करने वाली शक्ति भी है। इन प्रदर्शनों का दायरा केवल युद्ध नीतियों तक सीमित नहीं। संघीय इमिग्रेशन कानूनों की कठोरता, बढ़ती महंगाई और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दों पर जनता की मुखरता ने ट्रंप के लिए नया मोर्चा खोल दिया है।

अमेरिकी जनता के एक वर्ग में यह धारणा मजबूत हुई है कि सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ रहा है और कार्यपालिका, विशेषकर राष्ट्रपति, अपनी शक्तियों का विस्तार असाधारण रूप से कर रहे हैं। ट्रंप द्वारा एग्जीक्यूटिव ऑर्डर का व्यापक उपयोग, राज्यों की आपत्तियों के बावजूद नेशनल गार्ड की तैनाती और कथित राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ जांच या मुकदमे चलाने के संकेत, इन सबने इस असंतोष को हवा दी है। आलोचकों का आरोप है कि यह प्रवृत्ति अमेरिकी लोकतंत्र की संस्थागत परंपराओं के विपरीत है। ट्रंप स्वयं को 'राजा न होने और 'राष्ट्रहित में निर्णायक नेतृत्व' देने की बात भले ही कहते रहें, पर लोकतंत्र में केवल दावों से नहीं, बल्कि संस्थागत आचरण से विश्वास बनता है। व्हाइट हाउस द्वारा इन विरोध प्रदर्शनों को 'ट्रंप डिरेंजमेंट थेरेपी' कहकर खारिज करना भी चिंताजनक है। यह न केवल असहमति का सामान्यीकरण है, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करने वाला दृष्टिकोण भी है। इतिहास बताता है कि जनमत को नज़रअंदाज़ करने की कीमत राजनीतिक रूप से चुकानी पड़ती है, विशेषकर तब, जब मिडटर्म चुनाव नजदीक हों। यदि ये प्रदर्शन व्यापक और लगातार बने रहते हैं, तो ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग पर नकारात्मक असर पड़ना तय है और इससे चुनावी परिणाम भी प्रभावित हो सकते हैं। तमाम शहरों में जनता का सड़कों पर उतरना यह दर्शाता है कि युद्ध की कीमत समाज को भी चुकानी पड़ती है। लंदन सहित यूरोप के अन्य हिस्सों में भी अमेरिका-इजराइल की नीतियों के खिलाफ आवाज उठ रही है, जो वैश्विक जनमत के बदलते स्वरूप का संकेत है। ये विरोध युद्ध को प्रत्यक्ष तो नहीं रोक सकते हैं, परंतु वे राजनीतिक नेतृत्व पर दबाव अवश्य बनाते हैं। लोकतंत्रों में जनमत दीर्घकालिक नीति-निर्माण को प्रभावित करता है और यही इन आंदोलनों की वास्तविक शक्ति है। भारत के लिए इसमें महत्वपूर्ण सीख छिपी है। पहली, लोकतंत्र में असहमति को स्थान देना उसकी मजबूती का संकेत है, कमजोरी का नहीं। दूसरी, विदेश नीति में संतुलन न तो अंध समर्थन, न ही अनावश्यक विरोध- पारंपरिक 'रणनीतिक स्वायत्तता' का आधार होना चाहिए। तीसरी, आंतरिक रूप से यह सुनिश्चित करना कि विकास, सुरक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संतुलन बना रहे।

अमेरिका में उठती ये आवाजें हमें याद दिलाती हैं कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, जवाबदेही और जनविश्वास से संचालित होता है। भारत को इस वैश्विक परिघटना से सीखते हुए अपने पहले ही सुदृढ़ लोकतांत्रिक मूल्यों को और प्रबलित करना चाहिए।

प्रसंगवश

भगवान महावीर: सत्य, तप व संयम की शाश्वत संहिता

प्रतिवर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का जन्मोत्सव मनाया जाता है। महावीर जयंती इस वर्ष 31 मार्च को मनाई जा रही है। भगवान महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व बिहार के कुंडलपुर के राजघराने में हुआ था। भगवान महावीर ने जीवन पर्यन्त अपने अमृत वचनों से समस्त मानव जाति को ऐसी अनुपम सौगात दी, जिन पर अमल करके मानव चाहे तो इस धरती को स्वर्ग बना सकता है। 'अहिंसा परमो धर्मः' सिद्धांत के लिए जाने जाते रहे, भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन आज के समय में सर्वाधिक प्रासंगिक और जरूरी प्रतीत होता है, क्योंकि वर्तमान समय में मानव अपने स्वार्थ के वशीभूत कोई भी अनुचित कार्य करने और अपने फायदे के लिए हिंसा के लिए भी तत्पर दिखाई देता है।

महावीर का जन्म होते ही उनके पिता राजा सिद्धार्थ के राज्य, मान-प्रतिष्ठा और धन-धान्य में वृद्धि होने लगी थी, इसीलिए उनका नाम वर्धमान रखा गया था और चूंकि वर्धमान बचपन से ही बड़े साहसी व निर्भीक थे, इसीलिए उनके पराक्रम के कारण आगे चलकर वे महावीर के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज के परिवेश में हम जिस प्रकार की समस्याओं और जटिल परिस्थितियों में घिरे हैं, उन सभी का समाधान महावीर के सिद्धांतों और दर्शन में समाहित है।

श्वेता गोयल

शिक्षिका

भगवान महावीर कहा करते थे कि जिस जन्म में कोई भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कर्मानुसार ही देव, मनुष्य, नर्क व पशु-पक्षी की योनि में भ्रमण करेगा। कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते, बल्कि आत्मा कर्मों को आकृष्ट करती है। वह कहते थे कि रूग्णजनों की सेवा-सुश्रुषा करने का कार्य प्रभु की परिचर्या से भी बढ़कर है। अपने जीवनकाल में उन्होंने ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जिन्हें अपने जीवन तथा आचरण में अमल में लाकर हम अपने मानव जीवन को सार्थक बना सकते हैं।

भगवान महावीर का कहना था कि जो मनुष्य स्वयं प्राणियों की हिंसा करता है, या दूसरों से हिंसा करवाता है अथवा हिंसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए बैर बढ़ाता है। उनका कहना था कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः हिंसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए। वे कहते थे कि संसार में प्रत्येक जीव अवध्य है, अतः आवश्यक बताकर की जाने वाली हिंसा भी हिंसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है।

उनके अनुसार छोटे-बड़े किसी भी प्राणी की हिंसा न करना, बिना दी गई वस्तु स्वयं न लेना, विश्वासघाती असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्पुरुषों का धर्म है। जो लोग कष्ट में धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिंसा की साधना नहीं कर सकते। अहिंसक व्यक्ति तो अपने से शत्रुता रखने वालों को भी अपना प्रिय मानता है। उनका कहना था कि संसार में रहने वाले चल और स्थावर जीवों पर मन, वचन एवं शरीर से किसी भी तरह के दंड का प्रयोग नहीं करना चाहिए। भगवान महावीर के अनुसार किसी भी प्राणी की हिंसा न करना ही ज्ञानी होने का एकमात्र सार है और यही अहिंसा का विज्ञान है। जिस प्रकार अणु से छोटी कोई वस्तु नहीं और आकाश से बड़ा कोई पदार्थ नहीं, उसी प्रकार अहिंसा के समान संसार में कोई महान् व्रत नहीं। महावीर के शब्दों में कहें तो ज्ञानी होने का यही एक सार है कि वह किसी भी प्राणी की हिंसा न करे और यही अहिंसा का विज्ञान है। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

'नो किंग्स' से गूंजा लोकतंत्र का वैश्विक संदेश

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका के दर्जनों शहरों में 'नो किंग्स' आंदोलन हो रहे हैं। यह भारत सहित पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण संदेश है कि सत्ता चाहे जितनी मजबूत क्यों न हो, उसकी वैधता जनता की स्वीकृति पर ही निर्भर करती है।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ उभरता जनाक्रोश अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों, संस्थागत संतुलन और नागरिक चेतना की व्यापक अभिव्यक्ति बन चुका है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका के लगभग 50 शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए, वहीं यूरोप और ऑस्ट्रेलिया सहित 12 देशों में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद की। 3300 से अधिक स्थानों पर विरोध और 80 से अधिक विश्वविद्यालयों में प्रदर्शन इस बात का प्रमाण हैं कि यह आंदोलन अब वैश्विक स्वरूप ग्रहण कर चुका है।

इस व्यापक विरोध के केंद्र में केवल ट्रंप की नीतियां ही नहीं, बल्कि सत्ता के केंद्रीकरण के प्रति बढ़ती चिंता भी है। इसी संदर्भ में नो किंग्स प्रोटेस्ट का उभार विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह आंदोलन इस विचार के खिलाफ है कि कोई भी नेता लोकतांत्रिक ढांचे में निरंकुश या राजा की तरह व्यवहार करे। नो किंग्स का संदेश स्पष्ट है, लोकतंत्र में सर्वोच्च सत्ता जनता के पास होती है, न कि किसी एक व्यक्ति के हाथों में।

ट्रंप के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई नीतियों, जैसे- सख्त आव्रजन नीति, नस्लीय मुद्दों पर विवादित टिप्पणियां और मीडिया व न्यायपालिका के साथ टकराव ने अमेरिकी समाज को गहरे स्तर पर विभाजित किया। उनके समर्थक, जहां उन्हें एक मजबूत राष्ट्रवादी नेता के रूप में देखते हैं, वहीं आलोचक उन्हें लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए खतरा मानते हैं। यही विभाजन आज सड़कों पर दिखाई दे रहा है। नॉट माई प्रेसिडेंट और नो किंग्स जैसे नारों का उभार यह दर्शाता है कि एक बड़ा वर्ग सत्ता के प्रति असहमति को खुलकर व्यक्त कर रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर यह असहमति की स्वतंत्रता को दर्शाती है, वहीं दूसरी ओर यह प्रतिनिधित्व के संकट की ओर भी संकेत करती है। जब नागरिक अपने ही निर्वाचित नेता को स्वीकार करने से इंकार करते हैं, तो यह राजनीतिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र की आत्मा होते हैं। अमेरिका का इतिहास नागरिक अधिकार आंदोलनों, युद्ध विरोधी अभियानों और सामाजिक न्याय के संघर्षों से भरा रहा है। नो किंग्स आंदोलन उसी परंपरा का आधुनिक संस्करण है, जो यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सत्ता का दुरुपयोग न हो और लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत बनी रहें। इस आंदोलन में युवाओं और शिक्षित वर्ग की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय परिसरों में हुए प्रदर्शन यह दर्शाते हैं कि नई पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागरूक है और वह सत्ता से जवाबदेही की मांग कर रही है। डिजिटल युग ने इस आंदोलन को और गति दी है। सोशल मीडिया के माध्यम से विचारों का तेजी से प्रसार हो रहा है, जिससे आंदोलन की पहुंच और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इस विरोध के गहरे निहितार्थ हैं। अमेरिका को लंबे समय से लोकतंत्र का आदर्श माना जाता रहा है, ऐसे में वहां इस तरह के व्यापक विरोध-प्रदर्शन यह संकेत देते हैं कि लोकतंत्र एक सतत् प्रक्रिया है, जिसमें निरंतर सुधार की आवश्यकता होती है।

अब यदि इस पूरे घटनाक्रम को भारत के संदर्भ में देखा जाए, तो कई महत्वपूर्ण समानताएं और सीख सामने आती हैं। भारत भी एक विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र है, जहां समय-समय पर नागरिक अपनी असहमति व्यक्त करते रहे हैं। चाहे वह नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन हों, किसान आंदोलन हो, या अन्य सामाजिक राजनीतिक मुद्दे, भारतीय समाज ने भी लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए अपनी आवाज उठाई है।

भारत में भी अक्सर यह बहस होती है कि क्या सत्ता का केंद्रीकरण लोकतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में अमेरिका का नो किंग्स आंदोलन भारतीय संदर्भ में एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता, मीडिया की निष्पक्षता और न्यायपालिका की स्वायत्तता अत्यंत आवश्यक है। यदि ये संतुलन बिगड़ता है, तो नागरिकों का असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।

भारत और अमेरिका की परिस्थितियां पूरी तरह समान नहीं हैं। भारत की सामाजिक संरचना, राजनीतिक इतिहास और सांस्कृतिक विविधता अलग है। फिर भी, दोनों देशों में एक समान तत्व यह है कि लोकतंत्र की मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। जब जनता जागरूक होती है और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहती है, तभी लोकतंत्र जीवंत बना रहता है। यह भी उल्लेखनीय है कि किसी भी विरोध-प्रदर्शन की सफलता उसकी प्रकृति पर निर्भर करती है। अमेरिका में हुए अधिकांश प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि नागरिक अपने अधिकारों का प्रयोग जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं। भारत के लिए भी यह एक महत्वपूर्ण सीख है कि लोकतांत्रिक आंदोलनों को शांतिपूर्ण और रचनात्मक बनाए रखना आवश्यक है, ताकि वे व्यापक समर्थन प्राप्त कर सकें और सकारात्मक बदलाव ला सकें।

ट्रंप के खिलाफ यह आक्रोश केवल एक व्यक्ति के विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस विचारधारा के खिलाफ है, जो लोकतंत्र को कमजोर कर सकती है। नो किंग्स आंदोलन इस बात का प्रतीक है कि नागरिक किसी भी प्रकार के निरंकुश व्यवहार को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत सहित पूरी दुनिया के लिए यह एक महत्वपूर्ण संदेश है कि सत्ता चाहे जितनी मजबूत क्यों न हो, उसकी वैधता जनता की स्वीकृति पर ही निर्भर करती है। जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग रहते हैं और आवश्यकता पड़ने पर सड़कों पर उतरते हैं, तभी लोकतंत्र जीवंत और प्रभावी बना रहता है। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा निष्कर्ष है।

आमने

ममता दीदी हमेशा पीड़ित होने का नाटक करके राजनीति खेलती हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी वो सिर पर पट्टी बांधे नजर आती हैं। कभी-कभी वह बीमार पड़ जाती हैं और अब वह (चुनाव) आयोग के सामने खुद को असहाय बता रही हैं और उसकी झूठी आलोचना कर रही हैं।

–अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

सामने

वे कहते हैं कि मैं चुनाव के समय पट्टी बांधकर घूमती हूं। मैं कई बार मौत के मुंह से वापस लौटी हूं। जाकर डॉक्टर की रिपोर्ट देखिए। क्या आपने साल 2021 के चुनाव में जानबूझकर मेरे पैर को चोट पहुंचाई थी? मैंने व्हीलचेयर पर बैठकर प्रचार किया।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

उत्तर भारत की जल सुरक्षा पर मंडराता संकट

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

झेलम नदी के हालात इतने खराब हैं कि यह जल-आवक ऊंट के मुंह में जीरा जैसा है। इसके सूखने के संकट की जड़ें सर्दियों के दौरान हुई वर्षा और हिमपात की भारी कमी में छिपी हैं।

कश्मीर की वादियों में मार्च का महीना आमतौर पर बर्फ के पिघलने और नदियों के उफनते वेग का प्रतीक होता है, लेकिन साल 2026 के मार्च का पहला सप्ताह एक ऐसी खामोशी लेकर आया है, जिसने पर्यावरणविदों और नीति-निर्धारकों की नींद उड़ा दी है। झेलम नदी, जो सदियों से सभ्यता और संस्कृति की संवाहिका रही है, उसका प्रवाह अचानक थम सा गया है। श्रीनगर के बीचों-बीच सूखी गाद और उभरते पत्थरों का दृश्य केवल एक स्थानीय भौगोलिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह समूचे उत्तर भारत की जल व्यवस्था के लिए एक खतरे की घंटी है। इस संकट की जड़ें जितनी गहरी हैं, इसके परिणाम उतने ही व्यापक और विनाशकारी हो सकते हैं।

झेलम का उद्गम कश्मीर घाटी के ऊपरी हिस्से में स्थित बेरीनाग से है और यह लीदर घाटी की बर्फ से जल धारा प्राप्त करती है। वूलर झील में मिलने के पूर्व श्रीनगर के बाद इसमें सिंधु नदी मिलती है। बारामूला के नीचे झेलम कश्मीर घाटी को छोड़कर तेज गति से आगे बढ़ती है और गहरी घाटी बनाती हुई पश्चिम की ओर होती हुई मुजफ्फराबाद पहुंचती है, जहां दाईं ओर से आकर किशनगंगा मिलती है। इसके बाद नदी दक्षिण की ओर कश्मीर और पाकिस्तान की सीमा-रेखा बनाती हुई बहती है और झेलम शहर के उत्तर-पूर्व में पाकिस्तान में प्रवेश करती है। यहां से 322 किमी आगे बहने के बाद तिरमू के पास यह चेनाब में मिल जाती है। स्पष्ट है झेलम पर दोनों देशों के लाखों लोगों की उम्मीदें रहती हैं– खेत के लिए, पेयजल और बिजली परियोजनाओं के लिए। मार्च के तीसरे हफ्ते में कुछ बरसात और बर्फबारी हुई है, लेकिन नदी के हालात इतने खराब हैं कि यह जल-आवक ऊंट के मुंह में जीरा जैसा है। झेलम सूखने के संकट की जड़ें सर्दियों के दौरान हुई वर्षा और हिमपात की भारी कमी में छिपी हैं। झेलम जैसी नदियां मुख्य रूप से बर्फ के पिघलने पर निर्भर करती हैं और जब पहाड़ों का 'वाटर बैंक' ही खाली हो, तो मैदानों में प्रवाह की उम्मीद बेमानी हो जाती है, लेकिन संकट केवल नदी के सूखने तक सीमित नहीं है; इसका भयावह असर कश्मीर की पहचान मानी जाने वाली डल झील पर भी दिखने लगा है। झेलम में कम होते प्रवाह और पानी की गति थमने के कारण डल झील के बड़े हिस्से अचानक गहरे हरे रंग में तब्दील हो गए हैं। स्थानीय निवासी, जो दशकों से इस झील के किनारे रह रहे हैं, बताते हैं कि उन्होंने अपने जीवन में डल का ऐसा रूप पहले कभी नहीं देखा। विशेषज्ञों के अनुसार, जब नदी का इनफ्लो (आवक) कम हो जाता है और पानी स्थिर रहने लगता है, तो पोषक तत्वों (न्यूट्रिएंट्स) का जमाव बढ़ जाता है, जिससे पानी की सतह पर इस तरह के बदलाव दिखाई देते हैं।

इस सूखे का तात्कालिक कारण सर्दियों के दौरान हिमालयी क्षेत्र में वर्षा और हिमपात की भारी कमी है। कश्मीर की नदियां मुख्य रूप से बर्फ के पिघलने पर निर्भर करती हैं। जब सर्दियों के 'चिल्लई कलां' जैसे कठिन समय में पहाड़ों पर बर्फ की परतें नहीं जमीं, तो बसंत के आगमन पर नदियों को मिलने वाला प्राकृतिक भंडार खाली रह गया। यह 'हिम-ऋण' अब झेलम के सूखे तल के रूप में हमारे सामने है। झेलम का सूखना केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के चरमराने का संकेत है। इसका सबसे पहला और सीधा प्रहार कृषि और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। झेलम घाटी के धान के खेत और दक्षिण कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध फलों के बागान इसी नदी के जल पर आश्रित हैं। मार्च और अप्रैल का समय बुवाई और सिंचाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस समय जल का प्रवाह न्यूनतम रहा, तो इसका असर न केवल उत्पादन पर पड़ेगा, बल्कि भविष्य की फसल सुरक्षा भी अनिश्चित हो जाएगी। कृषि के बाद, ऊर्जा सुरक्षा का बड़ा संकट हमारे सामने खड़ा है। भारत की कई महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजनाएं झेलम के बहाव पर टिकी हैं। नदी का स्तर गिरने से बिजली उत्पादन ठप हो सकता है, जिससे पूरे उत्तरी ग्रिड पर दबाव बढ़ेगा और हमें वैकल्पिक, प्रदूषित ऊर्जा स्रोतों की ओर मुड़ने को मजबूर होना पड़ेगा। जल कूटनीति के नजरिए से भी यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत झेलम के पानी का एक बड़ा हिस्सा सीमा पार जाता है, जबकि भारत के पास इसके सीमित उपयोग के अधिकार हैं। जब प्रकृति की ओर से ही पानी की आवक कम होगी, तो दोनों देशों के बीच संसाधनों के बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ना लाजिमी है। ऐसी स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कूटनीतिक जटिलताएं बढ़ सकती हैं, जो क्षेत्रीय स्थिरता के लिए नई चुनौतियां पेश करेंगी। शहरी जल जीवन और जैव विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। झेलम का धीमा पड़ता वेग वुलर और डल जैसी विशाल झीलों और आर्द्रभूमियों के अस्तित्व को संकट में डाल रहा है। प्रवासी पक्षियों के आवास और जलीय जीवों का विनाश इस त्रासदी का वह मौन अध्याय है, जिसे अक्सर विकास की फाइलों में जगह नहीं मिलती।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

पुरुष का मन

पुरुष के भीतर एक ऐसी जगह होती है, जहां वह खुद भी आसानी से नहीं पहुंच पाता। बाहर की दुनिया में वह चलता-फिरता, बोलता-बतियाता, फैसले लेता हुआ दिखाई देता है, लेकिन भीतर कहीं एक शांत, गोल-सी जगह होती है, जहां उसके अपने नियम चलते हैं। उस जगह में प्रवेश करना ऐसा होता है, जैसे किसी बंद कमरे में कदम रखना, जहां हर हरकत का अपना अर्थ होता है।

आरके आंद रश

कारोबारी

पुरुष का मन अक्सर बाहर से कठोर दिखता है, लेकिन भीतर वह एक अनुशासन चाहता है। यह अनुशासन किसी डर से नहीं बनता, बल्कि इसलिए बनता है कि भीतर की शांति टूट न जाए। जब आदमी अपने भीतर उतरता है, तो उसे महसूस होता है कि वहां हर दिशा, हर कदम का महत्व है। अगर वह जल्दी-जल्दी भागेगा, अगर वह बिना सोचे किसी भी भावना के बीच से गुज़र जाएगा, तो भीतर की व्यवस्था बिगड़ जाती है।

मन के भीतर भी एक 'आग' होती है। यह आग क्रोध की नहीं होती, बल्कि चेतना की होती है। यही वह जगह है, जहां आदमी अपनी बात खुद से कहता है, जहां उसके संदेह, पछतावे, उम्मीदें और प्रार्थनाएं एक साथ बैठती हैं। इस आग के साथ एक रिश्ता बनाना पड़ता है। अगर आदमी इसे अनदेखा करता है, अगर वह इसमें हर तरह का कचरा छोटी-छोटी शिकायतें, दूसरों की नकल, या बेकार की तुलना डालने लगता है, तो धीरे-धीरे यह आग धुंधली पड़ जाती है।

बहुत से पुरुष बाहर की दुनिया में तो मजबूत दिखते हैं, लेकिन जब वे अपने भीतर बैठते हैं तो उन्हें एहसास होता है कि बैठना भी एक अभ्यास है। शरीर की तरह मन को भी एक मुद्रा चाहिए। जब आदमी थोड़ी देर शांत बैठता है, अपनी पीठ सीधी रखता है, अपने विचारों को भागने नहीं देता, तभी भीतर की आवाज़ धीरे-धीरे साफ़ सुनाई देने लगती है। अगर वह बेचैन होकर हर पल उठने-बैठने लगे, तो वह आवाज़ खो जाती है।

पुरुष का मन एक बंद जगह की तरह भी होता है। उसमें हर कोई, हर विचार, हर भावना बिना इजाज़त नहीं आ सकती, लेकिन अक्सर पुरुष खुद ही इस नियम को भूल जाता है। वह हर आलोचना को भीतर आने देता है, हर तुलना को जगह दे देता है, हर डर को अपने कमरे में बैठा लेता है। धीरे-धीरे उसका मन भीड़ से भर जाता है। फिर उसे समझ नहीं आता कि उसकी अपनी आवाज़ कौन-सी है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

बराबरी है तो जमीन पर भी नजर आनी चाहिए

भारत का लोकतंत्र विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान रखता है। यह केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, बल्कि करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं, अधिकारों और सपनों का प्रतिबिंब है। संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और न्याय का वादा किया है, लेकिन यह सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या यह वादा वास्तव में हर नागरिक तक समान रूप से पहुंच पाया है? क्या आज भी एक गरीब और एक अमीर व्यक्ति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय की सुविधाएं बराबर हैं? यदि नहीं, तो यह स्वीकार करना होगा कि हमारा लोकतंत्र अभी भी अधूरा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिला है। दवाइयों को ब्रांड के बजाय 'साल्ट' के आधार पर उपलब्ध कराने की पहल ने यह साबित किया है कि सही नीति और नीयत के साथ आम जनता को बड़ी राहत दी जा सकती है। सस्ती दवाइयां केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का माध्यम बनती हैं। यह एक उदाहरण है कि जब सरकार समानता को केंद्र में रखकर काम करती है, तो बदलाव संभव है। यही सोच यदि शिक्षा और न्याय जैसे क्षेत्रों में भी लागू की जाए, तो देश की तस्वीर बदल सकती है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

शिक्षिका

शिक्षा आज के समय में केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक उन्नति का सबसे बड़ा साधन है, लेकिन दुर्भाग्य से भारत में शिक्षा की व्यवस्था दो भागों में बंटी हुई है। एक ओर महंगे निजी स्कूल और संस्थान हैं, जहां विश्वस्तरीय सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध हैं और दूसरी ओर सरकारी स्कूल हैं, जहां कई जगह बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। यह विभाजन केवल संस्थानों का नहीं, बल्कि अवसरों का विभाजन है। एक अमीर परिवार का बच्चा जिस स्तर की शिक्षा प्राप्त करता है, वह एक गरीब परिवार के बच्चे के लिए अक्सर एक सपना बनकर रह जाता है।

ऐसी स्थिति में यह विचार स्वाभाविक रूप से सामने आता है कि क्यों न पूरे देश में एक समान शिक्षा प्रणाली लागू की जाए। एक ऐसा ढांचा, जहां हर कक्षा के लिए एक जैसी किताबें हों, एक जैसा पाठ्यक्रम हो और हर बच्चे को समान अवसर मिले। इससे शिक्षा के स्तर में संतुलन आ सकता है और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी एक समान आधार तैयार हो सकता है। यह व्यवस्था न केवल सामाजिक समानता को बढ़ावा देगी, बल्कि देश की प्रतिभाओं को भी एक समान मंच प्रदान करेगी। यह भी समझना आवश्यक है कि भारत की विविधता इतनी व्यापक है कि पूरी तरह एकरूप शिक्षा प्रणाली लागू करना सरल नहीं है। अलग-अलग राज्यों की भाषाएं, संस्कृतियां और स्थानीय आवश्यकताएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, इसलिए एक 'कॉमन कोर' के साथ-साथ क्षेत्रीय लचीलापन भी जरूरी है, ताकि समानता और विविधता के बीच संतुलन बना रहे।

न्याय व्यवस्था भी लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन आम नागरिक के लिए न्याय तक पहुंचना आज भी एक कठिन प्रक्रिया है। न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या, कानूनी प्रक्रियाओं की जटिलता और वकीलों की ऊंची फीस- ये सभी मिलकर न्याय को महंगा और दूर बना देते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के लिए न्याय प्राप्त करना कई बार असंभव जैसा हो जाता है। यदि न्याय व्यवस्था को सरल, सुलभ और निःशुल्क बनाया जाए, तो यह लोकतंत्र के वास्तविक अर्थ को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

ऋषियों की तपोभूमि चंदौली है प्राचीन काशी

पूर्वी उत्तर प्रदेश की पावन भूमि पर स्थित चंदौली जनपद को सामान्यत: आधुनिक प्रशासनिक इकाई के रूप में देखा जाता है, किंतु इतिहास, पुरातत्व और आध्यात्मिक परंपराओं की दृष्टि से यह क्षेत्र प्राचीन काशी परंपरा का अविभाज्य अंग रहा है। काशी केवल वर्तमान वाराणसी तक सीमित नहीं रही, अपितु प्राचीन काल में इसका सांस्कृतिक-धार्मिक विस्तार चंदौली, मिर्जापुर, सोनभद्र और गाजीपुर तक फैला हुआ था। मां गंगा ने संगम नगरी प्रयागराज के पश्चात विन्ध्य पर्वत को छूते हुए वाराणसी के दक्षिण दिशा से बाबा विश्वनाथ मंदिर वाले भाग काशी को अपनी गोद में लिया, तो तपस्थली वाले भाग प्राचीन काशी चंदौली को भी गाजीपुर के पूर्व ही उत्तर दिशा से काशी के दोनों संपूर्ण भाग को सामान्य रूप से गौरवान्वित किया है। प्राचीन काशी चंदौली के भौगोलिक मानचित्र पर ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के रसूलपुर से वैराठ तक आज भी विद्यमान है। इसकी महत्ता पौराणिक ग्रंथों में विधिवत वर्णित है। यहां ऋषियों की तपोभूमि, शिव-शक्ति उपासना और वैदिक संस्कृति की सशक्त छाप आज भी विद्यमान है। चंदौली का नाम चंद्रसाह नामक बरहौलिया राजपूत के नाम पर बताया जाता है, जिन्होंने यहां एक किला बनवाया था।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

नगर की प्राचीनता

यह पूरा जिला काशी राज्य के अधिकार में था। इस जिले से संबंधित अनेक कथाओं के अतिरिक्त यहां प्राचीनकाल की मूल्यवान धरोहरों के प्रमाण पाए गए हैं। ईंट आदि के अवशेष जहां-तहां बिखरे पड़े हैं, अनेक तालाब और कुंड हैं। एक बहुत प्राचीन क्षेत्र बलुआ है, जो सकलडीहा तहसील से 22 किलोमीटर दक्षिण गंगा नदी के तट पर स्थित है। यहां हिंदुओं का एक धार्मिक मेला हर वर्ष माघ महीने में मौनी अमावस्या के दिन लगता है। यह पश्चिम वाहिनी मेला के नाम से जाना जाता है। सकलडीहा तहसील का गांव एक महान अघोरेश्वर संत कीनाराम की जन्मभूमि है। वे वैष्णव धर्म के अनुयायी थे, इनका शिव और शक्ति में गहरा विश्वास था। हेतमपुर गांव एक प्राचीन स्थान है, यहां एक किला है, जिसे 'हेतमपुर किला' कहा जाता है। कहा जाता है कि इसको 14 वीं-15 वीं शताब्दी के बीच राजा टोडरमल के द्वारा निर्मित कराया गया था,जो शेरशाह सूरी के राज्य में निर्माण पर्यवेक्षक थे। मुगलकाल के बाद जागीरदार हेतमखां ने इस पर कब्जा कर लिया। चंदौली के राजदरी, देवदरी, चन्द्रप्रभा क्षेत्र तथा आसपास की पहाड़ियों में शैलचित्र, पत्थर के औजार और गुफाएं मिली हैं। ये प्रमाण बताते हैं कि यहां आदिम मानव निवास करता था और यह क्षेत्र जीवन, साधना और प्रकृति-पूजा का केंद्र था। चंदौली का चौसठी देवी क्षेत्र, चन्द्रप्रभा वन्य क्षेत्र और आसपास के स्थल बौद्ध काल में भी महत्वपूर्ण रहे। समीप स्थित सारनाथ से इसका सीधा सांस्कृतिक संबंध रहा। बौद्ध भिक्षु ध्यान और साधना हेतु इन वनों में निवास करते थे।

मोक्षदायिनी नगरी

'काश्यां मरणान्मुक्ति:' काशी की यह आध्यात्मिक ऊर्जा केवल एक नगर तक सीमित नहीं थी। चंदौली उस ऊर्जा का वनांचली और तपस्वी स्वरूप रहा। चंदौली क्षेत्र में शिवलिंगों, देवी मंदिरों और शक्ति स्थलों की प्राचीन परंपरा है। यहां की लोक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने काशी क्षेत्र की रक्षा हेतु इन वनों में विचरण किया। चंदौली में स्थित चन्द्रप्रभा नदी और वन क्षेत्र को अत्यंत पवित्र चंद्रप्रभा तीर्थ के माना जाता है। यहां स्थित जलप्रपात और कुंडों को प्राचीन काल में तपस्या और स्नान के लिए श्रेष्ठ माना गया। यह स्थान केवल प्राकृतिक सौंदर्य ही नहीं, अपितु आध्यात्मिक शांति का केंद्र रहा है।

विश्वामित्र की कर्मस्थली

चंदौली भूभाग पर हजारों वर्षों से अब तक ऋषि-महर्षियों के तप करने का प्रमाण उपलब्ध है। गंगा नदी के तटों से लेकर वाणगंगा और चकिया नौगढ़ के जंगलों तक विस्तृत यह क्षेत्र सभी दृष्टिकोण से सुरक्षित और शांतिप्रिय रहा है, जहां सैकड़ों वर्षों तक एक मुद्रा में बैठे ऋषि-मुनियों ने साधना की। प्राचीन काशी में ही महर्षि याज्ञवल्क्य को चकिया के पठारी तथा जंगली क्षेत्र की शांति खींच लाई थी। जहां उन्होंने एक पैर पर खड़े होकर सैकड़ों वर्ष तपस्या किया। भगवान शंकर से नाराज होकर महर्षि वेदव्यास ने प्राचीन काशी (चंदौली) के साहूपुरी (व्यासनगर) में आए, जहां अपना क्रोध - त्याग किया और वहीं साधना करने लगे। महर्षि विश्वामित्र ने अपनी कर्मस्थली और लीलास्थली नौगढ़ क्षेत्र को बनाया, इसका प्रमाण कर्मनाशा के रूप में विस्तृत है। महाराज दुष्यंत और शकुंतला की प्रेम कहानी इसी भूभाग से जुड़ी है, जहां मगरौर में महाराज भरत के जन्म का प्रमाण मिलता है, इनके नाम पर ही इस देश का नाम भारत पड़ा। विद्वानों का यह भी मानना है कि इस समृद्ध क्षेत्र में कभी है हयवंशी क्षत्रियों के संहार हेतु यमदग्नि-पुत्र परशुराम ने अशांति फैलायी थी, जिसका प्रमाण रायल ताल को माना जाता है।

लोक आस्थाएं एवं परंपराएं

चंदौली की ग्राम्य संस्कृति में आज भी काशी की परंपराएं जीवित हैं। श्रावण मास की शिव पूजा, कार्तिक स्नान, लोक देवी-देवताओं की आराधना, संस्कारों में वैदिक मंत्रोच्चार यह सब दर्शाता है कि चंदौली केवल भौगोलिक इकाई नहीं, अपितु यहां के लोक जीवन में आध्यात्मिक निरंतरता व्याप्त है। चंदौली की लोक संस्कृति में काशी की छवि स्पष्ट दिखाई देती है। यहां की भोजपुरी-काशी बोली में राम, शिव, गंगा और काशी से जुड़े असंख्य लोकगीत प्रचलित हैं। विवाह, जन्म और पर्वों पर गाए जाने वाले गीतों में काशी को पुण्य स्थल के रूप में स्मरण किया जाता है। यहां के शिवरात्रि मेले,नवरात्र उत्सव, कार्तिक पूर्णिमा आदि आयोजनों में काशी परंपरा की झलक मिलती है।

वर्तमान स्वरूप

आज का चंदौली जनपद आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक विकास के संतुलन का उदाहरण है। वाराणसी से 20 मई, 1997 में अलग होकर चंदौली जनपद बना। यह उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है, जो वाराणसी से 30 किलोमीटर दूरी पर है। यह जनपद वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र से घिरा हुआ है, जो इसके ऐतिहासिक-धार्मिक महत्व को और पुष्ट करता है। चंदौली को उत्तर प्रदेश का 'धान का कटोरा' कहा जाता है। उपजाऊ भूमि, नहर प्रणाली, कर्मनाशा और चन्द्रप्रभा के जल से परिपूरित यह क्षेत्र कृषि के साथ-साथ अब औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों की ओर भी बढ़ रहा है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां चन्द्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य, जलप्रपात, ऐतिहासिक स्थल और अनेक धार्मिक स्थल पर्यटकों के आकर्षण के केंद्र हैं। यदि इनका समुचित विकास किया जाए, तो चंदौली आध्यात्मिक-पर्यटन मानचित्र पर विशेष स्थान प्राप्त कर सकता है। चंदौली और काशी का पुराना अटूट संबंध है। जहां काशी (वाराणसी) ज्ञान, मोक्ष और चेतना का केंद्र रही, वहीं चंदौली उसका वन्य, तपस्वी और प्राकृतिक विस्तार क्षेत्र कहा जा सकता है। चंदौली ने काशी की आत्मा को अपने वनों, नदियों, लोक जीवन और आस्थाओं में सुरक्षित रखा है। आज आवश्यकता है कि इस विरासत को पहचाना जाए, संरक्षित किया जाए और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाए। चंदौली केवल एक जनपद नहीं, अपितु यह प्राचीन काशी की जीवित स्मृति है।

पौराणिक कथा

कर्ण और वृषकेतु

वेदव्यास लिखित महाभारत में कर्ण की कथा अत्यंत मार्मिक और रहस्यमयी रूप में वर्णित मिलती है। विवाह से पूर्व ऋषि दुर्वासा के वरदान के प्रभाव से कुंती को एक पुत्र प्राप्त हुआ, जिसे समाज के भय से उन्होंने नदी में बहा दिया। यह बालक सूर्यपुत्र कर्ण था। नदी की धारा में बहते हुए उस शिशु को सारथी अधिरथ और उनकी पत्नी ने अपनाकर उसका पालन-पोषण किया। आगे चलकर हस्तिनापुर के महाराज धृतराष्ट्र के ज्येष्ठ पुत्र दुर्योधन ने कर्ण की प्रतिभा को पहचानते हुए उसे अपना मित्र बनाया और अंग देश का राजा बनाया। कर्ण के जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यही रही कि न तो वह स्वयं अपने जन्म का सत्य जान पाया और न ही पांडव और कौरव इस रहस्य से परिचित थे कि वह कुंती का ज्येष्ठ पुत्र है। कर्ण की दो पत्नियां थीं-ऋषाली और सुप्रिया। ऋषाली सूत कुल की थीं। उनसे कर्ण को नौ पुत्र प्राप्त हुए। महाभारत युद्ध के दौरान कर्ण के आठ पुत्र- वृषसेन, चित्रसेन, सत्यसेन, सुसेन, शत्रुंजय, प्रसेन, बनसेन और अन्य अर्जुन, भीम तथा सात्यकि जैसे महारथियों के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए। केवल सबसे छोटा पुत्र वृषकेतु, जो उस समय अल्पायु था, भीष्म पितामह के आदेश से युद्ध में शामिल नहीं हुआ।

शिवचरण चौहान
लेखक

महाभारत युद्ध के उपरांत कर्ण का अंतिम संस्कार उसके वरदानानुसार श्रीकृष्ण के हाथों संपन्न हुआ। कर्ण की पत्नी ऋषाली पति-वियोग सहन न कर सकीं और सती हो गईं। इधर वृषकेतु ने पिता की मृत्यु का प्रतिशोध लेने का संकल्प लिया, परंतु सम्राट युधिष्ठिर ने सत्य स्वीकार करते हुए कर्ण को अपना बड़ा भाई घोषित किया और वृषकेतु को स्नेहपूर्वक इंद्रप्रस्थ का अधिपति बना दिया। वृषकेतु ने बाद में अर्जुन के साथ कई सैन्य अभियानों में भाग लिया। कुंती द्वारा कर्ण जन्म का रहस्य छिपाए जाने पर धर्मराज युधिष्ठिर ने अपनी माता को श्राप दिया कि भविष्य में कोई भी स्त्री रहस्य नहीं छिपा सकेगी। इसके पश्चात उन्होंने कुंती का त्याग कर दिया। कुंती, धृतराष्ट्र, गांधारी, विदुर और संजय वन को प्रस्थान कर गए। कहा जाता है कि कर्ण को न स्वीकार पाने का पश्चाताप कुंती को जीवनभर व्यथित करता रहा, ऐसे में वृषकेतु ने ही उनका सहारा बनकर सेवा की।

एक दिन जंगल में आग लग गई और आग बहुत तेजी से फैलने लगी। आंखों में पट्टी बांधे गांधारी और धृतराष्ट्र नहीं भाग सके। जंगल की आग में जलने लगे तो उनके साथ कुंती, विदुर और संजय ने साथ नहीं छोड़ा और सभी के सभी जंगल की आग में जलकर मृत्यु को प्राप्त हुए। बाद में जब पांडव हिमालय की ओर प्रस्थान कर गए, तब इंद्रप्रस्थ का शासन वृषकेतु और हस्तिनापुर का राज्य परीक्षित के हाथों में रहा। परीक्षित की मृत्यु तक्षक नाग के दंश से हुई, जिसके पश्चात उनके पुत्र जनमेजय ने नाग यज्ञ का आयोजन किया।

अलखनाथ मंदिर: भाव ही भक्ति

आनंद अखाड़ा के नागा बाबा अलखिया के नाम पर पड़ा अलखनाथ मंदिर नाम किला रोड स्थित 84 बीघे में फैला बेहद प्राचीन है। मुगलों के आक्रमण के समय धर्मरक्षा का केंद्र था यह मंदिर। बताते हैं कि वट वृक्ष के बीचो-बीच शिवलिंग स्वयं प्रकट हुए थे। मुगल शासकों के आक्रमण के समय में मंदिर व धर्म की साख बचाने के लिए आनंद अखाड़ा ने नागा बाबा अलखिया को यहां भेजा था। उन्होंने न सिर्फ मंदिर परिसर मुगल आक्रांताओं से सुरक्षित रखा, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा शुरू कर अलखनाथ मंदिर को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर दिया। बाबा अलखिया ने यहां पर रहकर तपस्या की फिर मंदिर की स्थापना भी कराई।

-फीचर डेस्क

अलखनाथ मंदिर में वट वृक्ष के बीचो-बीच प्रकट हुए शिवलिंग के दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि यहां पर भक्त जिस भाव से आते हैं भोलेनाथ भी उसकी इच्छा उसी भाव से पूरी करते हैं। अलखिया बाबा के बाद 1008 सूरज गिरि, नागा बाबा दत्त गिरि और कमल गिरि ने मंदिर की गद्दी संभाली फिर देव गिरि महाराज 24 वर्ष तक गद्दी पर विराजमान रहे। धर्म गिरि और इनके बाद बालक गिरि ने 9 वर्ष की आयु में यहां आकर अपना पूरा जीवन लगा दिया। अब उनके शिष्य कालू गिरि महाराज 2016 से मंदिर की व्यवस्था देख रहे हैं। मंदिर परिसर में ही मंदिर की गद्दी संभालने वाले महंतों की समाधियां भी बनी हैं।

पुजारी सलोने श्याम के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में मंदिर का विकास तेजी से हुआ है। वर्ष 2022 में नाथ मंदिरों में शामिल किए जाने के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था भी दुरुस्त की गई है। मंदिर परिसर में राम-सीता का दरबार, शनि मंदिर, शिव विवाह की झांकी, विष्णु दरबार की झांकियां बनी हैं। मंदिर के मुख्य द्वार पर हनुमान की 51 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। मंदिर परिसर में सावन, शिवरात्रि आदि त्योहारों पर भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मंदिर परिसर में करीब 25 संत-महंत रहते हैं।

भक्तों के लिए सीधे-सच्चे हैं बाबा अलखनाथ

पिछले 40 साल से मंदिर आने वाली 60 वर्षीय सुमन ने बताया कि बाबा अलखनाथ बहुत सच्चे हैं। जीवन में जो मांगा आज तक सब कुछ मिला है। इस उम्र में भी यहां रोजाना आती हूं। रमेश ने बताया ठेले पर सामान बेचता था, कभी उन्नति नहीं हुई। पांच साल से बाबा के दर्शन के बाद ही काम पर जाता हूं, अब अपनी कमाई से संतुष्ट हूं। बाबा पर पूरा भरोसा है। मंदिर में मुस्लिमों का प्रवेश वर्जित है। अलखनाथ मंदिर के बाहर मुस्लिमों का प्रवेश वर्जित लिखा है। हालांकि मंदिर के पुजारी सलोने श्याम के अनुसार ये बोर्ड तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए लगाया गया था। वर्तमान में मंदिर में केवल असामाजिक तत्वों का आना मना है।

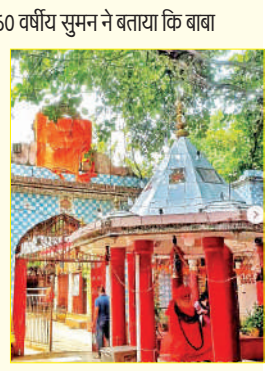

किसे कहा जा सकता है गुरु

गुरु मूल रूप से वह शिक्षक नहीं है, जैसा कि हम आमतौर पर इस शब्द का प्रयोग करते हैं-यानी वह व्यक्ति जो अपने मन से ज्ञान को आप तक पहुंचाता है। ज्ञान पुस्तकों में मिल सकता है। अवधारणाएं एक ही दोपहर में समझी जा सकती हैं। गुरु के पास जो ज्ञान है, उसे न तो समझाया जा सकता है, न ही सिखाया जा सकता है। यह केवल संचारित होता है, ठीक वैसे ही जैसे एक लौ बुझी हुई मोमबत्ती को अग्नि प्रदान करती है। मोमबत्ती लौ नहीं बन जाती, बल्कि वह स्वयं ही उसी अग्नि से भीतर से प्रज्वलित हो जाती है। यही शक्तिपात है।

शिवानंद मिश्रा
आध्यात्मिक लेखक

गुरु उपायः- गुरु ही साधन हैं। एक विशेष प्रकार का अंधकार होता है, जो प्रकाश की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि प्रकाश के अस्तित्व को ही भूल जाना है। आप इसमें वर्षों, दशकों तक भी रह सकते हैं-संसार में कुशलतापूर्वक, बुद्धिमानी से, यहां तक कि कुछ क्षणों के लिए प्रसन्नतापूर्वक भी आगे बढ़ सकते हैं-फिर भी भीतर ही भीतर एक शांत, अनकहा दर्द लिए रहते हैं। एक अनुभूति कि कुछ आवश्यक चीज़ गायब है। कि आप अपने आप की सतही अवस्था में जी रहे हैं। कि आपके भीतर की गहराई को कभी छुआ ही नहीं गया है। यदि आप भाग्यशाली हैं, यदि ब्रह्मांड में कोई असाधारण कृपा से आपकी ओर मुड़ता है, तो एक व्यक्ति प्रकट होता है। सहमेशा वस्त्रों में नहीं। हमेशा औपचारिकता के साथ नहीं। कभी-कभी सबसे साधारण परिस्थितियों में-एक आकस्मिक मुलाकात में, सही समय पर बोले गए एक वाक्य में, किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा आपके हाथों में रखी गई पुस्तक में, जिसने बस इतना कहा हो-इसे पढ़ो। लेकिन उस मुलाकात में कुछ ऐसा होता है, जो आपकी अब तक की सभी मुलाकातों से अलग होता है।

उसमें कुछ ऐसा होता है, जो आपको केवल जानकारी नहीं देता, आपका मनोरंजन नहीं करता या आपको सांत्वना नहीं देता-वह आपको बदल देता है। वही व्यक्ति गुरु है। और यह सूत्र-मात्र दो शब्द-'गुरु उपायः', उस बात की घोषणा करता है जिसे तर्कसंगत मन गंभीरता से लेने के लिए लगभग बहुत सरल पाता है-गुरु साधन हैं। केवल साधन नहीं। आध्यात्मिक उपकरणों के अनेक साधनों में से एक नहीं-साधन। वह स्वयं साधन। वह माध्यम, जिसके द्वारा सोई हुई आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप को जागृत करती है। गुरु की आवश्यकता क्यों है? आपमें ऐसी कई बातें हैं, जिन्हें आप स्वयं नहीं देख सकते, लेकिन दूसरे उन्हें स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। आंख स्वयं को नहीं देख सकती। मन अपनी कमियों को पूरी तरह से नहीं देख सकता। चेतना में एक विशेष प्रकार की गांठ होती है-वह है अपने आप को केंद्रीय मानने वाली छोटी-सी 'स्व' की गांठ, जिसे उसी हाथ से खोलना असंभव है जिसने उसे बांधा है। आपको एक दूसरे हाथ की आवश्यकता है। ऐसा हाथ नहीं, जो आपको नियंत्रित करे। ऐसा हाथ नहीं, जो आपको छोटा करे। बल्कि एक ऐसा हाथ, जो आपके विस्मृति के अंधकार में इतनी स्थिरता, इतने प्रेम और सत्य में इतनी अटूट दृढ़ता के साथ पहुंचे कि उनकी उपस्थिति में वह गांठ स्वतः ही खुलने लगे। वही हाथ गुरु है।

बोधकथा

दीपक और हवा

एक गांव में अर्जुन नाम का एक युवक रहता था। वह बहुत महत्वाकांक्षी था और जीवन में बड़ा नाम कमाना चाहता था, लेकिन हर बार जब वह कोई नया काम शुरू करता, तो थोड़ी सी कठिनाई आते ही हिम्मत हार बैठता। असफलताओं से परेशान होकर एक दिन वह गांव के एक वृद्ध गुरु के पास पहुंचा। अर्जुन ने कहा, "गुरुदेव, मैं मेहनत तो करता हूं, लेकिन बार-बार असफल हो जाता हूं। समझ नहीं आता कि मेरी मेहनत में कमी है या किस्मत साथ नहीं दे रही।" गुरु ने कुछ देर सोचा और उसे रात को अपने साथ बैठने को कहा। जब अंधेरा हुआ, तो गुरु एक छोटा सा दीपक जलाकर अर्जुन के सामने रख दिया। फिर उन्होंने खिड़की खोल दी, जिससे तेज हवा अंदर आने लगी। हवा के झोंकों से दीपक की लौ बार-बार डगमगाने लगी और कुछ ही क्षणों में बुझ गई। गुरु ने फिर दीपक जलाया, इस बार खिड़की बंद कर दी। अब दीपक की लौ स्थिर और शांत जलने लगी। गुरु मुस्कुराते हुए बोले, "अर्जुन, क्या तुमने कुछ समझा?" अर्जुन ने कहा, "जी गुरुदेव, जब हवा तेज थी तो दीपक बुझ गया और जब हवा बंद कर दी तो वह स्थिर जलने लगा।" गुरु ने समझाया, "यह दीपक तुम्हारी मेहनत है और हवा तुम्हारी कमजोरियां-जैसे अधैर्य, डर और जल्दी हार मान लेना। जब तक तुम इन कमजोरियों को अपने ऊपर हावी होने दोगे, तुम्हारी मेहनत का दीपक बार-बार बुझता रहेगा।" अर्जुन ध्यान से सुन रहा था। गुरु ने आगे कहा, "सफलता के लिए केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि धैर्य और आत्मविश्वास भी जरूरी है। जब तुम अपने मन को स्थिर कर लोगे, तब कोई भी कठिनाई तुम्हें रोक नहीं पाएगी।" अर्जुन को अपनी गलती समझ में आ गई। उसने निश्चय किया कि अब वह हर कठिनाई का सामना धैर्य से करेगा और जल्दी हार नहीं मानेगा। कुछ समय बाद वही अर्जुन अपने काम में सफल होने लगा। अब वह हर परिस्थिति में शांत और दृढ़ बना रहता था। इस कथा से सीख मिलती है केवल मेहनत ही नहीं, बल्कि धैर्य और आत्मविश्वास भी सफलता की कुंजी हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	71,947 .55	22,331
गिरावट	1635 .67	488 .20
प्रतिशत में	2 .22	2 .14

सोना 1,51,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,37,000 प्रति किलो

अमृत विचार
कानपुर, मंगलवार, 31 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

बीएचईएल को मिला 13,500 करोड़ का ठेका

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को तेलंगाना में 2,400 मेगावाट की 'चरण-दो' ताप बिजली परियोजना के मुख्य संयंत्र पैकेज के निर्माण के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी से 13,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। बीएचईएल ने सोमवार को यह जानकारी दी। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, बीएचईएल अक्टूबर, 2024 में इस परियोजना के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरी थी। इसके बाद 29 मार्च, 2026 को एनटीपीसी ने बीएचईएल को 800-800 मेगावाट की तीन इकाइयों वाली इस परियोजना के मुख्य संयंत्र कार्य के लिए आधिकारिक आवंटन पत्र जारी किया।

प्रॉपशेयर सेलेस्टिया का आईपीओ 10 को खुलेगा

नयी दिल्ली। देश के पहले पंजीकृत लघु और मझोले रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (एसएम रीट), प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने सोमवार को घोषणा की कि प्रॉपशेयर सेलेस्टिया का 244 .65 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 10 अप्रैल को खुलेगा। एसएम रीट एक ऐसा निवेश माध्यम है जो छोटे और मध्यम स्तर के निवेशकों को बड़े व्यावसायिक भवनों या संपत्तियों में हिस्सेदारी खरीदने और उससे किराया कमाने का मौका देता है। एक बयान के अनुसार, यह आईपीओ 16 अप्रैल को बंद होगा। इसके लिए प्रति यूनिट 10 लाख से 10 .50 लाख रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया है।

वोल्टास को 23.52 करोड़ रुपये का नोटिस

नयी दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी वोल्टास लिमिटेड को आयातित वस्तुओं के कथित गलत वर्गीकरण के मामले में सीमा शुल्क अधिकारियों से 23 .52 करोड़ रुपये का मांग नोटिस मिला है। इसमें शुल्क और जुर्माना दोनों शामिल हैं। वोल्टास ने कहा कि वह इस आदेश का विश्लेषण कर रही है और इस मामले में सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेसटैट) के समक्ष अपील दायर करने सहित उचित कानूनी कदम उठाएगी। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी।

सीएमपीडीआईएल का शेयर पहले दिन ही टूटा

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया की इकाई सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) का शेयर सोमवार को 172 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई पर शेयर का कारोबार 162 .80 रुपये पर शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 5 .34 प्रतिशत कम था। कारोबार के दौरान, इसमें 11 .45 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 152 .30 रुपये पर आ गया। बाद में गिरावट के साथ 154 .05 रुपये पर बंद हुआ।

पेट्रोल पंप पर केरोसिन भी मिलेगा हर जिले में 2 पंपों पर होगी सुविधा

केंद्र का फैसला: पीडीएस के तहत 60 दिन के लिए केरोसिन के वितरण की अनुमति

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के बीच एलपीजी से दबाव कम करने के लिए सरकार ने पीडीएस के तहत 60 दिनों के लिए कैरोसिन यानी मिट्टी के तेल के वितरण की अनुमति दी है। इसके तहत अब पेट्रोल पंपों से भी केरोसिन मिलेगा। प्रशासन जिले में सरकारी कंपनियों के अधिकतम दो पेट्रोल पंप इस सुविधा के लिए चुन सकेगा। इनमें से प्रत्येक पंप पर 5,000 लीटर तक केरोसिन स्टोर किया जा सकेगा।

केंद्र सरकार का यह आदेश 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होगा, जो राज्य पहले केरोसिन-मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। यह 60 दिन की आपातकालीन व्यवस्था रसोई गैस (एलपीजी) पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए की गई है। यह निर्णय पश्चिम एशिया में पिछले एक माह से जारी युद्ध के कारण ऊर्जा आपूर्ति, विशेषकर रसोई गैस (एलपीजी) में बाधा आने के बाद लिया गया है। भारत अपनी रसोई गैस की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत को आयात के जरिये पूरा करता है, जिनमें से 85-90 प्रतिशत गैस खाड़ी देशों से आती है।

युद्ध के कारण इसकी आपूर्ति में रुकावट आई है, जिससे होटल और रेस्तरां जैसे वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं के लिए गैस की आपूर्ति कम करनी पड़ी है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 29 मार्च की अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 और पेट्रोलियम नियम, 2002 के तहत अस्थायी छूट प्रदान की है ताकि 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत केरोसिन का वितरण सुचारू रूप से किया जा सके।

अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक जिले में अधिकतम दो नामित सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनी (ओएमसी) के पेट्रोल पंप को 5,000 लीटर तक केरोसिन रखने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। इन पेट्रोल पंप पर केरोसिन भरने के लिए एजेंट और डीलर को लाइसेंस लेने से छूट दी गई है, जबकि पहले से लाइसेंसधारी टैंकर वाहनों को भी इसके लिए अतिरिक्त अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। ये छूट कड़ाई से सुरक्षा मानकों और

- एलपीजी पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए उठाया कदम

पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा जारी संचालन संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करने के शर्त पर दी गई है।

केरोसिन के भंडारण, भराई और वितरण का पूरा रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए और इसे जिला प्रशासन तथा पीईएसओ द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है।

यह आदेश तुरंत प्रभावी होगा और 60 दिन तक या अगले आदेश तक वैध रहेगा। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, केरोसिन का उपयोग खाना पकाने और रोशनी के लिए किया जाएगा।

इसे उन 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अस्थायी रूप से फिर से उपलब्ध कराया जाएगा, जिन्हें पहले 'पीडीएस एसकेओ (केरोसिन-मुक्त)' घोषित किया गया था। इनमें दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गोवा, मध्य प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

आईटी मंत्री की चेतावनी: प्रोडक्ट डिजाइन नहीं तो रोकेंगे सरकारी फंड

गुणवत्ता मानक पूरे नहीं करने वाली कंपनी होगी योजना से बाहर

नयी दिल्ली, एजेंसी

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ किया है कि भारत में प्रोडक्ट डिजाइन और क्वालिटी पर निवेश नहीं करने वाली कंपनियों को ईसीएमएस स्कीम का सरकारी फंड नहीं मिलेगा। साथ ही सिक्स सिग्मा मानक पूरे नहीं करने पर उन्हें योजना से ही बाहर किया जा सकता है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को ईसीएमएस के तहत 7,104 करोड़ रुपये के नए निवेश से जुड़े 29 प्रस्तावों को मंजूरी देने के बाद आगाह किया कि जो लाभार्थी उत्पाद डिजाइन प्रौद्योगिकी में निवेश नहीं करेंगे, उन्हें योजना से बाहर किया जा सकता है। वैष्णव ने कहा कि यदि उद्योग की ओर से अपेक्षित प्रयास नहीं किए जाते हैं तो मैं आगे किसी भी भुगतान या नई मंजूरी को रोकने के लिए तैयार हूं।

मंत्री ने मंत्रालय द्वारा निर्धारित एकीकृत दृष्टिकोण का पालन नहीं करने पर उद्योग संगठन इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन और उसकी सदस्य कंपनियों की आलोचना भी की। कहा कि मैं यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं क्योंकि यह हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और हम हमेशा 'राष्ट्र प्रथम' में विश्वास करते हैं। वैष्णव ने कहा कि देश को इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन, कलपुर्जा डिजाइन और मशीन डिजाइन के क्षेत्र में आगे बढ़ने की जरूरत है।

मंत्री ने उद्योग को 15 दिन की समय सीमा दी है, जिसके भीतर कंपनियों को यह बताना होगा कि उन्होंने उत्पाद डिजाइन, 'सिक्स सिग्मा' मानक, प्रतिभा विकास और स्थानीय आपूर्ति (सोर्सिंग) जैसे प्रमुख मुद्दों पर क्या कदम उठाए हैं। सिक्स सिग्मा एक ऐसी कार्यप्रणाली है जिसका उद्देश्य उत्पादन में त्रुटियों को न्यूनतम करना और लगभग पूर्ण गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

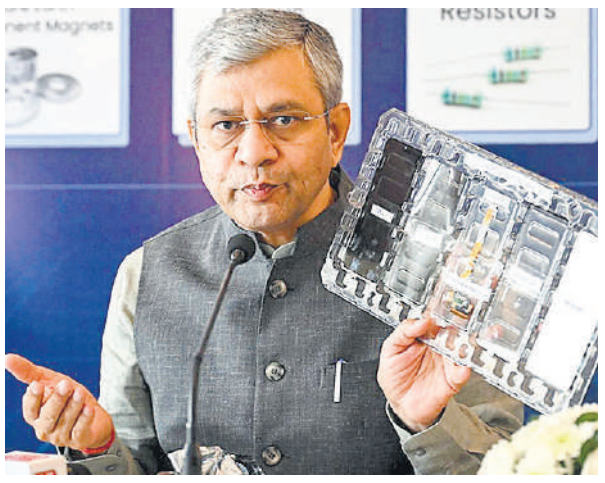

नई दिल्ली में 'इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम' पर आयोजित एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव।

तेज हुई डीपफेक हटाने की कार्रवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कृत्रिम मेधा (एआई) से तैयार किए जाने वाले डीपफेक पर बढ़ती चिंताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया मंचों ने भी अपनी ओर से डीपफेक सामग्री को हटाने के प्रयासों को काफी तेज कर दिया है। सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री वैष्णव ने पत्रकारों से बातचीत में डीपफेक को समाज के लिए एक नया खतरा और अभिशाप बताया। डीपफेक वह प्रौद्योगिकी है जिसके जरिये किसी व्यक्ति की फोटो, आवाज या वीडियो को डिजिटल माध्यम से बदलकर बिल्कुल असली जैसा दिखने वाला फर्जी रूप दे दिया जाता है। बताया- सोशल मीडिया मंचों ने डीपफेक सामग्री को हटाने की अपनी कार्रवाई को लगभग दोगुना या तिगुना कर दिया है।

प्रौद्योगिकी उद्योग पर फिलहाल असर नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि सरकार उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग संगठनों के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष और इसके पड़ने वाले प्रभाव को लेकर बातचीत कर रही है। उद्योग निकायों ने अपने संचालन पर किसी भी प्रतिकूल प्रभाव की सूचना नहीं दी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री की यह टिप्पणी उन खबरों के बीच आई है कि हीलियम की कमी ने वैश्विक प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि हमने यहां मौजूद हर उद्योग संगठन से बात की है और सभी ने कहा है कि अभी तक कोई प्रभाव नहीं पड़ा है...। इसमें सेमीकंडक्टर, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जे और हार्डवेयर क्षेत्र शामिल हैं...। हम उद्योग के साथ बातचीत जारी रखेंगे।

रुपया 2025-26 में 9.88 प्रतिशत टूटा 14 साल की सबसे बड़ी गिरावट

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रुपया वित्त वर्ष 2025-26 में डॉलर के मुकाबले 9.88 प्रतिशत कमजोर हुआ है, जो 14 साल में डॉलर के मुकाबले सबसे बड़ी गिरावट है। वित्त वर्ष 2011-12 में, घरेलू मुद्रा, डॉलर के मुकाबले 12.4 प्रतिशत कमजोर हुई थी, उस समय चालू खाते का घाटा बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो गया था।

मौजूदा वित्त वर्ष में, यह भारी गिरावट लगातार विदेशी कोषों की निकासी, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक स्तर पर डॉलर के मजबूत होने की वजह से हुई। वैश्विक वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव और नकदी की तंगी ने भी 2025-26 में रुपये पर और दबाव डाला। बाजार के जानकारों के अनुसार, एक अप्रैल से अब तक दूसरी एशियाई मुद्राओं में भी डॉलर के मुकाबले भारी गिरावट देखी गई है। जापानी येन छह प्रतिशत, फिलिपीन की मुद्रा पीसो 5.74 प्रतिशत और दक्षिण कोरियाई वॉन 2.88 प्रतिशत कमजोर हुआ है। दक्षिण कोरियाई बैंक शिन्हान बैंक के भारत में ट्रेजरी प्रमुख, सुनल सोधानी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 बाहरी झटकों, पूंजी के बाहर जाने और ढांचागत कमजोरियों जैसी कई समस्याओं के एक साथ आने की वजह से रुपया कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि 2025-26 में असर डालने वाले कारक 2011-12 के कारकों से अलग हैं।

केंद्र का राजकोषीय घाटा लक्ष्य के 80.4% पर

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र का राजकोषीय घाटा फरवरी में 2025-26 के बजट लक्ष्य का 12 .52 लाख करोड़ रुपये यानी 80 .4 प्रतिशत रहा है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 85 .8 प्रतिशत था। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। केंद्र सरकार ने 2025-26 में राजकोषीय घाटा (व्यय और राजस्व के बीच का अंतर) सकल घरेलू उत्पाद के 4 .4 % यानी 15 .58 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान रखा है। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2026 के अंत तक केंद्र की कुल प्राप्तियां 27 .91 लाख करोड़ रुपये रहीं, जो बजट लक्ष्य का 82 प्रतिशत है। इन प्राप्तियों में 21 .45 लाख करोड़ का कर राजस्व (शुद्ध) और 5 .8 लाख करोड़ रुपये का गैर-कर राजस्व शामिल है। सीजीए के आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल-फरवरी, 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार का कुल व्यय 40 .44 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का 81 .5% है।

विनिर्माण क्षेत्र के प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन 5.2% बढ़ा

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश का औद्योगिक उत्पादन विनिर्माण क्षेत्र में सुधार से फरवरी में 5.2 प्रतिशत बढ़ा। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आधार पर मापा जाने वाला कारखाना उत्पादन फरवरी, 2025 में 2.7 प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जनवरी, 2026 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के अनुमान को पहले जारी 4.8 प्रतिशत के अस्थायी अनुमान से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2026 में विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि तेज होकर छह प्रतिशत हो गई जबकि एक वर्ष पहले इसी महीने में यह 2.8 प्रतिशत थी। खनन क्षेत्र की वृद्धि भी थोड़ा सुधरकर 3.1 प्रतिशत हो गई।

- राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने जारी किये आंकड़े

डब्ल्यूटीओ वार्ता समाप्त, ई-कॉमर्स पर शुल्क संबंधी रोक बढ़ाने पर नहीं बन सकी सहमति

नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का चार दिन का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) सोमवार को कैमरून के याउंडे में समाप्त हो गया। लेकिन ई-कॉमर्स पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की व्यवस्था को आगे बढ़ाने के मुद्दे पर सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन सकी।

यह व्यवस्था 1998 से लागू है, जिसके तहत डिजिटल डाउनलोड और स्ट्रीमिंग जैसी इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं पर सीमा शुल्क नहीं लगाया जाता। तब इसे दो साल के लिए लागू किया गया था और बाद में हर दो साल में इसे बढ़ाया जाता रहा। अब इस पर सहमति नहीं बनने से देशों के पास इन सेवाओं पर शुल्क लगाने का रास्ता खुल सकता है। बैठक में इस मुद्दे पर अमेरिका और ब्राजील के बीच मतभेद सामने आए। कुछ देश इस व्यवस्था को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं थे या केवल दो साल का विस्तार चाहते थे, जबकि अमेरिका इसे पांच साल तक बढ़ाने की मांग कर रहा था। मौजूदा व्यवस्था 31 मार्च को समाप्त होने वाली है। सम्मेलन 26 मार्च से शुरू हुआ था और 29 मार्च को खत्म होना था, लेकिन इसे बढ़ाकर 30 मार्च तक चलाया गया।

सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले कैमरून के व्यापार मंत्री ल्यूक मैग्लॉयर म्बार्गा अतांगाना ने कहा कि व्यापार मंत्रियों ने कई मुद्दों को निपटाने की कोशिश की, लेकिन समय की कमी के कारण कुछ लंबित मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। इनमें ई-कॉमर्स पर डब्ल्यूटीओ की कार्य प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क वसूलने पर लगी वर्तमान रोक को जारी रखने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं (टीआरआईपीएस) से जुड़ी शिकायतों का समाधान जैसे विषय सम्मिलित थे।

उन्होंने कहा कि अब इन विषयों पर चर्चा संगठन के मुख्यालय जिनेवा में जारी रहेगी।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के लिए चुनाव अधिसूचना जारी, 6 अप्रैल तक नामांकन

पहले चरण में तमिलनाडु की सभी 234 और पश्चिम बंगाल में 152 सीटों पर होगा मतदान

कोलकाता, एजेंसी

चुनाव आयोग ने सोमवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान के लिए अधिसूचना जारी कर दी, जिससे दोनों राज्यों में औपचारिक रूप से चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गई है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही उम्मीदवारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। दोनों राज्यों में मतदान 23 अप्रैल को होने वाला है, जो दो राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में एक निर्णायक चुनावी प्रक्रिया होगी। पहले चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अप्रैल है, जबकि नामांकनों की जांच 7 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 9 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। विस्तृत कार्यक्रम के अनुसार, पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान शेष 142 विधानसभा क्षेत्रों में होगा, जिसके लिए मतदान 29 अप्रैल को प्रस्तावित है। इसके लिए अधिसूचना 2 अप्रैल को जारी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 9 अप्रैल तय की गई है। नामांकनों की जांच 10 अप्रैल को होगी, जबकि उम्मीदवार 13 अप्रैल तक नामांकन वापस ले सकेंगे। इससे राज्य में चुनावी मुकाबले के अंतिम चरण की तैयारी हो जाएगी। विधानसभा चुनावों की मतगणना 4 मई को होगी तथा पूरी चुनाव प्रक्रिया 6 मई तक पूरी कर ली जाएगी। इस अधिसूचना के साथ ही मतदान वाले क्षेत्रों में आचार संहिता (मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट) लागू हो गई है, जो प्रचार गतिविधियों को नियंत्रित करेगी और सभी उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करेगी। निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की जाएगी।

स्टालिन ने कोलाथुर विस सीट पर्चा भरा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने सोमवार को चेन्नई के कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र से 13 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद स्टालिन ने विश्वास जताया कि कोलाथुर क्षेत्र की जनता उन्हें लगातार चौथी बार शानदार जीत दिलाएगी। स्टालिन 2011, 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र से विजयी रहे हैं। नामांकन के तुरंत बाद उन्होंने रोड शो किया और लोगों का अभिवादन कर समर्थन मांगा। इस दौरान द्रमुक अध्यक्ष ने कोलाथुर क्षेत्र में अपने कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया।

शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम से पर्चा दाखिल किया

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत दर्ज करेगी। अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में एसडीओ के समक्ष अपना नामांकन पत्र सौंपा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। अधिकारी के साथ जिले से भाजपा के दो और प्रत्याशियों ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पार्टी की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त अधिकारी कहा कि इस बार मतदाताओं में भाजपा की मांग कहीं अधिक है। भाजपा पश्चिम बंगाल में स्वच्छ, भ्रष्टाचार मुक्त, विकासोन्मुखी और नैतिक सरकार लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोदी शबरिमला पर मौन, उन्हें धर्म की परवाह नहीं: राहुल

पत्तनमथिट्टा (केरल), एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि वह केरल दौरे के दौरान शबरिमला मुद्दे पर चुप रहे, जो साफ संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) साथ काम कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने अडूर में कांग्रेस की एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि नौ अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भाजपा के गठजोड़ से मुकाबला करना पड़ रहा है। कहा कि हम एलडीएफ के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जिसे भाजपा का पूरा समर्थन प्राप्त है। एक तरफ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) है और दूसरी तरफ माकपा-भाजपा का गठजोड़ है। गांधी ने कहा कि भाजपा यहां यूडीएफ को नहीं चाहती क्योंकि वे जानते हैं कि देश में उसे चुनौती देने वाली एकमात्र ताकत कांग्रेस है।

देश लूटने को समाज के सभी वर्गों में झगड़ा पैदा कर रही भाजपा: ममता

बेल्दा (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा कराने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह इस स्थिति का फायदा उठाकर देश लूटना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल सरकार के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सियासी 'आरोपपत्र' पर कड़ी आपत्ति जताई। कहा कि पहला आरोपपत्र उनके (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह) खिलाफ दाखिल किया जाना चाहिए, जिन्होंने दंगे भड़काकर सत्ता हासिल की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समाज के सभी वर्गों में झगड़ा करा रही है। वह ऐसी स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। उन्होंने भाजपा पर प्रशासनिक व पुलिस सेवाओं तक सभी मामलों में हिंदू और मुसलमानों को बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

- कहा-आरोप पर उन पर जारी हो जो दंगे भड़का कर जीत चुनाव

भाजपा ने ममता और तृणमूल नेताओं पर लगाया मतदाताओं को धमकाने का आरोप

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को निर्वाचन आयोग का रुख कर आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेता विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को भाजपा को वोट देने से रोकने के लिए डरा-धमका रहे हैं। इस संबंध में एक अर्जी सौंपते हुए, भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग से ममता बनर्जी को चुनाव प्रचार में भाग लेने से रोकने और तृणमूल नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की।

- चुनाव आयोग से शिकायत, प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग

निर्वाचन आयोग कार्यालय में अधिकारियों से मिलने गए भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, पीयूष गोयल और सुकांत मजूमदार तथा भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी और राज्यसभा सदस्य अरुण सिंह शामिल थे। भाजपा ने संवेदनशील और असुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्रों में केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाने की भी मांग की। कहा कि पश्चिम बंगाल पुलिस अप्रभावी हो गई है। भाजपा ने अर्जी में कहा कि राज्य प्रशासन और पुलिस द्वारा हिंसा या धमकी के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई के लिए निर्वाचन पर्यवेक्षकों के रूप में अधिक आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया जाए।

वर्ल्ड ब्रीफ

दक्षिण सूडान में बंदूकधारियों ने 70 लोगों की हत्या की

जुबा। अफ्रीकी देश दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा के बाहरी इलाके में सोने की खदान को लेकर हुए विवाद में अज्ञात बंदूकधारियों ने 70 से अधिक लोगों की हत्या कर दी। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार घटना का वीडियो प्रसारित हुआ है, जिसमें एक खुले मैदान में दर्जनों शव दिखाई दे रहे हैं। एक स्थानीय पत्रकार ने बताया कि माना जा रहा है कि कई अन्य पीड़ित झाड़ियों में भाग गए हैं। सूडान के राज्य जेबेल इराक में स्थित सोने की खदान को लेकर पूर्व में भी अवैध खनिकों और खनन कंपनियों के बीच हिंसक झड़पें हुई थीं। पुलिस प्रवक्ता क्वासीजवोक डोमिनिक अमोण्डोक ने बताया कि जैसे ही उन्हें हमले के बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी, वह उसे साझा करेंगे।

शंघाई-कोलकाता के लिए इंडिगो ने सीधी उड़ान सेवा शुरू की

बीजिंग। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने सोमवार को शंघाई और कोलकाता के बीच अपनी दैनिक उड़ान सेवा शुरू की, जिससे भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को मजबूती मिलेगी। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने 'इंडिगो6ई' उड़ान सेवा का उद्घाटन किया। शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर जानकारी दी कि इंडिगो के प्रबंधन से मुलाकात में माथुर ने कहा कि यह नई उड़ान सेवा भारत और क्षेत्र के बीच हवाई संपर्क बढ़ने और आर्थिक संबंधों में सकारात्मक संकेत है। इंडिगो और एयर इंडिया जैसी भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने शंघाई को नयी दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों से जोड़ना शुरू कर दिया है।

ब्रिटेन का राजनयिक को जासूसी के आरोप में रूस से निष्कासित

मास्को। रूस ने ब्रिटेन के एक राजनयिक को जासूसी के आरोप में सोमवार को निष्कासित कर दिया और उसे दो सप्ताह के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है। एफएसबी (सोवियत काल में केजीबी के नाम से मशहूर) ने कहा, ब्रिटेन के राजनयिक जेन्स वान रेंसबर्ग की राजनयिक मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया है और उन्हें दो सप्ताह के भीतर रूस छोड़ने का आदेश दिया गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को रूस में ब्रिटेन की कार्यवाहक राजदूत डैनी ढोलकिया को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। यह कार्रवाई उस खुलासे के बाद की गई, जिसमें कहा गया है कि ब्रिटिश दूतावास के एक राजनयिक ने देश में प्रवेश करते समय अपने बारे में जानबूझकर गलत जानकारी दी थी।

न्यूजीलैंड में इंदिरा गांधी के हत्यारे के भतीजे की पहचान उजागर

वेलिंगटन, एजेंसी

- पहचान उजागर न करने की अदालत में लड़ रहा था लड़ाई

इंदिरा गांधी के हत्यारों में से एक के भतीजे की पहचान न्यूजीलैंड की अदालत में पहचान गुप्त रखने का मुकदमा हारने के बाद जाहिर कर दी गई है। उसे मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में दोषी करार दिया गया था।

न्यूजीलैंड के वेब पोर्टल ''स्टफ'' ने शनिवार को खबर दी कि बलतेज सिंह को 700 किलोग्राम से अधिक मेथमफेटामाइन आयात करने के आरोप में 22 साल कारावास की सजा सुनाई गई है। यह न्यूजीलैंड के अधिकारियों द्वारा जब्त की गई अब तक की सबसे बड़ी मात्रा है। वह स्थायी रूप से अपना नाम गुप्त रखने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहा था। इससे पहले, 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले उनके अंगरक्षकों में से एक सतवंत सिंह के भतीजे बलतेज सिंह के नाम को स्थायी रूप से सार्वजनिक नहीं करने का आदेश यहां के उच्च न्यायालय ने दिया था। अदालत ने यह आदेश बलतेज की इस दलील को स्वीकार करते हुए सुनाया था कि यदि उसकी पहचान उजागर हो जाती है तो उसे और उसके परिवार को अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

कितनी उपयोगी कितनी दिलचस्प

भारत में जनगणना का इतिहास काफी पुराना है। यह जनसंख्या की गिनती ही नहीं, देश के सामाजिक-आर्थिक ढांचे को समझने का जरिया भी है। भारत में जनगणना की जड़ें वैसे तो कौटिल्य के अर्थशास्त्र से जुड़ी हैं, लेकिन आधुनिक पद्धति की शुरुआत ब्रिटिश काल में हुई। पहली गैर तुल्यकालिक जनगणना सन् 1872 में हुई थी, लेकिन यह जनगणना पूरे देश में एक साथ नहीं की गई थी। पहली पूर्ण जनगणना सन् 1881 में लॉर्ड रिपन के समय में पूरे देश में एक साथ हुई। तभी से हर 10 साल में एक बार जनगणना कराने की परंपरा शुरू हुई। वर्ष 2011 तक भारत में 15 बार जनगणना हो चुकी है। स्वतंत्रता के बाद अब तक सात और ब्रिटिश काल में आठ बार जनगणना हुई जिसमें 1921 को महान विभाजक वर्ष कहा जाता है क्योंकि तब जनसंख्या वृद्धि दर ऋणात्मक थी। वर्ष 2021 की जनगणना कोविड-19 के कारण टल गई थी।

भारत में जनगणना

जनगणना के नियम और कानूनी ढांचा

- जनगणना अधिनियम 1948 मुख्य कानून है, इसे तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने पेश किया था।
- संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत जनगणना संघ सूची का विषय है। यानी इसे केंद्र सरकार ही करा सकती है।
- गृह मंत्रालय के अधीन महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त इस प्रक्रिया का संचालन करने के जिम्मेदार होते हैं।
- जनगणना के दौरान ली गई जानकारी बेहद गोपनीय होती है, इसे साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकते।
- हर नागरिक के लिए सवालों का सही जवाब देना कानून के तहत अनिवार्य, गलत जानकारी देने पर दंड का प्रावधान।

जनगणना के दो चरण

- **मकान सूचीकरण** : इसमें घरों की स्थिति और उनमें उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली जाती है।
- **जनसंख्या गणना** : लोगों की उम्र, लिंग, साक्षरता, व्यवसाय व धर्म जैसी जानकारी जुटाई जाती है।

वर्ष 2011 की जनगणना

- इसमें भारत की आबादी लगभग 121.08 करोड़ दर्ज की गई थी।
- उस समय भारत दुनिया की कुल आबादी का 17.5% हिस्सा था।
- 2001 से 2011 के बीच देश की जनसंख्या 17.7% की दर से बढ़ी।
- औसत साक्षरता 2001 में 64.8% थी जो 74.04% हो गई थी थी।

ये थे खास तथ्य

- वर्ष 2011 की जनगणना में पहली बार ट्रांसजेंडर को अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया गया था।
- उत्तर प्रदेश की आबादी 20 करोड़ थी, यह दुनिया के 5वें सर्वाधिक आबादी वाले देश के बराबर है।

लिंगानुपात

वर्ष 2001 में प्रति 1,000 पुरुषों पर 933 महिलाएं थीं जो 2011 में 943 हो गईं। सबसे अच्छा लिंगानुपात केरल में 1084 और सबसे कम 879 का हरियाणा में था। 2011 में शून्य से 6 वर्ष का बाल लिंगानुपात चिंताजनक ढंग से गिरकर 919 पर आ गया था।

इस बार जनगणना में क्या खास

- नागरिकों के पास इस बार मोबाइल एप या वेब पोर्टल पर अपना विवरण खुद भरने का विकल्प होगा।
- जो सरकारी कर्मचारी घर-घर आएंगे, वे फॉर्म के बजाय स्मार्टफोन और टैबलेट पर डेटा दर्ज करेंगे।
- सरकार का लक्ष्य जनगणना के डेटा को जन्म-मृत्यु पंजीकरण और चुनावी रोल के साथ जोड़ने का है।
- कोई व्यक्ति 18 वर्ष का होगा, तो उसका नाम स्वतः मतदाता सूची में जुड़ने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।
- मृत्यु होने पर डेटाबेस से नाम हटाना आसान होगा, सरकारी योजना का लाभ सही आदमी तक पहुंचेगा।
- अब तक एससी-एसटी का डेटा ही अलग से लिया जाता था, इस बार ओबीसी का भी डेटा अलग होगा।

ईरान होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से ट्रांजिट टोल वसूल करने की तैयारी में

सांसद अलाउद्दीन बोरुजेर्दी ने की कानून बनाने के लिए विधेयक लाने की घोषणा

- परमाणु रुख को कड़ा कर अप्रसार संधि से हटने का भी दिया संकेत

तेहरान, एजेंसी

ईरान सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर कड़ा नियंत्रण करने की तैयारी में है। ईरानी सांसद एक ऐसा विधेयक लाने की कोशिश कर रहे हैं जो पारगमन शुल्क (ट्रांजिट टोल) और गुजरने वाले जहाजों के लिए अनिवार्य मंजूरी सहित एक नई नियामक प्रणाली पेश करेगा। वरिष्ठ ईरानी सांसद अलाउद्दीन बोरुजेर्दी ने कहा कि इस कानून को ईरानी संसद (मजलिस) की ओर से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है और यह कानून लागू होने के बाद ईरान की अनुमति के बिना किसी भी जहाज को इस जलमार्ग से गुजरने नहीं दिया जाएगा।

प्रस्तावित कानून के तहत, जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा और संबंधित सेवाओं के बदले शुल्क देना होगा। एसएनएन टीवी चैनल ने बोरुजेर्दी के हवाले से कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य पर हमारा पूर्ण नियंत्रण है। मजलिस द्वारा विधेयक अपनाए जाने के बाद जल्द एक नई प्रणाली इस जलमार्ग को नियंत्रित करेगी। यह कदम ईरानी संसद की नागरिक मामलों की समिति के अध्यक्ष मोहम्मद रजा रजाई कूची की पिछली टिप्पणियों के बाद आया है, जिन्होंने पुष्टि की थी कि पारगमन शुल्क लगाने का कानून प्रक्रिया में है।

बोरुजेर्दी ने ईरान के परमाणु रुख को कड़ा करने का भी संकेत दिया और कहा कि ईरान के लिए परमाणु अप्रसार संधि से हटने का समय आ गया है। उन्होंने तर्क दिया कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी परमाणु सुविधाओं पर हाल के हमलों के बाद यह समझौता अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। होर्मुज पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध की पृष्ठभूमि में भू-राजनीतिक तनाव का केंद्र बना हुआ है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह खर्ग द्वीप पर कब्जा करना पसंद करेंगे जहां से ईरान का 90 प्रतिशत तेल गुजरता है।

इजराइल के शेफाराम शहर में ईरान के मिसाइल हमले के बाद क्षतिग्रस्त एक घर।

आर्थिक आतंकवाद शुरू कर रहा है ईरान : यूएई

होर्मुज से संबंधित इस प्रस्तावित कानून की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी आलोचना हो रही है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रौद्योगिकी मंत्री सुल्तान अहमद अल जाबेर ने चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को हथियार बनाने का कोई भी प्रयास आर्थिक आतंकवाद के समान होगा, जिसके वैश्विक उपभोक्ताओं के लिए दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा, जब ईरान होर्मुज पर नियंत्रण स्थापित करेगा तो हर देश को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। ईरान ने यह भी कहा कि मौजूदा संघर्ष ने उसकी सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचाया है। इस युद्ध के दौरान लगभग 131 ऐतिहासिक स्थल और 64 पर्यटन स्थल क्षतिग्रस्त हुए हैं।

ईरान के मिसाइल हमले के बाद इजराइली तेल रिफाइनरी में आग लगी

दुबई। ईरान के मिसाइल हमले के बाद उत्तरी इजराइल के हाइफा शहर में बाजार तेल रिफाइनरी में सोमवार को आग लग गई। घटनास्थल के वीडियो में बड़े रिफाइनरी टैंक में आग की लपटें और घना काला धुआं दिखाई दिया, जिसे बाद में इजराइल की अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं ने बुझा दिया। हमले में एक औद्योगिक भवन भी क्षतिग्रस्त हो गया। इजराइल के अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। दमकलकर्मी आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोकने के साथ संभावित रूप से फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। इजराइल में केवल दो ही रिफाइनरियां हैं।

स्पेन: अमेरिकी विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद

मैड्रिड। रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोबल्स ने सोमवार को घोषणा की कि स्पेन ने ईरान युद्ध में शामिल अमेरिकी विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। रोबल्स ने कहा, यह बात शुरू से ही स्पष्ट कर दी गई थी। इसलिए ईरान युद्ध से संबंधित किसी भी कार्रवाई के लिए स्पेन के हवाई क्षेत्र का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के नेतृत्व वाली स्पेन सरकार पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इजराइली सैन्य कार्रवाई की सबसे मुखर आलोचक रही है।

हम खुश, ईरान और अमेरिका ने मध्यस्थता के लिए हमें चुना

- पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा- जल्द होगी शांति समझौते के लिए वार्ता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान जल्द ही ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता वार्ता की मेजबानी करने के लिए तैयार है। विदेश मंत्री एवं उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इसको लेकर मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की के शीर्ष राजनयिकों के साथ बातचीत हुई है।

ये बातचीत ऐसे समय में हुई जब ईरान ने अमेरिका को जमीनी हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी थी और अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग के चलते वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। डार ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि बातचीत सीधी होगी या परोक्ष, या यह कब और कहां होगी लेकिन उन्होंने कहा कि यह आने वाले दिनों में होगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्री के दावों के बाद अमेरिका या ईरान में से किसी ने तत्काल कोई टिप्पणी जारी नहीं की। डार ने कहा, पाकिस्तान बहुत खुश है कि ईरान और अमेरिका दोनों ने बातचीत में पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भरोसा जताया है। राजनयिकों से मुलाकात के बाद डार ने दावा किया कि उन्होंने मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान के प्रयासों का सक्रिय रूप से समर्थन किया है और पाकिस्तान से अपील की है कि वह शामिल पक्षों के बीच व्यवस्थित बातचीत के लिए माहौल तैयार करे।

लेबनान : तीन हफ्ते में 3,70,000 बच्चों समेत 10 लाख लोगों ने घर छोड़ा

बेरूत। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक ओर सेना को दक्षिणी लेबनान में आक्रमण का विस्तार करने का निर्देश दिया है, वहीं दूसरी ओर यूनिसेफ ने चेतावनी दी है कि लेबनान में तेजी से बढ़ते संघर्ष ने बड़ा मानवीय संकट पैदा कर दिया है। मात्र तीन हफ्तों के भीतर देश की लगभग 20 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है। प्रभावित लोगों में 3,70,000 से अधिक बच्चे शामिल हैं।

यूनिसेफ की रिपोर्ट

यूनिसेफ के अनुसार, हर दिन औसतन 19,000 बच्चे घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। नेतन्याहू ने रविवार को नॉर्दर्न कमांड से जारी वीडियो संदेश में कहा है, मैंने अभी मौजूदा सुरक्षा बफर जोन का और विस्तार करने का निर्देश दिया है। हम इजराइल के उत्तर की स्थिति को मौलिक रूप से बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही उन्होंने कब्जे वाले गाजा मॉडल को दोहराने के प्रयास को आगे बढ़ाया। यूनिसेफ के अधिकारियों का कहना है कि विस्थापन की गति और पैमाना हाल के वर्षों में अभूतपूर्व है। पूरे देश में 10 लाख से अधिक लोग घरों से भागने को मजबूर हुए हैं। कई तीसरी या चौथी बार विस्थापित हुए हैं।

इजराइल की संसद में बजट पारित, कार्यकाल पूरा कर सकेंगे नेतन्याहू

तेल अवीव। इजराइल की संसद ने सोमवार को रातभर चले मैराथन सत्र में वार्षिक बजट पारित कर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर सकेगी। इजराइल को समय पूर्व चुनाव से बचने के लिए एक अप्रैल से पहले बजट पारित करना आवश्यक था। इजराइल के विपक्षी दल ने बजट की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसमें अति-रूढ़िवादी समुदायों को मिलने वाली धनराशि में वृद्धि की गई है, जबकि देश ईरान युद्ध के कारण बढ़ती महंगाई का सामना कर रहा है और गाजा में दो साल से जारी युद्ध से उबर नहीं पाया है।

लिव इन में रहने वालों को माना जाएगा वैवाहिक दंपती के समान

नई दिल्ली, एजेंसी

- जनगणना के पहले चरण के लिए 33 अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों की सूची जारी

भारत में जनगणना के सिलसिले में स्वगणना पोर्टल पर दिए गए अक्सर पूछे जाने वाले सवालों में कहा गया है कि अगर सहजीवन यानी लिव इन में रहने वाले दो लोग एक-दूसरे को हमेशा के लिए अपना मानते हैं तो उन्हें जगणना के दौरान वैवाहिक दंपती के समान माना जाए।

जनगणना के दौरान स्वगणना का विकल्प चुनने वालों के लिए पोर्टल खोल दिया गया है। यह पोर्टल जनगणना के दोनों चरणों हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना (एलएलओ) और जनसंख्या गणना के लिए उपलब्ध होगा। पोर्टल पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) की सूची दी गई है ताकि लोग देश की 16वीं जनगणना के दौरान पूछे जाने वाले सवालों का आसानी से उत्तर दे सकें। एफएक्यू में कहा गया है, क्या लिव इन संबंध में रहने वाले जोड़े को विवाहित जोड़ा माना जाएगा, यदि वे हमेशा के लिए एक-दूसरे को अपना मानते हैं तो उन्हें विवाहित जोड़े के रूप में माना जाए।

सरकार ने एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाले जनगणना हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग गणना के पहले चरण के दौरान लोगों से पूछे जाने वाले 33 प्रश्न अधिसूचित किए हैं। पहले चरण में पूछे जाने वाले प्रश्नों में घर के फर्श और छत में इस्तेमाल सामग्री, वहां रहने वाले विवाहित जोड़ों की संख्या, परिवार के मुखिया का लिंग, उपभोग किए जाने वाले अनाज का प्रकार, बुनियादी और आधुनिक आवश्यकताओं तक पहुंच और स्वामित्व वाले वाहनों के प्रकार शामिल होंगे।

ऐसे होगी प्रश्नों की शुरुआत

प्रश्नों की शुरुआत भवन संख्या (नगरपालिका या स्थानीय प्राधिकरण या जनगणना संख्या), जनगणना मकान संख्या, और घर के फर्श, दीवार और छत में उपयोग की गई प्रमुख सामग्री पूछने से होगी। इसके बाद गणनाकर्ता घर के उपयोग, उसकी स्थिति, और उसमें सामान्य रूप से रहने वाले व्यक्तियों की संख्या के बारे में पूछेंगे। अधिकारी परिवार के मुखिया के बारे में नाम और लैंगिक पहचान की जानकारी भी एकत्र करेंगे।

पटरी पर गिरा यात्री, दिल्ली में डेढ़ घंटे थमी रही मेट्रो सेवा

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन के विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के पटरी पर गिर जाने के कारण मेट्रो सेवाएं करीब डेढ़ घंटे तक बाधित रहीं। इस बीच मेट्रो का इंतजार कर रहे यात्रियों की प्लेटफॉर्मों पर भारी भीड़ इकट्ठी हो गई गई।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के पटरी पर होने के कारण येलो लाइन पर ट्रेन सेवाओं के संचालन में देरी हुई। डीएमआरसी ने कहा कि घटना के बाद सुरक्षा कारणों से येलो लाइन पर ट्रेन सेवाओं को नियंत्रित किया गया, जिससे सुबह के व्यस्त समय में इस कॉरिडोर के कई स्टेशन पर मेट्रो के लिए प्रतीक्षा का समय बढ़ गया और भीड़ एकत्रित हो गई।

- मेट्रो के इंतजार में प्लेटफॉर्मों पर इकट्ठी हुई यात्रियों की भारी भीड़

डीएमआरसी के अनुसार, करीब डेढ़ घंटे बाद येलो लाइन पर सामान्य सेवाएं बहाल कर दी गईं। दिल्ली पुलिस की मेट्रो इकाई ने एक बयान में कहा कि विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर 52 वर्षीय एक व्यक्ति पटरी पर गिरने से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी स्टेशन नियंत्रक से मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक मेट्रो कर्मियों द्वारा घायल को हिंदू राव अस्पताल भेजा जा चुका था। घायल की पहचान अनिल कुमार के रूप में हुई है, जो करावल नगर के निवासी हैं। अस्पताल में उन्होंने पुलिस को बताया कि प्लेटफॉर्म के किनारे खड़े रहने के दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर गए।

बडगाम : बीएसएफ जवान के घर में मिले नशीले पदार्थ, अफसरों ने शुरू की जांच

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में पुलिस ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक कांस्टेबल के खिलाफ उसके आवास से संदिग्ध नशीले पदार्थ बरामद होने के बाद मामला दर्ज किया है।

प्राथमिकी रविवार को बडगाम थाने में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 8/20 के तहत दर्ज की गई। यह कार्रवाई बीएसएफ कश्मीर फ्रंटियर मुख्यालय, हुमहामा की ओर से शिकायत पर की गई। उन्होंने बताया 28 मार्च की शाम बीएसएफ अधिकारियों ने 112 बटालियन के एक कांस्टेबल के हुमहामा स्थित आवास पर तलाशी ली जिसमें 2.3 किलो गांजा और एक सिम कार्ड सहित एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया गया।

वानूआतू के समीप आया 7.3 तीव्रता का भूकंप

वेलिंगटन। दक्षिण प्रशांत महासागर में वानूआतू के समीप सोमवार को जबर्दस्त भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र लगभग 115 किमी की गहराई पर था। कम गहराई पर आने वाले भूकंप सतह पर अधिक तीव्रता से महसूस किए जाते हैं। यह भूकंप वानूआतू के लुगानविले से लगभग 35 किमी उत्तर-पूर्व में आया। हालांकि भूकंप के कारण किसी प्रकार की क्षति या सुनामी लहरों की कोई खबर नहीं है।

नेपाल में ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन जारी

काठमांडू। नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहे। इस बीच, प्राधिकारियों ने धन शोधन को लेकर तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ जांच तेज कर दी है। ओली नीत कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) और उसके सहयोगी संगठनों एवं छात्र इकाइयों के सैकड़ों कार्यकर्ता सोमवार सुबह नया बनेश्वर क्षेत्र में इकट्ठा हुए। उन्होंने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं।

रक्षा उपलब्धि — सरकारी स्वामित्व वाली गार्डन रीच शिपबिल्डिंग एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने निर्मित किए हैं तीनों जहाज

भारतीय नौसेना को मिले तीन जहाज, बढ़ेगी सामरिक ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना को सोमवार को सरकारी स्वामित्व वाली गार्डन रीच शिपबिल्डिंग एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) की ओर से निर्मित तीन नए जहाज प्राप्त हुए। दूनागिरि, संशोधक और अग्रय नाम के इन जहाजों से नौसेना की समग्र युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

दूनागिरि, प्रोजेक्ट 17ए के तहत नीलगिरी श्रेणी का पांचवां जहाज है और इस श्रेणी का दूसरा पोत भी है। प्रोजेक्ट 17ए के अंतर्गत बनाए गए ये जहाज बहुउद्देश्यीय प्लेटफॉर्म हैं, जिन्हें समुद्री क्षेत्र में वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस जहाज का नाम पुराने आईएनएस दूनागिरि से लिया गया है, जो एक लीएंडर श्रेणी का फ्रिगेट था और 1977 से 2010 तक भारतीय नौसेना के बेड़े का हिस्सा रहा।

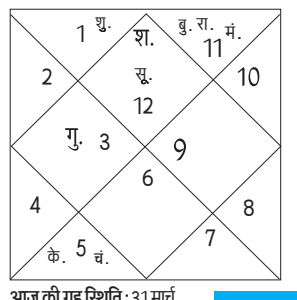

इस पोत में ब्रह्मोस मिसाइल, रॉकेट और टॉरपीडो जैसे शक्तिशाली हथियारों का समावेश किया गया है। संशोधक एक सर्वेक्षण पोत है जो यह बंदरगाहों के तटीय और गहरे समुद्री क्षेत्रों का पूर्ण स्तर पर हाइड्रोग्राफिक सर्वे करने में सक्षम है। 110 मीटर लंबाई वाले संशोधक में अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक उपकरण हैं। इसी श्रेणी के अन्य जहाज़ आईएनएस संधायक, आईएनएस निर्देशक और आईएनएस इक्षाक को क्रमशः फरवरी 2024, दिसंबर 2024 और नवंबर 2025 में सेवा में शामिल किया गया था।

क्रूज मिसाइलों व उन्नत रक्षा प्रणालियों से लैस है दूनागिरि

नौसेना ने एक बयान में कहा कि पोत विध्वंसक ब्रह्मोस और जमीन पर हमला करने वाली क्रूज़ मिसाइलों के साथ उन्नत रक्षा प्रणालियों से लैस दूनागिरि नौसेना की मारक और रक्षा क्षमताओं का एक महत्वपूर्ण प्रतिबिंब है। बयान के अनुसार, जीआरएसई द्वारा निर्मित चार बड़े सर्वेक्षण पोतों में से अंतिम 'संशोधक' नौसेना की सर्वेक्षण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का परिचायक है। जीआरएसई द्वारा बनाए जा रहे आठ पनडुब्बी रोधी जलयानों में से एक 'अग्रय' को तटीय जलक्षेत्र में अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रेम संबंधों के प्रति समर्पित रहेंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा।

वृष — आज सरकारी नियमों के पालन में सावधानी रखें। अनावश्यक यात्राओं से बचें। पेट में जलन की शिकायत हो सकती है।

मिथुन — आज आय के साथ आपके खर्च अचानक बढ़ सकते हैं। साझेदारी वाले व्यवसाय में सावधानी बरतनी अत्यन्त आवश्यक है।

कर्क — आज नए कार्यों को आरंभ करना उचित नहीं है। पैरों में चोट लग सकती है। कार्यक्षेत्र में ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में उच्च पद मिलने के योग बन रहे हैं। बच्चों से शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा।

कन्या — आज कानूनी मामलों में समझौता हो सकता है। अटकी हुई परियोजनाएं पुनः प्रारम्भ हो सकती हैं। अधिकारियों के साथ तालमेल बढ़ेगा।

तुला — आज आप एक साथ अनेक कार्य करना पसंद करेंगे। पिछले काफी समय से उतार-चढ़ाव की परिस्थितियों में सुधार होगा।

वृश्चिक — आज आकस्मिक खर्चों में बढ़ोत्तरी होगी। लोग आपको स्वार्थी समझ सकते हैं। कब्ज और गैस के कारण आपकी दिनचर्या खराब हो सकती है।

धनु — आज जीवनसाथी के साथ रिश्तों को लेकर प्रेम भाव बढ़ेंगे। व्यापार को लेकर यात्रा कर सकते हैं। मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा।

मकर — आज अपनी जिम्मेदारियों को लेकर जागरूकता बढ़ेगी। डायबिटीज के रोगियों को अपनी सेहत का ध्यान रखना पड़ेगा।

कुंभ — आज प्रतिभा को विकसित करने का प्रयास करेंगे। तकनीकी शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यन्त उत्तम है।

मीन — आज नए निवेश करने में सावधानी रखने की आवश्यकता है। नजदीकी लोग आपसे शत्रुवत व्यवहार रख सकते हैं।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 31 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 06.55 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाफाल्गुनी 03.20 तक तत्पश्चात उत्तरफाल्गुनी।

सुडोकू - 104 का हल

1	3	9	7	6	5	4	8	2
2	7	8	4	1	3	5	9	6
4	6	5	2	9	8	1	7	3
7	9	2	6	5	4	8	3	1
8	5	1	9	3	7	2	6	4
3	4	6	8	2	1	9	5	7
5	8	3	1	7	2	6	4	9
6	1	4	3	8	9	7	2	5
9	2	7	5	4	6	3	1	8

सुडोकू -105

				6		4		
4	7	8	1			9		
			2		4			
6							2	
3		7				5		8
	2		8		7		1	
			9					
		9			6		7	
		5		4				

श्रेयस अय्यर के लिए आईपीएल की ट्रॉफी जीतने की ललक अब पहले से कहीं अधिक है जिससे वह 2026 सत्र में और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बेताब हैं। मैं उनकी आंखों में उनके जुनून को देख सकता हूं।

-रिकी पोंटिंग, मुख्य कोच, पंजाब किंग्स

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार, 31 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सूर्यवंशी के ताबड़तोड़ अर्धशतक से राजस्थान ने चेन्नई को 8 विकेट से रौंदा

आईपीएल-2026 : सीएसके की नहीं चली बल्लेबाजी, सिर्फ 127 रनों पर सिमटी

IPL 2026

आज का मुकाबला

पंजाब किंग्स — बनाम — गुजरात टाइटंस

समय - शाम 7:30 बजे

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	1	1	0	0	2	4.171
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	1	1	0	0	2	2.907
3.	मुंबई इंडियंस	1	1	0	0	2	0.687
4.	कोलकाता नाइट राइडर्स	1	0	1	0	0	-0.687
5.	सनराइज़र्स हैदराबाद	1	0	1	0	0	-2.907
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	1	0	1	0	0	-4.171
7.	दिल्ली कैपिटल्स	-	-	-	-	-	-
8.	गुजरात टाइटंस	-	-	-	-	-	-
9.	लखनऊ सुपर जायंट्स	-	-	-	-	-	-
10.	पंजाब किंग्स	-	-	-	-	-	-

ऑरेंज कैप

रियन रिकलटन मुंबई 81 रन

ईशान किशन हैदराबाद 80 रन

रोहित शर्मा मुंबई 78 रन

पर्पल कैप

जैकब डफी आरसीबी 3 विकेट

शार्दुल ठाकुर मुंबई 3 विकेट

रोमारियो शैफर्ड आरसीबी 3 विकेट

गुवाहाटी, एजेंसी

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद हाल ही में अपना 15वां जन्मदिन मनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी के बूते राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल टी20 मैच में सोमवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स को 47 गेंद शेष रहते आठ विकेट से रौंदकर अपने अभियान का बेहतरीन तरीके से आगाज किया।

जैमी ओवरटन की 36 गेंदों में 43 रन की पारी के बावजूद चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम 19.4 ओवर में 127 रन पर आउट हो गई। मैन ऑफ द मैच बर्गर, जोफ्रा आर्चर, रविंद्र जडेजा ने दो-दो विकेट लेकर राजस्थान की ओर से शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। सूर्यवंशी ने 17 गेंदों की पारी में चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 52 रन बनाए, जिससे जीत के लिए मिले 128 रन के लक्ष्य को राजस्थान रॉयल्स ने 12.1 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया। यह मैच में बची हुई गेंदों के लिहाज से राजस्थान की सबसे बड़ी जीत है।

सूर्यवंशी ने अपना अर्धशतक महज 15 गेंदों में पूरा कर अपने 15वें जन्मदिन के तीन दिन बाद खुद को शानदार तोहफा दिया। उन्हें यशस्वी जायसवाल का अच्छा साथ मिला। दोनों ने महज 38 गेंदों में 75 रन की साझेदारी कर पावरप्ले में ही टीम की जीत लगभग पक्की कर दी थी। अंशुल कंबोज ने चेन्नई के लिए दो विकेट लिए, लेकिन यह राजस्थान की तूफानी बल्लेबाजी को रोकने के लिए काफी नहीं था। लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यवंशी ने मैट हेनरी का स्वागत चौके और छक्के से करने के बाद उनके अगले ओवर में एक और छक्का जड़कर आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए अंशुल कंबोज की लगातार गेंदों पर चौका लगाने के बाद लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का जड़ा, जिससे टीम ने पांचवें ओवर में 50 रन पूरे किए। सूर्यवंशी ने छठे ओवर में गेंदबाजी के लिए आए नूर अहमद के खिलाफ लगातार दो छक्कों के साथ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह राजस्थान के लिए दूसरा सबसे तेज और किसी भारतीय बल्लेबाज का इस लीग में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। हालांकि, सूर्यवंशी अगले ओवर में कंबोज की गेंद पर सरफराज खान को कैच दे बैठे। क्रीज पर आए ध्रुव जुरेल ने लगातार गेंदों पर चौकों के साथ टीम की आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी।

इससे पहले राजस्थान रॉयल्स ने तेज गेंदबाजों के लिए मददगार परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स को 127 रन पर समेट दिया। बारिश के कारण पिच कुछ समय तक ढकी रहने के बाद राजस्थान के पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। चेन्नई सुपरकिंग्स की बल्लेबाजी बेहद निराशाजनक रही। पिछले सत्र में अंक तालिका में निचले पायदान पर रहने वाली दोनों टीमों ने इस सत्र से पहले अपने स्टार खिलाड़ियों रविंद्र जडेजा और संजू सैमसन की अदला-बदली की थी। जडेजा की राजस्थान में वापसी सफल रही और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में दो विकेट झटके।

चेन्नई सुपर किंग्स

127/10 (19.4 ओवर)

संजू सैमसन बो बर्गर	06
रुतुराज गायकवाड़ बो आर्चर	06
आयुष महात्रे स्टं. जुरेल बो बर्गर	00
मैथ्यू शॉर्ट का जायसवाल बो संदीप	02
सरफराज खान पगबाधा जडेजा	17
कार्तिक शर्मा पगबाधा बृजेश	18
शिवम दूबे का बिश्नोई बो जडेजा	06
जैमी ओवरटन रन आउट	43
नूर अहमद का जुरेल बो आर्चर	01
मैट हेनरी का एवं बो बिश्नोई	05
अंशुल कंबोज नाबाद	07

गेंदबाजी : आर्चर 4-0-19-2, बर्गर 4-0-26-2, बृजेश 3-0-17-1, संदीप 2.4-0-22-1, बिश्नोई 3-0-16-1, जडेजा 3-0-18-2

राजस्थान रॉयल्स

128/2 (12.1 ओवर)

यशस्वी जायसवाल नाबाद	38
सूर्यवंशी का सरफराज बो कंबोज	52
ध्रुव जुरेल बो कंबोज	18
रियान पराग नाबाद	14

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-40-0, खलील 3-0-17-0, कंबोज 3-0-27-2, नूर 2-0-24-0, ओवरटन 1-0-14-0, शॉर्ट 0.1-0-1-0

हाईलाइट

यानिक सिनर ने लेहेका को हराकर जीती मियामी ओपन

मियामी गार्डन्स। यानिक सिनर ने जिरि लेहेका को 6-4, 6-4 से हराकर मियामी ओपन पुरुष एकल खिताब जीत लिया और एरिना सबालेंका के बाद उनका भी 'सनशाइन डबल' पूरा हो गया। सबालेंका ने कोको गाफ को हराकर महिला एकल खिताब जीता था। इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक साथ जीतने को 'सनशाइन डबल' कहा जाता है और 2017 में रोजर फेडरर के बाद यह कमाल करने वाले सिनर दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। सिनर ने तीन साल पहले भी मियामी ओपन जीता था। पिछले साल प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण निलंबन की वजह से वह इस टूर्नामेंट से बाहर रहे थे।

फखर जमां, अफरीदी और रजा ने आरोपों को खारिज किया

लाहौर। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज फखर जमां, तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा ने लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच पाकिस्तान सुपर लीग के मैच के दौरान गेंद से छेड़खानी के आरोपों को खारिज किया है। 35 वर्ष के फखर को मैच रैफरी रोशन महानामा ने पीएसएल की खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये आचार संहिता की धारा 2.14 के तहत लेवल तीन के अपराध का दोषी पाया था। जमां को पीएसएल के अनुच्छेद 41.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। यह अनुच्छेद गेंद की स्थिति को बदलने वाली किसी भी हरकत पर रोक लगाता है।

रोहित शर्मा अपना दबदबा बनाने के लिए तैयार : कुंबले

मुंबई। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले आईपीएल के इस सत्र के पहले मैच में रोहित शर्मा के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हैं और उनका मानना है कि रोहित का '2.0 अवतार' पूरे टूर्नामेंट में विरोधी टीमों के लिये चिंता का सबब रहेगा। 38 वर्ष के रोहित ने 38 गेंद में 78 रन बनाये जिसकी मदद से मुंबई इंडियंस ने रविवार को आईपीएल के पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया। कुंबले ने स्टार स्पोर्टर्स' से कहा लगता है कि रोहित शर्मा अपने 2.0 अवतार में आ गए हैं। उनकी पारी से साबित हो गया है कि वह फिर से अपना दबदबा बनाने को तैयार हैं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे थे, मुझे उनके कैरियर के शीर्ष दिनों की याद आ गई। उन्होंने कहा वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे

गेंदबाजों को छक्के लगाना आसान नहीं है लेकिन उसने इसे आसान बना दिया। उसने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है और ब्रेक के बाद लौटने पर लय और टाइमिंग हासिल करने में पांच से सात दिन लगते हैं। कुंबले ने कहा वह शानदार पारी थी। छक्के आसानी से लग रहे थे। इस पारी ने साबित कर दिया कि रोहित का यह अवतार आईपीएल की बाकी टीमों के लिए चिंता का सबब होगा।

सूर्या को इंपैक्ट सब के तौर पर एहतियातन इस्तेमाल किया गया : जयवर्धने

मुंबई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा कि भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को टीम के पहले आईपीएल मैच में चोट के कारण 'इंपैक्ट सब' के तौर पर इस्तेमाल किया गया और इसमें कोई गैर जरूरी कहानी बनाने की जरूरत नहीं है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में सूर्यकुमार ने फील्डिंग नहीं की और आठ गेंद में 16 रन बनाए। मुंबई ने केकेआर को छह विकेट से हराया। मैच के बाद जयवर्धने से पूछा गया कि पिछले सत्र में भारत और मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के बाद क्या अब सूर्यकुमार यादव को 'इंपैक्ट सब' के तौर पर इस्तेमाल किया जायेगा, इस पर उन्होंने कहा उम्मीद है कि कोई अवांछित कहानी नहीं बनाई जाएगी। टीम खुश है। उसे अतिरिक्त ब्रेक दिया गया था जो वह चाहता था। उन्होंने कहा उसे मामूली सी जकड़न है और वह फील्डिंग वगैरह कर रहा था। मुझे पता है कि अगले मैच में पांच दिन का समय है तो उसे अतिरिक्त समय देना चाहता था। वह तीन चार ओवर फील्डिंग के लिये तत्पर था

लेकिन मैने मना किया। जयवर्धने ने कहा इसलिए प्लीज कोई कहानियां मत बनाइये। मैने कहा कि एहतियात के तौर पर ऐसा किया गया था। ये काफी अनमोल खिलाड़ी हैं और ये फैसले सोच समझकर लिये जाते हैं। उन्होंने खुशी जताई कि आखिरकार मुंबई इंडियंस ने पहला मैच हारने का सिलसिला तोड़ा। रोहित (78) और रियान रिकेलटन (81) की पारियों के दम पर मुंबई ने 221 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया। कोच ने कहा यह बल्लेबाजी के लिये अच्छा विकेट था। मुझे लगा कि 220 रन का स्कोर ज्यादा था और हमने 20 रन फालतू दिये लेकिन जिस तरह से रोहित और रियान ने बल्लेबाजी की, देखकर बहुत अच्छा लगा।

खुद को साबित करने उतरेंगे गिल और अय्यर

मुल्लांपुर, एजेंसी

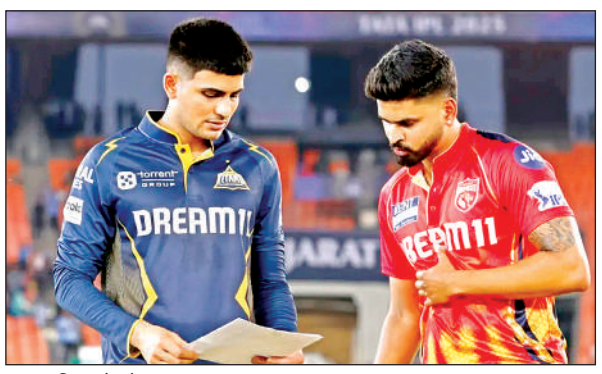

शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर।

भारतीय टीम से बाहर टी20 बल्लेबाज शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर जब इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में क्रमशः गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स की अगुवाई करेंगे तो उनका इरादा खुद को साबित करने का भी होगा।

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल को टी20 टीम का उपकप्तान बनाया गया था लेकिन बाद में विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह संजू सैमसन को चुना गया था जिनका भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान रहा। वर्ष 2023 के बाद से आईपीएल में गिल से ज्यादा रन सिर्फ विराट कोहली ने बनाये हैं लेकिन अब फोकस निरंतरता की बजाय स्ट्राइक रेट पर है। गिल का टी20 कैरियर का स्ट्राइक रेट 138 है लेकिन पिछले साल उन्होंने 155 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अब बल्लेबाजी कोच के तौर पर मैथ्यू हेडन स्टाफ का हिस्सा है लिहाजा गिल की छक्के मारने के कौशल और बल्लेबाजी पर नजर रखी जायेगी। हार्दिक पंड्या के जाने के बाद से गिल ने कप्तानी का जिम्मा भी बखूबी संभाला है। अपने पदार्पण वर्ष 2022 में आईपीएल खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस पिछले साल तीसरे स्थान पर रही। एक बार फिर टीम संतुलित लग रही है। सलामी बल्लेबाज गिल और साइ सुदर्शन सबसे बड़ी ताकत हैं। सुदर्शन ने पिछले सत्र में सर्वाधिक 759 रन बनाये थे। वह पसली के फ्रेक्चर से उबरकर लौट रहे हैं पर घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात के पास विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जैसे विकल्प हैं जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 160 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाये थे।

पंजाब किंग्स के लिये एक बार फिर श्रेयस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा जो तीन अलग अलग टीमों को आईपीएल फाइनल तक ले जा चुके हैं। उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स 2020 में और पंजाब पिछले सत्र में फाइनल तक पहुंची जबकि केकेआर ने 2024 में खिताब जीता था। लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद श्रेयस को भारतीय टी20 टीम में जगह नहीं मिली और भारत के लिये आखिरी टी20 उन्होंने दिसंबर 2023 में खेला था। पिछले सत्र में उन्होंने 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 604 रन बनाये थे।

- गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स का मुकाबला आज

टीम

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), निहाल वढेरा, विष्णु विनोद, हरनूर पन्नू, पाइला अविनाश, प्रभसिमरन सिंह, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, हरप्रीत बरार, मार्को यानसेन, अजमतुल्लाह उमरजइ, प्रियांश आर्य, मुशीर खान, सूर्यांश शेडगे, मिच ओवेन, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विशाख विजयकुमार, यश ठाकुर, जेवियर बार्टलेट, प्रवीण दुबे व विशाल निषाद।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साइ सुदर्शन, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, टॉम बेंटोन, ग्लेन फिलिप्स, निशांत सिंधू, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद अरशद खान, साइ किशोर, जयंत यादव, जैसन होल्डर, राहुल तेवतिया, शाहरुख खान, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर सिंह बरार, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, ल्यूक वुड, कुलवंत हेजरोलिया, राशिद खान।

भज्जी ने की रहाणे की आलोचना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान रोहित शर्मा के खिलाफ सुनील नारायण का इस्तेमाल नहीं करने को लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे की आलोचना की।

रोहित तूफानी बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने 38 गेंद में 78 रन बनाए और सलामी जोड़ीदार रेयान रिकलटन (81 रन) के साथ 72 गेंद में 148 रन की भागीदारी की। तब रहाणे ने नारायण का इस्तेमाल नहीं किया जबकि मुंबई इंडियंस के इस स्टार खिलाड़ी के खिलाफ इस गेंदबाज का रिकॉर्ड बहुत अच्छा रहा है। सबसे अच्छा मुकाबला यह होता कि पावरप्ले में नारायण से गेंदबाजी कराई जाती, कम से कम एक या दो ओवर तो जरूर ताकि रोहित को शुरुआत में ही निशाना बनाया जा सके। विकेट लेकर मुंबई पर दबाव बनाने का उनके पास यही सबसे अच्छा मौका था। बल्कि नारायण ने अपने कोटे के पूरे ओवर भी नहीं फेंके, जिससे पता चलता है कि कप्तानी उस स्तर की नहीं थी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि केकेआर को पता है कि ग्रीन गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे

सिडनी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने सोमवार को कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स प्रबंधन को कैमरन ग्रीन की चोट की स्थिति के बारे में पूरी तरह से पता है जबकि केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल के पहले मैच में मिली हार के बाद कहा था कि सिर्फ मेजबान बोर्ड को ही पता है कि ग्रीन गेंदबाजी क्यो नहीं कर सके। ग्रीन से गेंदबाजी नहीं कराने के बारे में पूछे गए सवालों पर रहाणे ने कहा क्रिकेट आस्ट्रेलिया से पूछो। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के एक प्रवक्ता ने बताया कैमरन को कमर में चोट लगी थी जिससे वह कुछ समय तक गेंदबाजी नहीं कर सकेगा। वह 10.12 दिन के बाद गेंदबाजी कर पायेगा और केकेआर को इसकी पूरी जानकारी है। ग्रीन ने सितंबर 2024 से अक्टूबर 2025 तक गेंदबाजी नहीं की। उन्होंने 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में गेंदबाजी की थी। पूरे विश्व कप में वह 19 गेंद ही डाल सके। केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपये में ग्रीन को खरीदा था।

प्रज्ञानानंदा ने वेई यी के साथ ड्रॉ खेला, संयुक्त बढ़त बरकरार

पाफोस (साइप्रस)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए चीन के वेई यी के खिलाफ आसानी से ड्रॉ खेला और सोमवार को यहां फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के दूसरे दौर के बाद 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर बने रहे। पहले दौर में अनीश गिरी पर शानदार जीत दर्ज करने के बाद प्रज्ञानानंदा दूसरे दिन भी लय में नजर आए। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए चीन के खिलाड़ी पर कुछ दबाव बनाया। वेई यी ने जटिल मुकाबले से बचने का फैसला किया और मोहरों की अदला-बदली होती रही, जिससे अंत में विपरीत रंग के ऊंटों के एंडगेम में मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। प्रज्ञानानंदा के पास एक अतिरिक्त प्यादा था, लेकिन सफेद मोहरों की स्थिति बेहद मजबूत थी। 46 चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। पहले दौर में जहां चार में से तीन मुकाबले निर्णायक रहे थे, वहीं दूसरे दौर में सभी मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए।

हुनर साबित करने के लिए मैं नहीं खेल रहा : रहाणे

मुंबई, एजेंसी

अपने भविष्य को लेकर कभी खत्म नहीं होने वाली अटकलों को खारिज करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान और भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा कि वह अपने विकास के लिये क्रिकेट खेल रहे हैं, किसी को कुछ साबित करने के लिये नहीं।

सैतीस वर्ष के रहाणे ने पिछले सत्र में मुंबई रणजी टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। उन्होंने सफेद गेंद के टूर्नामेंट में भी कप्तानी नहीं की जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। वह भारत के लिए आखिरी बार 2023 में खेले थे।मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल के पहले मैच में 40 गेंद में 67 रन बनाने वाले रहाणे ने कहा लोगों को मेरे बारे में बोलने दीजिए। वे 20 साल से बोलते आ रहे हैं। उन्होंने कहा मैं अपनी बल्लेबाजी से खुश हूं। मैं किसी को यह साबित करने के लिये नहीं खेल रहा हूं कि मैं कितना हुनरमंद हूं। लोग देख रहे हैं। उन्हें देखने दीजिये और बोलने दीजिए। उन्होंने कहा मैं बहुत खुश हूं कि पिछले दो तीन साल में सफेद गेंद के प्रारूप में मेरा खेल बेहतर हुआ है। एक क्रिकेटर के तौर पर विकास जरूरी है और मैं वही करने की कोशिश कर रहा हूं।

एशियाई खेल | पुणे में चल रहे शिविर में तकनीक निखारने के साथ मानसिक मजबूती पर दे रहीं खास ध्यान

तीरंदाज कोमोलिका की निगाहें भारतीय टीम में चयन पर

रायपुर, एजेंसी

भारतीय तीरंदाज कोमोलिका बारी के लिए जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर सर्किट में सफर उतना आसान नहीं रहा लेकिन अब वह 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और पुणे में चल रहे शिविर में तकनीक निखारने के साथ मानसिक मजबूती पर खास ध्यान दे रही हैं।

विश्व कैडेट और विश्व जूनियर खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज कोमालिका एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक जैसे बड़े टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटी हैं।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में चयन की दौड़ में पहुंचने के

बाद कोमालिका ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। वह पुणे में चल रहे शिविर में अपनी तकनीक को निखारने के साथ-साथ मानसिक मजबूती और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने पर भी खास ध्यान दे रही हैं।

उन्होंने 'साई मीडिया' से कहा, मैं फिलहाल शीर्ष-16 में हूं और राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का हिस्सा हूं। एशियाई खेलों के चयन को लेकर मैं गंभीरता से तैयारी कर रही हूं। साथ ही मैं ज्यादा से ज्यादा प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अनुभव हासिल करना चाहती हूं और अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी बनाए रख रही हूं।

कोमोलिका ने 2021 में अपनी राज्य की साथी दीपिका कुमारी की बराबरी करते हुए विश्व कैडेट और विश्व जूनियर दोनों खिताब जीतने वाली भारत की दूसरी महिला रिकर्व तीरंदाज बनने का गौरव हासिल किया। उनकी मां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं जिन्होंने बेटी को तीरंदाजी अपनाने के लिए प्रेरित किया। झारखंड की यह प्रतिभाशाली तीरंदाज यहां चल रहे पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में तीरंदाजी स्पर्धा की मुख्य आकर्षण हैं।

कोमालिका ने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य 2028 ओलंपिक है। इस समय मेरी ट्रेनिंग काफी अच्छा चल रही है और मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। सबसे ज्यादा ध्यान मानसिक रूप से मजबूत रहने पर है क्योंकि प्रदर्शन में इसकी बहुत बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने कहा, अभी तक के सफर ने मुझे सिखाया है कि उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से उन्हें पार कर आगे बढ़ा जा सकता है।

शॉटगन विश्व कप में वापसी की कोशिश करेंगे ट्रैप निशानेबाज

टैंगियेर (मोरक्को)। भारतीय ट्रैप निशानेबाज मंगलवार को यहां आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप के फिर से शुरू होने पर स्कीट निशानेबाजों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। सत्र के पहले शॉटगन विश्व कप में पुरुष और महिला स्कीट टीम का प्रदर्शन फीका रहा था, जहां अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद कोई भी भारतीय निशानेबाज फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। भवनेश मेंदीरत्ता जैसे खिलाड़ी सत्र की सकारात्मक शुरुआत करने के इरादे से उतरेंगे, क्योंकि इस साल जापान में एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप भी होने हैं।